07 अगस्त, 2025
श्रावण, शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी
संवत 2082
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

रांची
गुरुवार, वर्ष 10, अंक 288

स्वर्गीय हरिनारायण सिंह को समर्पित सर्वधर्म श्रद्धांजलि सभा आज रांची में

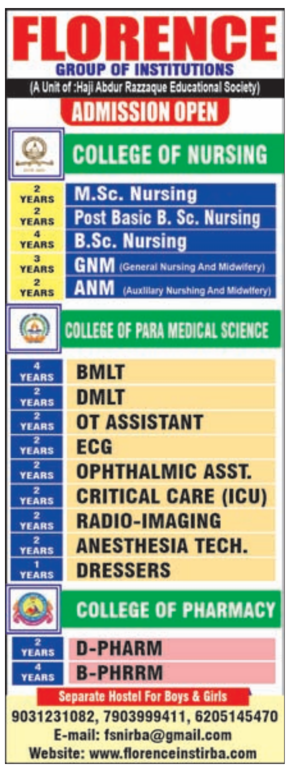

पितृ धर्म और राज धर्म दोनों निभा रहे हैं हेमंत

...आज नेमरा में सुबह का सूरज भी उदास था

नेमरा (आजाद सिपाही)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड आंदोलन के पुरोधा दिशोम गुरु शिबू सोरेन का निधन राज्य ही नहीं, देश के लिए अपूरणीय क्षति है। मंगलवार को वह पंचतत्व में विलीन हो गये, लेकिन राज्य की जनता अभी भी दुख के भंवर में है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने दुख को सोशल मीडिया पर लिख कर निकालने का प्रयास कर रहे हैं। मंगलवार को उन्होंने एक कविता लिखी, जिसमें गुरूजी को याद करते हुए ' आपका वचन निभाउंगा...' का वादा किया। गुरूजी के अंतिम संस्कार के दूसरे दिन यानी बुधवार को सोशल मीडिया पर सिर्फ एक लाइन पोस्ट किया। हेमंत सोरेन ने लिखा, 'आज नेमरा में सुबह का सूरज भी उदास था... वीर दिशोम गुरु शिबू सोरेन अमर रहें! अमर रहें! अमर रहें!' इस संक्षिप्त संदेश के जरिए उन्होंने उस गहरे दुख और भावुकता को साझा किया।

बीरू कुमार

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार करने के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 13 दिनों तक अपने पैतृक गांव नेमरा में ही रहेंगे। इस दौरान 13वीं की पूरी प्रक्रिया संपन्न होगी। पारंपरिक विधि विधान के अनुसार वे अपने पिता और राजनीतिक गुरु शिबू सोरेन की आत्मा की शांति के लिए मरांग बुरु देवता से प्रार्थना करेंगे। दिवंगत आत्मा की शांति के लिए आयोजित होने वाले अनुष्ठान में हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन, भाई बसंत सोरेन, परिवार के अन्य सदस्य और गांव के लोग शामिल होंगे।

- गुरुजी के श्राद्धकर्म के कारण 13 दिन नेमरा में ही रहेंगे मुख्यमंत्री

नेमरा से संचालित होगा 13 दिनों तक कार्यालय : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने पैतृक गांव में रहेंगे, तो अस्थाई रूप से कार्यालय का संचालन भी वहीं से होगा। हेमंत सोरेन पर पुत्र के साथ-साथ राज्य धर्म की भी जिम्मेदारी है। सरकार के कामकाज को भी उन्हें निपटना है, जिससे जनहित और विकास कार्यों में किसी तरह की रुकावट नहीं आये। मुख्यमंत्री नेमरा से ही सरकार के कामकाज को भी पूरा करेंगे। इसके लिए आवश्यक प्रशासनिक तैयारी शुरू कर दी गयी है।

जिला प्रशासन ने भी कार्यालय स्थापित किया : रामगढ़ जिला प्रशासन भी अपना अस्थाई कार्यालय इसी गांव में स्थापित कर रहा है। इंटरनेट समेत अन्य व्यवस्थाओं को बनाया जा रहा है।

ग्रामीणों के साथ अनुष्ठान पर की चर्चा

मुख्यमंत्री ने बुधवार को अपने पैतृक आवास नेमरा में गांव वासियों के साथ दिवंगत दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी के अंत्येष्टि कार्यक्रम के उपरांत होने वाले अनुष्ठान को लेकर ग्रामीणों से चर्चा की। गांववासियों ने तीन नहान, दस कर्म और श्राद्ध कर्म को लेकर मुख्यमंत्री के साथ कई स्थानीय परंपरा से संबंधित बातों को साझा किया और सुझाव दिये। उन्होंने दस कर्म दिवस की तैयारियों का जायजा लिया। मौके पर ग्रामीणों ने गुरूजी के अनुभवों को साझा करते हुए उन्हें यादकर अपनी संवेदना जतायी और दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिजनों को दु:ख की इस घड़ी में शक्ति प्रदान करने की कामना ईश्वर से की।

गलवान झड़प के बाद पहली बार चीन जायेंगे पीएम मोदी

- 31 अगस्त और 1 सितंबर को एससीओ समिट में शामिल होंगे
- मोदी जापान भी जायेंगे, भारत और जापान शिखर सम्मेलन में होंगे शामिल

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) समिट में शामिल होने के लिए चीन जायेंगे। यह दौरा 31 अगस्त और 1 सितंबर को होगा। यह 2020 में गलवान घाटी में भारत-चीन सैन्य झड़प के बाद पीएम मोदी की पहली चीन यात्रा होगी। मोदी इससे पहले वे 2018 में चीन गये थे। प्रधानमंत्री के तौर पर पीएम मोदी का यह छठा चीन दौरा होगा, जो 70 सालों में किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री की सबसे ज्यादा चीन यात्रा है। चीन से पहले मोदी 30 अगस्त को जापान पहुंचेंगे। यहां वह भारत-जापान शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे।

पिछले महीने जयशंकर ने चीन का दौरा किया था : पिछले महीने विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने चीन का दौरा किया था। उन्होंने राष्ट्रपति शी जिनपिंग और विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की। जयशंकर ने जल संसाधन डेटा शेयर करने, व्यापार प्रतिबंधों, एलएसी पर तनाव कम करने और आतंकवाद और उग्रवाद के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने जैसे मुद्दों पर बात की थी। इस मुलाकात ने मोदी की चीन यात्रा का रोडमैप तैयार किया था।

प्रधानमंत्री ने कर्तव्य भवन का किया उद्घाटन

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को दिल्ली में कर्तव्य पथ पर कर्तव्य भवन-03 बिल्डिंग का उद्घाटन किया। यह 2019 में शुरू हुई सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट का हिस्सा है और कॉमन सेंट्रल सेक्रेटरिएट (सीएसएस) की दस में से पहली बिल्डिंग है। कर्तव्य भवन-03 का उद्घाटन सबसे पहले किया गया है। इसे दिल्ली के अलग-अलग जगहों पर स्थित विभिन्न मंत्रालयों और विभागों को एक साथ लाकर उनके बीच बेहतर कोआर्डिनेशन और कामों में तेजी लाने के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें ग्राउंड फ्लोर सहित सात फ्लोर हैं। यहां गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय, एमएसएमइ मंत्रालय, कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार और इंटेलिजेंस ब्यूरो के ऑफिस होंगे। कर्तव्य भवन 1.5 लाख वर्ग मीटर में फैला है। यहां एक साथ 600 कारें खड़ी हो सकती हैं। इसमें क्रेच (शिशुगृह), योग रूम, मेडिकल रूम, कैफे, किचन और हॉल है। कर्तव्य भवन में 24 कांफ्रेंस रूम भी हैं। हर रूम 45 लोगों के बैठने की क्षमता है। सरकार के अनुसार अभी कई मंत्रालय 1950 और 1970 के दशक के बीच बने शास्त्री भवन, कृषि भवन, उद्योग भवन और निर्माण भवन जैसी पुरानी इमारतों में काम कर रहे हैं, जो अब संरचनात्मक रूप से जर्जर हो चुकी हैं। कर्तव्य भवन-1 और 2 का काम अगले महीने पूरा होगा।

2001 में हुई थी एससीओ की स्थापना: शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) एक क्षेत्रीय अंतरराष्ट्रीय संगठन है। इसकी स्थापना 2001 में चीन, रूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान ने मिल कर की थी। बाद में भारत और पाकिस्तान 2017 में इससे जुड़े। 2023 में इरान भी इसका सदस्य बना। एससीओ का उद्देश्य सदस्य देशों के बीच सुरक्षा, आर्थिक और राजनीतिक सहयोग को बढ़ाना है। संगठन आतंकवाद, उग्रवाद, ड्रग तस्करी और साइबर अपराध जैसे मुद्दों पर साझा रणनीति बनाता है।

अमेरिका ने भारत पर लगाया 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ

- राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आदेश पर किये हस्ताक्षर

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाया है। इस आदेश पर अमेरिकी राष्ट्रपति ने दस्तखत भी कर दिया है। इस आदेश के बाद कुछ छूट प्राप्त वस्तुओं को छोड़ कर भारतीय वस्तुओं पर कुल शुल्क 50 प्रतिशत हो जायेगा। प्रारंभिक शुल्क 7 अगस्त से प्रभावी होगा, जबकि अतिरिक्त शुल्क 21 दिनों के बाद 27 अगस्त से लागू होगा।

इस फैसले से भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों में तनाव की आशंका बढ़ गयी है। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा, भारत रूस से भारी मात्रा में न सिर्फ तेल खरीद रहा है, बल्कि उस तेल के बड़े हिस्से को खुले बाजार में ऊंचे दामों पर बेच कर भारी मुनाफा भी कमा रहा है। इसके साथ ही ट्रंप ने कहा कि भारत को इस बात की कोई परवाह नहीं है कि यूक्रेन में रूस की युद्ध मशीन कितने लोगों की जान ले रही है। इसी वजह से मैं भारतीय सामान पर अमेरिका में टैरिफ को काफी बढ़ाने जा रहा हूं। इस मुद्दे पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद!

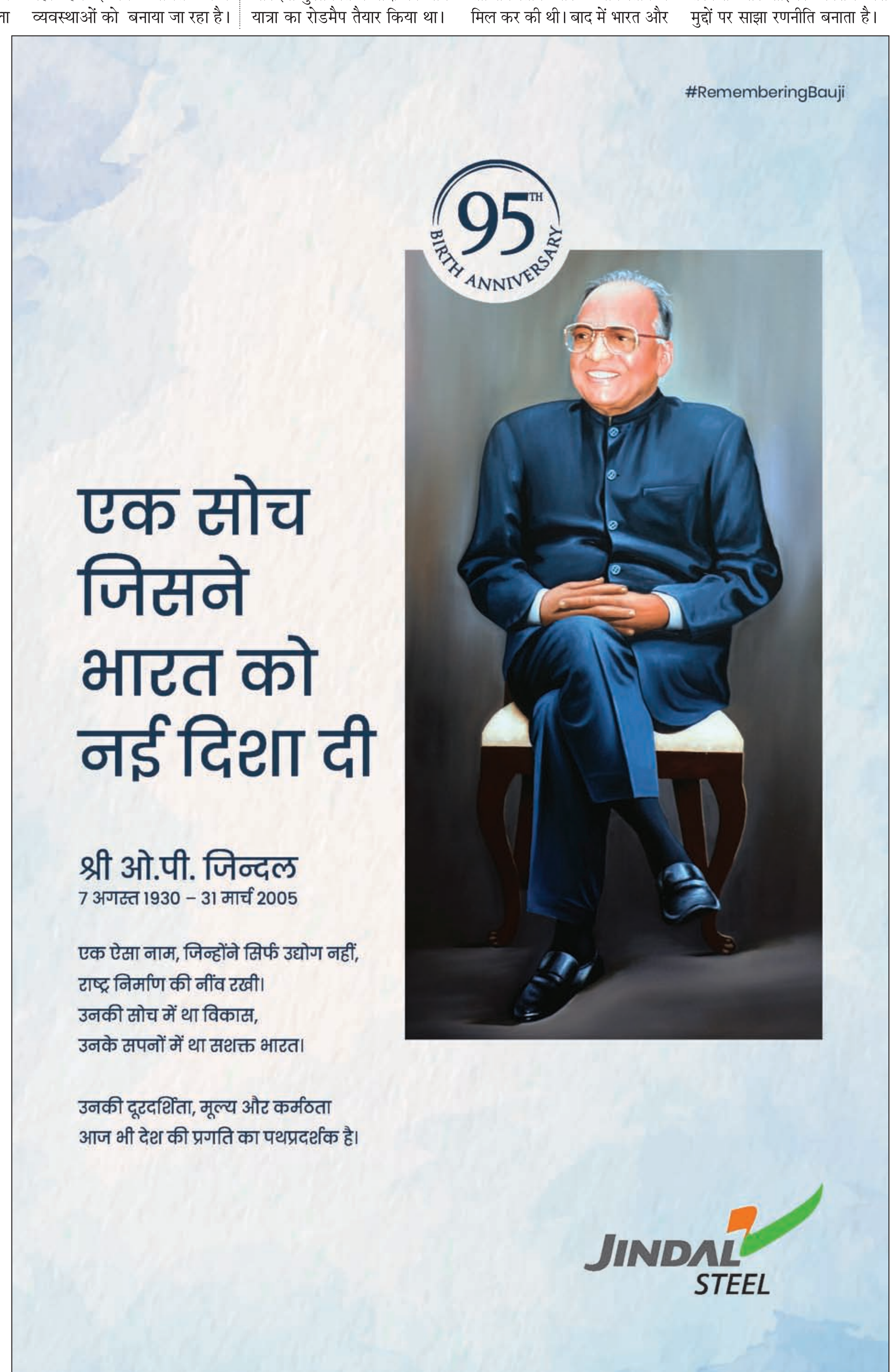

राहुल गांधी को चाइबासा कोर्ट ने दी सशर्त जमानत

- मानहानि मामले में हुई थी पेशी, 2018 का है मामला

आजाद सिपाही संवाददाता

चाइबासा। मानहानि मुकदमे में चाइबासा कोर्ट ने लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी को सशर्त जमानत दे दी है। राहुल गांधी बुधवार को चाइबासा के एमपी-एमएलए कोर्ट में पेश हुए थे। वह सुबह करीब 10 बजे हेलीकॉप्टर से टाटा कॉलेज मैदान में उतरे। इसके बाद चाइबासा परिसदन में करीब 45 मिनट इंतजार करने के बाद सिविल कोर्ट पहुंचे। उन्होंने एमपी-एमएलए कोर्ट में न्यायाधीश सुप्रिया रानी तिग्गा के समक्ष अपनी उपस्थिति दर्ज करायी। राहुल गांधी की ओर से अधिवक्ता प्रदीप चंद्रा और दीपांकर रॉय ने कोर्ट के समक्ष पक्ष रखा।

बताते चलें कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित तौर पर टिप्पणी करने के मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को चाइबासा स्थित एमपी-एमएलए कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से पेश होना था। राहुल गांधी ने 2 जून को विशेष अदालत के उस आदेश को चुनौती देते हुए हाइकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, जिसमें उन्हें 26 जून को पेश होने का निर्देश दिया गया था। राहुल गांधी के वकील ने हाइकोर्ट को सूचित किया था कि उनके मुवक्किल उस दिन पेश नहीं हो पायेंगे और इसके बजाय उन्होंने हाइकोर्ट से राहुल को चाइबासा कोर्ट में पेश होने के लिए 6 अगस्त के बाद की तारीख देने का अनुरोध किया था। हाइकोर्ट ने उनके अनुरोध को स्वीकार कर लिया था। इसके बाद वह मंगलवार को चाइबासा कोर्ट में पेश हुए।

यह विवाद 28 मार्च 2018 को राहुल गांधी के उस भाषण से जुड़ा है, जिसमें उन्होंने भाजपा नेताओं को कथित तौर पर आपत्तिजनक बयान दिया था। इस पर भाजपा नेता प्रताप कुमार कटियार ने 9 जुलाई 2018 को चाइबासा के सीजेएम कोर्ट में उनके खिलाफ आपराधिक मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया था। बुधवार को प्रताप कटियार भी भाजपा चाइबासा कोर्ट पहुंचे थे।

राहुल ने कहा मैंने ऐसा कोई बयान नहीं दिया

पूरे मामले पर शिकायतकर्ता के वकील विनोद कुमार साहू ने कहा कि कोर्ट ने राहुल गांधी को आरोपी बताते हुए पूछा कि आपने भाजपा नेताओं के लिए ऐसा बयान दिया है। क्या आपने ऐसा कहा है? इस पर राहुल गांधी ने कहा कि मैंने ऐसा कोई बयान नहीं दिया है।

वकील ने कोर्ट में जमा किया बयान

वकील विनोद कुमार साहू ने कहा कि यह पूरी तरह से गलत है। राहुल गांधी जैसे विपक्ष के नेता को इस तरह का झूठ बोलना शोभा नहीं देता। उनका भाषण अभी भी कांग्रेस की वेबसाइट पर है। हमने इसे कोर्ट में जमा कर दिया है। कोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी है। अब गवाही की प्रक्रिया शुरू होगी। उन्होंने बताया कि कोर्ट ने उन्हें इस शर्त पर जमानत दी है कि वे जांच में सहयोग करेंगे।

राहुल गांधी के लिए सबक है सुप्रीम कोर्ट की फटकार

■ नेता प्रतिपक्ष को अपने स्टैंड के बारे में आत्मचिंतन करना जरूरी है

■ सच्ची भारतीयता से भी परिचित होना होगा कांग्रेस के युवराज को

■ सेना के खिलाफ बयानबाजी से नहीं चल सकेगी मोहब्बत की दुकान

आजाद सिपाही विशेष

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी एक बार फिर सवालों के कठघरे में खड़े हो गये हैं। सवालों का यह कठघरा भी न संसद में है, न किसी सड़क पर बना है और न ही अपने जमाने के मशहूर कवि धूमिल के शब्दों में 'अदालत में, मुजरिम के कठघरे में खड़े बेकसूर आदमी का हलफनामा' जैसा ही है, बल्कि यह देश की सबसे बड़ी अदालत के सवालों का कठघरा है। सवालों के कठघरे में राहुल गांधी खड़े हैं और सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस के युवराज की सच्ची भारतीयता पर सवाल खड़ा कर दिया है। भारत-चीन सीमा विवाद का मसला राहुल गांधी कई बार उठा चुके हैं। बीजेपी की तरफ से हर बार राहुल गांधी के सवालों पर जवाबी हमला होता है। 2019 में एक बार सर्वदलीय बैठक में भी यह मामला उठा था और तब पूर्व रक्षा मंत्री शरद पवार ने भी आपत्ति जतायी थी। राहुल गांधी की भारतीयता पर सुप्रीम कोर्ट की एक टिप्पणी के बाद वो फिर से निशाने पर आ गये हैं। 2019 में ही राफेल डील के प्रसंग में राहुल गांधी को अपनी एक टिप्पणी के लिए अदालत की अवमानना के मामले में सुप्रीम कोर्ट में माफी मांगनी पड़ी थी। मई, 2019 राहुल गांधी ने सुप्रीम कोर्ट का हवाला देते हुए कहा था कि अब तो सुप्रीम कोर्ट ने भी मान लिया है कि चौकीदार चोर है। देश में उस वक्त आम चुनाव का दौर था और मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया। राहुल गांधी ने अपने माफीनामे में कहा कि अदालत का अपमान करने की उनकी कोई मंशा नहीं थी, न ही जानबूझ कर ऐसा किया... न ही अदालत की न्यायिक प्रक्रिया में वह किसी तरह की बाधा पहुंचाना चाहते थे... भूलवश ये गलती हो गयी। लिहाजा क्षमा चाहता हूं। सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी के बिना शर्त माफीनामा को स्वीकार कर लिया था। लेकिन इस बार जब उनकी भारतीयता पर ही सवाल उठे हैं, तो यह राहुल गांधी के लिए आत्मचिंतन का अवसर है। उन्हें समझना होगा कि सेना के खिलाफ बयानबाजी से उनकी मोहब्बत की दुकान नहीं चल सकती है। कांग्रेस नेता को सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद क्या है राहुल गांधी की राजनीति और क्या हो सकता है इस फटकार का असर, बता रहे हैं आजाद सिपाही संवाददाता।

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी अक्सर अपनी तीखी राजनीतिक बयानबाजी के कारण विवादों में रहते हैं। भारतीय सेना को लेकर दिये गये उनके बयान विशेष रूप से संवेदनशील माने जाते हैं। ऐसा ही एक विवादित बयान देने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को कड़ी फटकार लगाते हुए साफ कहा है कि विपक्ष के नेता के रूप में उन्हें अपनी बातें संसद के पटल पर रखनी चाहिए, सोशल मीडिया या सार्वजनिक मंचों पर नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को फटकार लगाते हुए कहा कि अगर आप सच्चे भारतीय हैं, तो आप ऐसी बातें नहीं कहेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी से पूछा है कि उन्हें कैसे पता चला कि दो हजार वर्ग किलोमीटर जमीन चीन ने कब्जा कर ली है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आप विपक्ष के नेता हैं, अपनी बात संसद में कहें, सोशल मीडिया पर नहीं। अदालत ने राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज आपराधिक कार्यवाही पर भी रोक लगा दी। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने इस मामले में उत्तर प्रदेश सरकार और शिकायतकर्ता उदय शंकर श्रीवास्तव को नोटिस जारी किया है। उदय शंकर श्रीवास्तव की शिकायत पर ही यह मामला दर्ज हुआ था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि राहुल गांधी ने भारत-चीन सीमा विवाद के संदर्भ में भारतीय सेना के खिलाफ कई अपमानजनक बयान दिये थे। राहुल गांधी ने अपने खिलाफ दर्ज शिकायत और सम्मन आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। उन्होंने दलील दी कि यह शिकायत राजनीतिक द्वेष से प्रेरित है और इसे दुर्भावना से दायर किया गया है।

क्या कहा था राहुल गांधी ने

राहुल गांधी ने अपनी भारत जोड़ो यात्रा (दिसंबर 2022) के दौरान भारतीय सेना को लेकर आपत्तिजनक बयान दिया था। राहुल गांधी ने तवांग में हुई झड़प के बाद विवादित बयान देते हुए कहा था कि चीनी सैनिक भारतीय सैनिकों को पीट रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि चीन युद्ध की तैयारी कर रहा है और हमारी सरकार सोयी हुई है। उन्होंने कहा था कि चीन ने हमारी दो हजार वर्ग किलोमीटर जमीन पर कब्जा कर लिया है। उस समय राहुल गांधी के बयान पर राजनीतिक हंगामा तो हुआ ही था साथ ही सेना के पूर्व अधिकारियों ने भी नाराजगी जताते हुए कहा था कि भारतीय सेना दुश्मन से मुकाबले को हमेशा तैयार रहती है। सेना के पूर्व अधिकारियों ने राहुल गांधी का ध्यान कांग्रेस शासन के दौरान की कमजोरियों की ओर भी दिलाया था। यही नहीं, अरुणाचल प्रदेश का तवांग, जहां भारत और चीनी सैनिकों के बीच झड़प हुई थी, वहां के लोगों ने भी राहुल गांधी के बयान पर नाराजगी जताते हुए कहा था कि हमें भारतीय सेना पर गर्व है और उन पर पूरा भरोसा है।

गलवान घाटी की झड़प पर भी गलतबयानी की

राहुल गांधी ने सिर्फ तवांग ही नहीं, गलवान घाटी में भारत-चीन सैनिकों के बीच हुई झड़प को लेकर भी गलतबयानी की थी। उन्होंने उस समय सरकार से पूछा था कि गलवान घाटी कांड के और उसके पहले चीन ने जो हमारी जमीन छीनी है, उसके बारे में प्रधानमंत्री मोदी चुप क्यों हैं? हालांकि राहुल को शायद पता नहीं कि उनके परनाना नेहरूजी के जमाने में हमारी लगभग 38 हजार वर्ग किमी जमीन पर चीन ने कब्जा कर लिया था और 1962 के युद्ध में भारत को भारी शर्मिंदगी उठानी पड़ी थी। यही नहीं पांच-छह दशक के शासन-काल में कांग्रेस पार्टी ने उस जमीन की वापसी के लिए कभी कोई ठोस कोशिश ही नहीं की। तवांग घटना के बाद कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी से जो सात सवाल पूछे थे, वे राष्ट्रहित के विरुद्ध तो थे ही, साथ ही हमारी सेना का मनोबल गिराने वाले भी थे।

2007 में संसद में पूछा गया था प्रश्न

राहुल गांधी को यह भी पता होना चाहिए कि साल 2007 में संसद में एक प्रश्न पूछा गया था। तब तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने बताया था कि कुल 43180 वर्ग किलोमीटर जमीन कांग्रेस शासन के दौरान चीन ने कब्जा की है।

पहले भी राहुल गांधी विवादों में फंस चुके हैं

यह कोई पहला मौका नहीं है, जब राहुल गांधी की टिप्पणी पर न्यायपालिका ने सवाल खड़े किये हों। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ उनकी 'चौकीदार चोर है' वाली टिप्पणी पर भी सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें फटकार लगायी थी। अब तवांग घटना और चीन से जुड़ी सीमा स्थिति पर सेना के शौर्य पर सवाल उठाने वाले उनके बयान ने एक बार फिर राजनीतिक बयानबाजी की सीमाओं पर बहस छेड़ दी है।

यह है तवांग का घटनाक्रम

जहां तक तवांग में घटे घटनाक्रम की बात है, तो इसके बारे में बताया जाता है कि चीनी सेना ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) को पार करने का प्रयास किया था, जिसका विरोध किया गया था। हालांकि इस मुद्दे का स्थानीय स्तर पर ही समाधान हो गया था और बुमला में इसको लेकर एक फ्लैग मीटिंग भी हुई थी। इस घटना के बाद एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया था, जिसमें भारतीय सेना चीनी सेना को पीटते और खदेड़ते देखी गयी थी। हालांकि इस बात की पुष्टि नहीं हो सकी थी कि वह वीडियो तवांग में हुई झड़प का था या नहीं।

आत्मचिंतन का अवसर

राहुल गांधी को समझना होगा कि भारतीय सेना केवल एक संस्था नहीं, बल्कि देश की सुरक्षा और सम्मान का प्रतीक है। जब कोई प्रमुख नेता सेना के शौर्य या क्षमता पर सार्वजनिक रूप से सवाल उठाता है, तो यह न केवल सैनिकों का मनोबल प्रभावित कर सकता है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी गलत संदेश जाता है। विपक्ष की भूमिका सरकार से सवाल पूछने की है, लेकिन यह प्रक्रिया तथ्यों और जिम्मेदाराना भाषा पर आधारित होनी चाहिए। राहुल गांधी को यह भी समझना होगा कि सोशल मीडिया और जनसभाओं में दिये गये बयान त्वरित राजनीतिक लाभ दे सकते हैं, लेकिन उनके दीर्घकालिक प्रभाव राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से गंभीर हो सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट की ओर से कार्यवाही पर रोक लगाना फिलहाल राहुल गांधी के लिए राहत है, लेकिन अदालत की सख्त टिप्पणी उनके लिए एक स्पष्ट चेतावनी भी है। राहुल गांधी को यह समझना होगा कि विपक्ष के नेता के रूप में उनके हर शब्द का राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर असर होता है। व्यक्तिगत या दलगत राजनीति के लिए भारतीय सेना के शौर्य पर सवाल उठाना किसी भी दृष्टिकोण से उचित नहीं ठहराया जा सकता।

बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट की फटकार को राहुल गांधी को आत्मचिंतन के अवसर के रूप में लेना चाहिए। राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर संवाद और बहस हो सकती है, लेकिन यह तथ्यों पर आधारित और गरिमापूर्ण होनी चाहिए– यही लोकतंत्र और देशहित की सच्ची कसौटी है।

मोदी 22 को गयाजी में जनसभा को संबोधित करेंगे, देंगे सौगात

आजाद सिपाही संवाददाता

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लगभग हर महीने राज्य का दौरा हो रहा है। उनके अगले बिहार दौरे की तारीख आ गयी है। पीएम मोदी शुक्रवार, 22 अगस्त को गयाजी में जनसभा को संबोधित करेंगे। इस दौरान वे राज्य को कई सौगात देंगे। गयाजी जिले में होने वाले प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी शामिल होंगे। बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

रिपोर्ट्स के अनुसार प्रधानमंत्री की गयाजी जिले में बेलागंज विधानसभा क्षेत्र के पाली गांव में जनसभा हो सकती है। सरकार के मंत्री और प्रशासनिक पदाधिकारी इसकी तैयारियों में जुटे हैं। जल्द ही आधिकारिक रूप से सभा स्थल की घोषणा की जायेगी।

पीएम मोदी पिछले महीने ही मोतिहारी आये थे। उन्होंने शहर के गांधी मैदान से लगभग 7200 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया था। इसके अलावा उन्होंने पटना और मोतिहारी से नयी दिल्ली समेत कुल 4 अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को वर्चुअल हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था।

बिहार में आगामी अक्टूबर और नवंबर के महीने में विधानसभा चुनाव संभावित हैं। चुनावी साल में लगभग हर महीने पीएम का बिहार दौरा हो रहा है। मोतिहारी से पहले वे जून में सीवान, मई में बिक्रमगंज और अप्रैल में झंझारपुर में जनसभा को संबोधित किया था।

अनंत सिंह ने जेल से निकलते ही किया खुद लड़ने का एलान

पटना (आजाद सिपाही)। बिहार के चर्चित बाहुबली नेता अनंत कुमार सिंह बुधवार को पटना के बेऊर जेल से रिहा हो गये। जेल से निकलते ही उन्होंने मोकामा से विधानसभा चुनाव लड़ने का एलान कर दिया। उन्होंने कहा कि वह जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के टिकट पर लड़ेंगे। इस सीट से अनंत सिंह की पत्नी नीलम देवी अभी विधायक हैं। ऐसे में संभावना है कि वे दोबारा मैदान में नहीं उतरेंगी और आगामी विधानसभा चुनाव में अपने पति के लिए प्रचार करती हुईं नजर आयेंगी। सोनू-मोनू गैंग के साथ फायरिंग केस में जमानत पर रिहा हुए अनंत सिंह को पत्रकारों ने आगामी बिहार चुनाव को लेकर सवाल पूछा। इस पर पूर्व विधायक ने अपने अंदाज में कहा, चुनाव है, तो चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने आगे बताया कि वह जेडीयू के टिकट पर मोकामा से चुनाव लड़ेंगे। अनंत सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने सड़क, बिजली, पानी के सभी काम कराये हैं।

गृहमंत्री अमित शाह आज पटना में

पुनौराधाम में कल माता सीता के मंदिर का शिलान्यास करेंगे

आजाद सिपाही संवाददाता

पटना। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बिहार दौरे पर आ रहे हैं। अमित शाह सात अगस्त की रात 9:30 बजे पटना पहुंचेंगे। अमित शाह रात्रि विश्राम पटना में करेंगे। इसके बाद पटना से वह 8 अगस्त को सीतामढ़ी के लिए रवाना होंगे। सीतामढ़ी के पुरौनाधाम में मां जानकी मंदिर का गृह मंत्री शिलान्यास करेंगे। पुनौराधाम परिसर में मां जानकी के भव्य मंदिर निर्माण के लिए शिलान्यास व भूमि पूजन आठ अगस्त को होना है। जिसमें केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित कई गणमान्य व साधु संत शामिल होंगे। इसको लेकर प्रशासनिक तैयारी काफी तेज कर दी हैं। साज-सज्जा के साथ सुरक्षा व्यवस्था व अन्य व्यवस्था को लेकर पूरा प्रशासनिक अमला लगा है।

अयोध्या राम मंदिर के वास्तुकार चंद्रकांत सोमपुरा को पुनौराधाम मंदिर का वास्तु डिजाइन तैयार करने की जिम्मेवारी सौंपी गयी थी। डिजाइन बनकर तैयार है। बिहार के पर्यटन मंत्री ने बताया कि सीता मंदिर की ऊंचाई अयोध्या मंदिर से 5 फीट कम रखी गयी है। अयोध्या स्थित राम मंदिर की ऊंचाई 161 फीट और पुनौराधाम स्थित सीता मंदिर की ऊंचाई 156 फीट होगी। मंदिर को 36 महीने में 882 करोड़ रुपये से ज्यादा के बजट से बनाया जायेगा। उन्होंने कहा कि मंदिर को राष्ट्रीय के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर का तीर्थस्थल बनाया जायेगा। यहां मंदिर के साथ-साथ धर्मशाला सहित अन्य धार्मिक पर्यटन सुविधाएं विकसित होगा।

भाजपा कार्यकर्ता दे रहे हैं न्योता

इधर भाजपा के नेता इस शिलान्यास कार्यक्रम में शामिल होने के लिए न्योता देते भी नजर आये हैं। जय-जय सीताराम चलू पुनौरा धाम के जयघोष के साथ सीतामढ़ी में नगर मंडल भाजपा के कार्यकर्ता शहरी क्षेत्र के घरों व दुकानों में अक्षत वितरण कर सीतामढ़ी पुनौरा धाम में सीता माता का भव्य मंदिर निर्माण कार्य हेतु भूमि पूजन एवं शिलान्यास कार्यक्रम में शामिल होने का न्योता देते दिख रहे हैं।

भीड़ नियंत्रण व पार्किंग के साथ यातायात प्रबंधन पर करें काम : मंगलवार को तैयारी का जायजा लेने के लिए बिहार के मुख्य सचिव अमृतलाल मीणा एवं पुलिस महानिदेशक विनय कुमार पुनौरा धाम स्थित मां जानकी मंदिर पहुंचे। शिलान्यास कार्यक्रम स्थलों का निरीक्षण किया।

तेजस्वी यादव को चुनाव आयोग का दूसरा नोटिस

दो वोटर आइडी मामले में मांगा जवाब

आजाद सिपाही संवाददाता

पटना। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को चुनाव आयोग ने दोबारा नोटिस भेजा है। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता से आयोग दो वोटर आइडी रखने के मामले में फिर से जवाब मांगा है। इस संबंध में दीघा विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी की ओर से बुधवार को पत्र लिखा गया। इसमें तेजस्वी द्वारा वोटर लिस्ट में नाम शामिल नहीं किये जाने संबंधी पूर्व के दावे के बारे में जानकारी मांगी है। बीते रविवार को भी तेजस्वी यादव को आयोग की ओर से नोटिस भेजा गया था। बताया जा रहा है कि नेता प्रतिपक्ष की ओर से पहले पत्र जवाब न मिलने के बाद उन्हें दोबारा नोटिस भेजा गया है।

इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग द्वारा कराये जा रहे वोटर लिस्ट रिवीजन के घर-घर सत्यापन अभियान के बाद 1 अगस्त को ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी की गयी थी। इसके तुरंत बाद तेजस्वी यादव ने पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दावा किया था कि उनका नाम ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में नहीं है। उन्होंने मीडिया के सामने ही अपना इपिक (मतदाता पहचान संख्या) आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर दर्ज करके एसआइआर ड्राफ्ट में अपना नाम सर्च किया था। तेजस्वी ने दावा किया कि उनका नाम ड्राफ्ट में नहीं दिख रहा है।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
1 Channel
आजाद सिपाही Subscribe NOW

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	31.1°C	23.4°C
सूर्यास्त (आज) :		18.28 बजे
सूर्योदय (कल) :		05.21 बजे

झारखंड के कण-कण में बसे हैं गुरुजी उनका संघर्ष प्रेरणा स्रोत: सुदीप गुड़िया

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। झारखंड आंदोलन के प्रणेता, राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिशुम गुरु शिबू सोरेन की आत्मा की शांति के लिए बुधवार को तोरपा प्रखंड परिसर में श्रद्धांजलि सह सर्व धर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। इसाई, सरना, मुस्लिम और हिंदू रीति रिवाज से गुरुजी की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। ब्लॉक मैदान में विधायक सुदीप गुड़िया की ओर से श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। श्रद्धांजलि सभा में गुरुजी को श्रद्धांजलि देने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी।

झामुमो, कांग्रेस, भाजपा सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता, विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक और विद्यार्थी, जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने गुरुजी को श्रद्धांजलि अर्पित की और दो मिनट का मौन रखकर आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गयी।

मौके पर विधायक सुदीप गुड़िया ने कहा कि गुरुजी हमारे मार्गदर्शक थे, वे पूरे झारखंड के अभिभावक थे। उनके बताये मार्ग पर आगे चलकर झारखंड को आगे ले जाना है। विधायक ने कहा कि गुरुजी झारखंड के कण-कण में बसे हैं। उन्होंने कहा कि गुरुजी कहा करते थे लोगों की आवाज बनो। आज उनकी बतायी एक-एक बात याद आती है। उनका संघर्ष प्रेरणा स्रोत है।

झामुमो जिलाध्यक्ष जुबैर अहमद ने कहा कि गुरुजी झारखंड के निर्माता थे। उनके संघर्ष और अलग राज्य के लिए उनकी लंबी लड़ाई की बदौलत झारखंड अलग राज्य बना।

श्रद्धांजलि सभा में सर्वधर्म संभाव की मिसाल देखने को मिली। विभिन्न धर्म के पुजारी, धर्म गुरुओं ने एक मंच पर आकर गुरुजी की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। पुजारी अनिल मिश्रा, पादरी अमृत भेंगरा, पाहन डुंडा तोपनो, फादर हीरालाल हुनी पूर्ति, मौलाना मो आबिद हुसैन और मो.बजुल्फीकर अली ने प्रार्थना अपने अपने धर्म की रीति के अनुसार प्रार्थना की मौके पर एएसपी क्रिस्तोफर केरकेट्टा, बीडीओ नवीन चंद्र झा, पुलिस इंस्पेक्टर फ्रांसिस जेवियर बाड़ा, सीओ पूजा बिन्हा, तोरपा थाना प्रभारी मुकेश हेमरोम, तपकारा थाना प्रभारी नितेश कुमार गुप्ता, जिप सदस्य सुशांति कोनगाडी, वीरेन कंडुलना,फादर तेजकुमार लिंडा, सिस्टर अलमा बिलूंग, सुशील पाहन, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष रुबेन तोपनो, अमृत हेमरोम, प्रदीप केशरी सहित अन्य उपस्थित थे।

स्वर्गीय हरिनारायण सिंह को समर्पित सर्वधर्म श्रद्धांजलि सभा आज रांची में

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पत्रकारिता के सशक्त आधार स्तंभ और विशेष रूप से झारखंड की पत्रकारिता को एक नयी दिशा और दशा देने के साथ ही अपनी हर एक लेखनी में आम जनता की भावनाओं, आकांक्षाओं और जरूरतों को खूबसूरती के साथ पिरोकर दुनिया के सामने रखनेवाले स्व. हरिनारायण सिंह को समर्पित शोक एवं सर्वधर्म श्रद्धांजलि सभा का आयोजन 7 अगस्त गुरुवार को अपराह्न 3:30 बजे राजधानी रांची के मोरहाबादी मैदान स्थित मान्या पैलेस में आयोजित किया गया है।

स्व. हरिनारायण सिंह, जिन्होंने पत्रकारिता के मूलभूत सिद्धांतों के साथ कभी भी समझौता नहीं किया। साथ ही अपने प्रयोग की रणनीति के तहत पत्रकारिता और इससे जुड़े लोगों के जीवन में आमूलचूल परिवर्तन किया।

ज्ञातव्य है कि आजाद सिपाही संस्थान के संस्थापक और हिंदी दैनिक आजाद सिपाही के प्रधान संपादक श्री हरि नारायण सिंह का निधन 3 अगस्त 2025 रविवार को हो गया। इस कार्यक्रम का आयोजन सर्वधर्म श्रद्धांजलि आयोजन समिति के द्वारा किया गया है।

रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन को बड़ा झटका, हाइकोर्ट ने नहीं दी बेल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। लैंड स्कैम के आरोपी रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन की जमानत याचिका पर झारखंड हाइकोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है। हाइकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की अदालत ने छवि रंजन की याचिका खारिज करते हुए उन्हें बेल देने से इनकार कर दिया है। हाइकोर्ट से जमानत याचिका खारिज होने से छवि रंजन को बड़ा झटका लगा है। इससे पहले 25 जुलाई को कोर्ट ने इडी और बचाव पक्ष की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। बता दें कि इससे पहले रांची पीएमएलए (प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) कोर्ट ने छवि रंजन को बेल देने से इनकार कर दिया था। जिसके बाद छवि रंजन ने हाइकोर्ट में जमानत देने की गुहार लगायी थी।

राशिफल

डॉ एनके बेरा | 9431114351

मेष परिस्थिति में सुधार, नौकरी में परिवर्तन होने की संभावना। उच्चस्तरीय लोगों से सम्पर्क बनाने की कोशिश कामयाब होगी।

वृष रोजी-रोजगार के क्षेत्र में सफलता, यशस्वी कार्य करने का अवसर, राजनीतिक लाभ।

मिथुन प्रभावशाली लोगों के सहयोग से रूका हुआ काम पूरा होगा, सुख-सौहार्द्र की वृद्धि।

कर्क आत्मविश्वास में वृद्धि,धन-द्रव्य का लाभ शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। नवीन उद्योग-व्यापार की योजनाएं सफल होगी।

सिंह सक्रियता बनाये रखें,सभी काम देरसबेर पूरा होगा, बेरोजगारों को रोजगार के अवसर बनेंगे।

कन्या बहुत दिनों से चली आ रही इच्छाओं की पूर्ति होगी, व्यवसाय में सफलता।

तुला कुछ संघर्षों के बाद नौकरी-सरकारी कार्यों में आशातीत सफलता मिलेगी।

वृश्चिक चतुर्दिक हर्ष तथा उल्लास का वातावरण रहेगा, संयम, धैर्य से काम आसान होंगे।

धनु आय के नये स्रोत बनेंगे, प्रभावशाली व्यक्तित्व का विकास, षड्यंत्र विफल रहेगा।

मकर नये व्यवसाय का आरंभ हो सकता है, परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न होगा।

कुंभ रुके हुए कार्य में तेजी, उत्साह-उमंग भरा रहेगा, भ्रमण के साधन बनेंगे,नये लोगों से संपर्क।

मीन किसी नये कार्य आरंभ करने से पूर्व परिवार में विचार-विमर्श करें, कठिनाइयों पर विजय।

अपने पैतृक आवास नेमरा में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, माता रुपी सोरेन, भाई बसंत सोरेन और अन्य लोगों के साथ 'तीन नहान, दस कर्म और श्राद्ध कर्म' को लेकर चर्चा करते हुए।

चेक बाउंस मामले में सजायाफ्ता की अपील खारिज, सजा बरकरार

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची के अपर न्यायायुक्त एके तिवारी की अदालत ने बुधवार को चेक बाउंस मामले में सजायाफ्ता कांके थाना क्षेत्र निवासी लालू जॉब की अपील को खारिज कर दिया है। अदालत ने इसी मामले में निचली अदालत के जरिए सुनायी गयी छह महीने की साधारण कारावास की सजा और जुर्माना को भी बरकरार रखा है। अपर न्यायायुक्त की अदालत ने अपील खारिज करने के साथ ही पहले से मिली जमानत भी रद्द कर दी है। आरोपित लालू को ट्रायल कोर्ट के समक्ष आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया गया है। यह मामला वर्ष 2022 का है, जब लालू ने शिकायतकर्ता मनोज कुमार सिंह को 2,50,000 (ढाई लाख) रुपये का चेक सौंपा था। चेक पंजाब नेशनल बैंक, एचइसी शाखा, धुर्वा से जारी किया गया था। शिकायतकर्ता ने उसे 14 सितंबर 2022 को बैंक में जमा किया, लेकिन अपर्याप्त राशि के कारण चेक 15 सितंबर 2022 को बाउंस हो गया। इसके बाद शिकायतकर्ता ने 22 सितंबर 2022 को नोटिस भेजा, लेकिन आरोपित की ओर से कोई जवाब नहीं मिला। उल्लेखनीय है कि 04 सितंबर 2024 को न्यायिक दंडाधिकारी एकता सक्सेना ने आरोपित लालू जॉब को दोषी ठहराते हुए छह महीने की सजा सुनायी थी। लालू जॉब पर 3.5 लाख का मुआवजा और 5,000 का जुर्माना भी लगाया था। लालू ने इस सजा के खिलाफ अपर न्यायायुक्त की अदालत में अपील की थी। लेकिन अदालत ने उसकी अपील को खारिज करते हुए सजा के साथ-साथ मुआवजा और जुर्माना भी बरकरार रखा है।

दिशोम गुरु की बालू पर उकेरीं भावुक यादें

शिबू सोरेन को बोकारो के कलाकार ने दी श्रद्धांजलि

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड आंदोलन के प्रखर नेता दिशोम गुरु शिबू सोरेन को पूरे देश से लोग अपने-अपने अंदाज में श्रद्धांजलि दे रहे हैं। इसी क्रम में बोकारो के प्रसिद्ध सैंड आर्टिस्ट अजय शंकर महतो ने अपनी कला के जरिए उन्हें एक खास और भावुक श्रद्धांजलि दी। उन्होंने चंदनक्यारी के दामोदर नदी के किनारे बालू पर दिशोम गुरु की खूबसूरत आकृति उकेरकर उन्हें नमन किया।

यह कलाकृति न सिर्फ देखने वालों को भावुक कर गयी, बल्कि दिशोम गुरु के संघर्षों और आदिवासी समाज के लिए किये गये योगदान को भी एक नयी पहचान दी। बालू पर उभरी यह छवि, न सिर्फ एक कलाकार की ओर से श्रद्धांजलि है, बल्कि झारखंड के जननेता को जन-जन से जोड़ने वाला एक भावनात्मक माध्यम भी बन गयी है। अजय शंकर महतो ने कहा, दिशोम गुरु न होते तो शायद झारखंड का अस्तित्व न होता। यह मेरी छोटी-सी कोशिश है उन्हें नमन करने की। शिबू सोरेन का जीवन संघर्ष और जनसेवा की मिसाल रहा है। झारखंड और आदिवासी समाज के लिए उनका योगदान आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देता रहेगा।

साहिबगंज में जमीन विवाद में तीन लोगों की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

साहिबगंज। झारखंड के साहिबगंज जिले में जमीन विवाद ने एक बार फिर खूनी रूप ले लिया। तालझारी थाना क्षेत्र के दुधकोल गांव में बुधवार को एक ही परिवार के तीन लोगों की धारदार हथियार से निर्मम हत्या कर दी गयी। नथानिएल हांसदा, उनकी पत्नी बड़की मुर्मू और वृद्ध मां नौहा मुर्मू को लोहे की रॉड से पीट-पीटकर बेरहमी से मार डाला गया। इस घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान एक ही परिवार के सदस्यों के तौर पर की गयी है।

प्रारंभिक जांच में पता चला है कि यह हत्याकांड जमीन विवाद को लेकर हुआ। घटना की सूचना मिलते ही तालझारी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और बॉडी को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस बीच, मुख्य आरोपी बजल हेम्ब्रम को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

छापामारी दल में थाना प्रभारी नितेश कुमार पांडेय, अनिल कुमार यादव, संजीव मिश्रा सहित पुलिस बल शामिल था।

भाकृअनुप- केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान
कटक-753006, ओड़िशा, भारत
ICAR-CENTRAL RICE RESEARCH INSTITUTE
CUTTACK-753 006, (ODISHA), INDIA
विज्ञापन संख्या / Advt. No. 21/YP-II/YP-1/FA/2025-26 दिनांक/Date: 07.08.2025
प्रत्यक्ष साक्षात्कार हेतु सूचना/Notice for Walk-In-Interview
प्रधान अन्वेषक, **ईएपी-454** योजना के तहत सभी योग्य उम्मीदवारों को एक **(01) यंग प्रोफेशनल-II** एक **(01) यंग प्रोफेशनल I** एवं तीन **(03) फील्ड असिस्टेंट** के चयन हेतु को भाकृअनुप-कें.चा.अनु.सं., कटक, उड़ीसा में **वॉक-इन-इंटरव्यू** हेतु आमंत्रित करते है। अधिक जानकारी के लिए कृपया भाकृअनुप-कें.चा.अनु.सं., की वेबसाइट **https://icar-crri.in/walk-in-interview-3/ पर जाएं।**
PI of the project **EAP-454**, invites all the eligible candidates for **walk-in-interview** for the post of one **(01) Young Professional-II**, one **(01) Young Professional-I** and three **(03) Field Assistant** at ICAR-CRRI, Cuttack, Odisha. For further details please visit to ICAR-CRRI website: **https://icar-crri.in/walk-in-interview-3/.**
प्रधान अन्वेषक/Principal Investigator

सहायक आचार्यों की परीक्षा में सफल 129 अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग कल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड प्रारंभिक विद्यालय प्रशिक्षित सहायक आचार्य संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा 2023 के आधार पर इंटरमीडिएट प्रशिक्षित सहायक आचार्य और स्नातक प्रशिक्षित सहायक आचार्य के पद पर नियुक्ति के लिए आयोग की ओर से कक्षा छह से आठवीं के सफल घोषित अभ्यर्थियों की जिला स्तरीय काउंसिलिंग आठ अगस्त को दो पालियों में होगी।

रांची के जिला शिक्षा अधीक्षक ने बुधवार को बताया कि अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग समाहरणालय भवन, ए ब्लॉक कमरा संख्या जी-14 और जी-15 में होगी। सफल घोषित और अनुशंसित कुल 129 अभ्यर्थियों की सूची और जांच-पत्रक, दिशा-निर्देश एवं शेडयूल दिया गया है, जो जिले के अधिकारिक बेबसाइट पर भी उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि जिला उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री के निर्देश पर विभाग की ओर से सफल घोषित 129 अभ्यर्थियों की सूची अधिकारिक बेबसाइट पर उपलब्ध करवा दी गयी है।

जिला शिक्षा अधीक्षक ने सफल अभ्यर्थियों से अपील की है कि जांच-पत्रक को सही-सही भरकर काउंसिलिंग की तिथि और निर्धारित समय पर अपने सभी शैक्षणिक और प्रशैक्षणिक मूल प्रमाण-पत्र सहित (दो प्रति) में स्वः अभिप्रमाणित छायाप्रति के साथ उपस्थित हों। उन्होंने सभी आवश्यक दस्तावेजों को क्रम विन्यास के अनुसार दो फोल्डर के साथ काउसिंलिग में आने का निर्देश दिया है।

उन्होंने बताया कि अभ्यर्थी फोल्डर के ऊपरी भाग में साफ-साफ बड़े अक्षरों में सफल घोषित और अनुशंसित अभ्यर्थियों का नाम, पिता का नाम, क्रमांक, कोटि और विषय आवश्यक रूप से लिखें। इस संबंध में सफल घोषित अभ्यर्थियों को उनके वाट्सएप, एसएमएस और इ-मेल के माध्यम से व्यक्तिगत रूप से भी सूचित किया गया है।

सफल अभ्यर्थियों का क्रमांक- एक से 65, गणित एवं विज्ञान, काउंसलिंग की तिथि - 8 अगस्त, सुबह 10.30 बजे से जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय, समाहरणालय भवन- ब्लॉक- ए, कमरा संख्या- जी-14, जी- 15, जबकि क्रमांक- 66 से 129, गणित और विज्ञान के अभ्यर्थियों की काउंसलिंग 8 अगस्त को दोपहर 2.30 से जिला शिक्षा अधीक्षक के कार्यालय में समाहरणालय भवन- ब्लॉक- ए, कमरा संख्या- जी-14, जी- 15 में होगी।

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पथ निर्माण विभाग,पथ प्रमण्डल,कोडरमा
06534-2227076 Email Id-eercdkoderma-jhr@nic.in

निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–12 वर्ष 2025–26

1	विज्ञापन दाता का पदनाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल,कोडरमा।
2	परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि	दिनांक 29.08.2025 को 03.00 बजे अपराह्न तक।
3	निविदा प्राप्त करने की तिथि एवं समय	दिनांक 01.09.2025 को 03.00 बजे अपराह्न तक।
4	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	दिनांक 01.09.2025 को 03.30 बजे अपराह्न से।
5	परिमाण विपत्र की विक्री की स्थान	1. मुख्य अभियंता (या०), पथ निर्माण विभाग, अभियंत्रण छात्रावास सं०2 ,धुर्वा, झारखण्ड, राँची । 2. अधीक्षण अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ अंचल, हजारीबाग। 3. कार्यपालक अभियंता ,पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल,कोडरमा।
6	निविदा प्राप्ति एवं खोलने का स्थान	1. मुख्य अभियंता (या०). पथ निर्माण विभाग, अभियंत्रण छात्रावास सं०2 ,धुर्वा, झारखण्ड, राँची 2. अधीक्षण अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ अंचल, हजारीबाग। 3. कार्यपालक अभियंता ,पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, कोडरमा।

क्र०सं०	अंचल का नाम	प्रमण्डल का नाम	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये लाख में)	अग्रधन की राशि (रूपये में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रूपये में)	कार्य पूर्ण करने का समय
1	2	3	4	5	6	7	8
1	हजारीबाग	कोडरमा	पतालडीह–देवरी–गॉवा–सतगॉवा पथ के कि0मी0 16,20 एवं 27 में अवस्थित पुल का रंग–रोगण एवं मरम्मति कार्य वित्तीय वर्ष 2025–26	10.00	20000.00	1250.00	3 माह।

नोट : 1. निविदा की शर्तें कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखी जा सकती है।
2. प्राक्कलन की राशि घटने या बढ़ने पर अग्रधन एवं परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है।
3. कार्य का परिमाण विपत्र के क्रय हेतु पथ निर्माण विभाग, झारखण्ड का निबन्धन प्रमाण पत्र एवं GST से संबंधित प्रमाण–पत्र की सुस्पष्ट प्रति संलग्न करना अनिवार्य होगा अन्यथा परिमाण विपत्र निर्गत नहीं किया जायेगा।
4. PWD कोड में संशोधन के फलस्वरुप 10 प्रतिशत न्यूनतम दर की अधिसीमा समाप्त कर दी गई है।
5. निविदा प्राप्ति की तिथि को 03.00 बजे अपराह्न तक पथ प्रमण्डल, कोडरमा कार्यालय परिसर के अन्दर संवेदकों द्वारा समूह में अथवा गुट बनाकर वार्त्तालाप करने, शोर–गुल करने या अनावश्यक समय व्यतीत कर निविदा प्रक्रिया को प्रभावित करने पर इस निविदा को रद्द किया जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
प०नि०वि०पथ प्रमण्डलकोडरमा।

PR 358939 (Road) 25-26 (D)

सीबी परियोजना में खनन और ट्रांसपोर्टिंग ठप होने से करोड़ों का नुकसान

केरेडारी (आजाद सिपाही)। एनटीपीसी की चट्टी बारीयतु कोयला खनन परियोजना में गत छह दिनों से कोयले के खनन और ट्रांसपोर्टिंग का कार्य ठप होने से कंपनी को करोड़ों का नुकसान उठाना पड़ रहा है। खनन कार्य रुक जाने से एनटीपीसी को पिछले छह दिनों में करीब अठारह करोड़ व राज्य सरकार को करीब 9 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। झारखंड के पूर्व कृषि मंत्री योगेंद्र साव का चिमनी खनन क्षेत्र में होने पर एनटीपीसी के द्वारा गत दिनों ढहा दिया गया था जिसके बाद पूर्व मंत्री योगेंद्र साव अपने समर्थकों के साथ जोरदाग के झुमरी टांड में धरना प्रदर्शन पर बैठ गये हैं। मंगलवार को कुछ लोगों के द्वारा फिर से चालू करवाया गया लेकिन बुधवार को एक बार फिर से पूर्व मंत्री योगेंद्र साव के द्वारा बंद करवा दिया गया है। वहीं जहां खनन कार्य ठप होने से कंपनी को भारी नुकसान हो रहा है वहीं ट्रांसपोर्टिंग कार्य ठप होने से हाइवा मालिकों को भी भारी नुकसान हो रहा है जिससे अब हाइवा मालिक ही ट्रांसपोर्टिंग कार्य चालू करवाने का मन बना रहे हैं। एनटीपीसी के अपर महा प्रबंधक, नीलमाधव स्वायन ने बताया कि 6 दिनों में एनटीपीसी कोयला खनन परियोजना को लगभग 18 करोड़ और राज्य सरकार को 9 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। उन्होंने आगे बताया कि माइंस चालू करवाने के लिए उच्चस्तरीय बैठक की जा रही है। माइंस बंद होने से कंपनी के साथ-साथ, रोजगार में जुड़े लोगों का भी भारी नुकसान हो रहा है।

समाहरणालय सभागार में उपायुक्त की अध्यक्षता में विकास योजनाओं की समीक्षा

कोडरमा (आजाद सिपाही)। समाहरणालय सभागार में उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गयी, जिसमें ग्रामीण विकास विभाग, पंचायती राज, आकांक्षी प्रखंड और जेएसएलपीएस द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गयी। बैठक की शुरुआत मनरेगा अंतर्गत बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत बागवानी योजना के लिए पिट डिगिंग कार्य की समीक्षा से हुई। इसके बाद मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत शेड निर्माण, दीदी बाड़ी योजना, बिरसा कूप संवर्धन योजना के अंतर्गत कुंआ निर्माण और 100 दिनों के अंतर योजना की प्रगति पर चर्चा की गयी। उपायुक्त ने बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत बागवानी योजना में चयनित सभी लाभुकों द्वारा शत-प्रतिशत पिट डिगिंग कार्य पूर्ण करने को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही लाभुकों को समय पर पौधारोपण करने का भी सख्त निर्देश दिया गया। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि कार्य में प्रगति लाने के लिए फील्ड स्तर पर नियमित अनुश्रवण की जाये। मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के अंतर्गत लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत शेड निर्माण कार्य को समयबद्ध तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि किसी भी सूरत में कार्य अधूरा नहीं रहना चाहिए। दीदी बाड़ी योजना और बिरसा कूप संवर्धन योजना के अंतर्गत कुंआ निर्माण से जुड़े कार्यों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने योजनाओं के त्वरित क्रियान्वयन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश अधिकारियों को दिये। सभी योजनाओं को 100 दिनों के भीतर पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने सभी बीपीओ को क्षेत्र भ्रमण कर योजनाओं का भौतिक सत्यापन करने एवं क्रियान्वयन में तेजी लाने का निर्देश दिया। वहीं, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे अपने-अपने प्रखंड में कार्यरत सभी पदाधिकारी और कर्मियों का एक कार्यक्षमता मूल्यांकन सीट तैयार करें और उनके कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करें। बैठक में उप विकास आयुक्त रवि जैन, जिला पंचायती राज पदाधिकारी प्रिंस गोडविन कुजुर, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, जेएसएलपीएस प्रतिनिधि, और अन्य विभागीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज में पर्यावरणीय श्रद्धांजलि के साथ जननायक को अंतिम प्रणाम

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और आदिवासी आंदोलन के प्रतीक, दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए बुधवार को शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उन्हें न केवल मौन श्रद्धांजलि दी गयी, बल्कि पौधरोपण कर एक हरित श्रद्धांजलि भी अर्पित की गयी— जिससे उनके संघर्षमयी जीवन और प्रकृति प्रेम दोनों को एक साथ याद किया गया। कार्यक्रम में अस्पताल अधीक्षक अनुकरण पूर्ति और उपाधीक्षक अजय कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे। उन्होंने दिशोम गुरु के योगदानों को याद करते हुए उन्हें समाज और राजनीति के एक अद्वितीय जनसेवक के रूप में नमन किया। इस पौधरोपण कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल उनके विचारों को जीवित रखना था, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति समाज में जागरूकता फैलाना भी था। उपस्थित जनों ने संकल्प लिया कि वे शिबू सोरेन के दिखाए रास्ते पर चलते हुए, सामाजिक और प्राकृतिक दोनों प्रकार की जिम्मेदारियों का पालन करेंगे। शिबू सोरेन के जीवन और उनके संघर्षों की प्रेरणा आगे भी लोगों को दिशा देती रहेगी — यह श्रद्धांजलि उसी भावना का प्रतीक रही।

भाजपा अल्पसंख्यक मंडल अध्यक्ष ने नये थाना प्रभारी का किया स्वागत

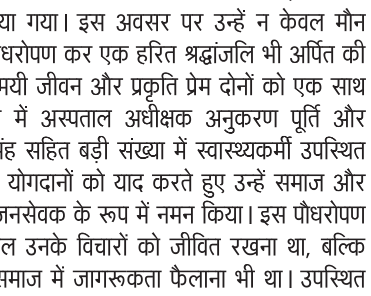

बड़कागांव (आजाद सिपाही)। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के मंडल अध्यक्ष नौशाद आलम ने बर्तनों में नवनियुक्त थाना प्रभारी कृष्ण कुमार गुप्ता से शिष्टाचार मुलाकात किया और उन्हें बुके देखकर बड़कागांव में आने के लिए स्वागत किया। मौके पर भाजपा नेता नौशाद आलम ने कहा कि बड़का गांव में आए दिन ट्रैफिक व्यवस्था बिगड़ जा रहा है आपसे बड़कागांव के ग्रामीण का उम्मीद है कि आप बिगड़ते बड़कागांव की ट्रैफिक व्यवस्था को ठीक करें साथ ही साथ विधि व्यवस्था को दुरुस्त करेंगे। वहीं नव पदस्थापित थाना प्रभारी कृष्ण कुमार गुप्ता ने कहा कि आम जनता के सहयोग से बड़कागांव का विधि व्यवस्था को दुरुस्त करने का काम करेंगे साथ ही ट्रैफिक व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान रहेगा। मौके पर मुख्य रूप से अबू तालिब मौजूद थे।

एनएच और एनटीपीसी से संबंधित भू-अर्जन मामलों की समीक्षा बैठक हुई

डीसी ने सभी लंबित कार्यों को जल्द पूरा करने का दिया निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को कार्यालय सभागार में एनएच और एनटीपीसी से संबंधित भू-अर्जन मामलों की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गयी। बैठक में एनएच और कोल माइनिंग परियोजनाओं से जुड़े स्टेटमेंट 6, म्यूटेशन की प्रगति, आंगनबाड़ी केंद्रों, पंचायत भवन, पैक्स केन्द्र और विद्यालयों के स्थानांतरण, मेजरमेंट, एफआरए, लीज बंदोबस्ती समेत विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा की गयी। बैठक में संबंधित पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी लंबित कार्यों की प्रगति में तीव्रता लायें और योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं के संबंध में संबंधित अधिकारी से समन्वय स्थापित करें। विद्यालयों और अन्य भवनों के शिफ्टिंग हेतु भूमि का चयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। साथ ही मेजरमेंट कार्यों के लिए निर्धारित शेड्यूल के आलोक में बीसीडी और डीएलओ स्तर पर पत्राचार कर आवश्यक सूचना भेजने का निर्देश दिया गया। संबंधित अंचलाधिकारियों को सभी मामलों पर वर्कआउट करने का निर्देश दिया गया।

बैठक में उपायुक्त के अलावे अपर समाहर्ता, डीएलओ, सदर और बरही एसडीओ, बरही डीसीएलआर, संबंधित सीओ एवं एनएच और एनटीपीसी के संबंधित अधिकारी व अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

आइसीयू में वर्षों से बंद वेंटिलेटर पर विधायक ने जतायी चिंता

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के आईसीयू में वर्षों से बंद पड़ी वेंटिलेटर मशीनों को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने इसे सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि जनता की ज़िंदगी के साथ खिलवाड़ बताते हुए स्वास्थ्य विभाग से तत्काल कार्रवाई की माँग की है। विधायक ने कहा कि वेंटिलेटर जैसी जीवनरक्षक मशीनें अस्पताल में वर्षों से मौजूद हैं, लेकिन आज तक उन्हें चालू नहीं किया गया। न तो इन मशीनों को सक्रिय करने की पहल हुई और न ही प्रशिक्षित ऑपरेटर की नियुक्ति की गयी। परिणामस्वरूप, जब किसी मरीज को आपात स्थिति में वेंटिलेटर की आवश्यकता होती है, तो उसे रांची रेफर कर दिया जाता है। यह स्थिति अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और अस्वीकार्य है। उक्त मुद्दों पर विस्तार से चर्चा करने के लिए विधायक प्रदीप प्रसाद के निर्देश पर चंदन सिंह ने अन्य लोगों संग अस्पताल के सुपरिंटेंडेंट डॉ. अनुकरण पूर्ती से मुलाकात किया। इस दौरान अस्पताल की मौजूदा व्यवस्था, संसाधनों की स्थिति और जमीनी चुनौतियों पर बातचीत हुई। डॉ. पूर्ती ने सभी विषयों को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।

ग्रिजली किड्स के बच्चों ने ऑरेंज डे मनाया

आजाद सिपाही संवाददाता

कोडरमा। गुमो सतपुलिया स्थित ग्रिजली पब्लिक स्कूल के जूनियर विंग ग्रिजली किड्स में रंगों की सुंदरता और जीवन में उनके महत्व को उजागर करने हेतु 'ऑरेंज डे' का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। यह विशेष दिन नन्हे-मुन्ने बच्चों के लिए रंगों से खेल खेल में प्रकृति, फल और वस्तुओं से जुड़ी जानकारियों से भी अवगत कराने का एक रचनात्मक माध्यम बना। इस अवसर पर स्कूल परिसर को भी ऑरेंज थीम से सजाया गयाजी दीवारों पर गाजर, बाघ, संतरा, फूलों और पतंगों की कलाकृतियां बच्चों की रचनात्मकता को दर्शा रही थीं। कार्यक्रम में बच्चे नारंगी रंग की विभिन्न वस्तुओं और जीवों का विशेष परिधानों में सजे-धजे स्कूल पहुंचे। अद्रित मोदी गाजर बनकर आए और गाजर के स्वास्थ्य लाभों को बड़ी ही मासूमियत से बताया। श्रवया सेठ एप्रीकोट (खुबानी) की पोशाक में आईं और इसके पोषण गुणों को साझा किया। अपराजिता गुप्ता ने मछली की पोशाक पहनकर समुद्री जीवन के बारे में बताया, वहीं चिराग जैन, शानवी प्रिया नारंगी फल बनकर मंच पर आए और इस रसदार फल से जुड़ी जानकारी दी। आदया और प्रिशा ने नारंगी रंग पर सुंदर और सरल कविताएं सुनाईं। विद्यालय की प्राचार्या नीरजा ने कहा जब बच्चे बचपन में रंगों से खेलते हैं और उनके बारे में सीखते हैं, तो ये अनुभव उनके मन में गहराई से बस जाते हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में संयोजिका पूजा झा और शिक्षिका तनु, डिंपल, साक्षी, इशा और अन्य शिक्षकों और प्रशासनिक सदस्य विकास, रोहित और मनीमाला का विशेष योगदान रहा।

गायत्री मंदिर शक्तिपीठ में सामूहिक रुद्राभिषेक का हुआ आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

झुमरीतिलैया। गायत्री मंदिर शक्तिपीठ परिसर में भव्य सामूहिक रुद्राभिषेक का आयोजन श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ किया गया। इस धार्मिक आयोजन में सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए और भगवान शिव का विधिवत पूजन-अभिषेक कर पुण्य लाभ अर्जित किया। कार्यक्रम का वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार संचालन परिव्राजक नकुल देव शास्त्री और नारायण के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए परिव्राजक नकुल देव शास्त्री ने कहा कि रुद्राभिषेक भगवान शिव को प्रसन्न करने का सर्वश्रेष्ठ अनुष्ठान है, जिससे नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है, ग्रहदोष शांत होते हैं और सुख-समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने कहा कि शिव का अर्थ है शुभ और शंकर का अर्थ है कल्याणकारी, अतः शिव कृपा प्राप्त करने हेतु हमें अपने आचरण को भी शिव जैसा पावन बनाना होगा। उन्होंने कहा कि बेलपत्र के तीन पत्ते त्रिदेव - ब्रह्मा, विष्णु और महेश - का प्रतीक हैं, जिसे अर्पण कर हम समस्त दैहिक, दैविक और भौतिक तापों से मुक्ति पा सकते हैं। मंदिर परिसर वैदिक मंत्रोच्चार और शिव भजनों से गुंजायमान रहा। शिव भोले हितकारी लाज रखो हमारी जैसे भावपूर्ण भजनों की प्रस्तुति से वातावरण भक्तिमय हो गया। उपस्थित श्रद्धालु भक्ति के सागर में गोते लगाते रहे और शांति और आनंद की अनुभूति प्राप्त की। वृक्षारोपण के महत्व को रेखांकित करते हुए नकुल देव शास्त्री ने कहा, एक वृक्ष दस पुत्रों के समान फल देता है और हमारे द्वारा छोड़ी गयी कार्बन डाइऑक्साइड को पीकर हमें अमृत समान ऑक्सीजन देता है। वृक्ष हमारे सच्चे शिव हैं। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने पौधरोपण का संकल्प लेकर कार्यक्रम को आध्यात्मिक के साथ-साथ सामाजिक दृष्टि से भी सार्थक बनाया।

हाथियों ने मचाया उत्पात, लोगों में दहशत

मरकच्चो (आजाद सिपाही)। हाथियों के झुंड से बिछड़े दो हाथियों ने प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रो मे जमकर उत्पात मचाया। इस दौरान हाथियों ने कई किसानो के धान के फसल को रौंद दिया और दो मवेशियों पर भी हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। दोनों मवेशी बंदरचौकवा निवासी बलराम मेहता का बताया गया है। हाथियों ने धरगावं पंचायत के शेर सिंघा मे उत्पात मचाया और प्रखंड के धोबीयाडीह गांव पंहुचा जहां उसने धान की खेती को नुकसान पंहुचाया। ग्रामीणों द्वारा खदेड़े जाने के बाद दोनों हाथी पसियाडीह गांव पंहुचा। इस दौरान ग्रामीणों की काफी भीड़ भी इकट्ठा हो गयी और इसकी सूचना वन विभाग को दी जिसके बाद वनरक्षी मनोज मरांडी व वनकर्मी गौतम सिंह भी वहां पंहुचे और ग्रामीणों की भीड़ को हाथी से दूर रहने की सलाह दी। वनकर्मियों ने हाथी आने की सूचना वरीय वन पदाधिकारी को दी जिसके बाद हाथी भगाने वाली टीम मौके पर पंहुची और हाथी को आबादी क्षेत्र से भगाकर गांव किनारे जंगल क्षेत्र की तरफ कर दिया। समाचार लिखे जाने तो दोनों हाथी बच्छेडीह पंचायत के ताराटांड जंगल मे बसेरा बनाये हुए हैं जिससे आस पास के ग्राम में लोगों मे भय व्याप्त है।

विश्व पर्यावरण दिवस से लेकर अब तक 56,000 से अधिक पौधों का वितरण

हजारीबाग विधायक 1,51,000 पौधरोपण का संकल्प

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग के विधायक प्रदीप प्रसाद के द्वारा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने और हरियाली अभियान को गति देने के उद्देश्य से इस वर्ष 1,51,000 पौधरोपण का संकल्प लिया है।

इसी क्रम में बुधवार को सरकारी बस पड़ाव कर्जन ग्राउंड के पास आम नागरिकों के बीच निःशुल्क पौधा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान विधायक की टीम द्वारा आम, अमरूद, सहजन, नीम, पीपल, बरगद आदि विभिन्न प्रजातियों के पौधे वितरित किया गया।

यह अभियान विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रारंभ हुआ था, जिसका शुभारंभ स्वयं विधायक प्रदीप प्रसाद ने पौधा लगाकर किया था। तब से लेकर अब तक लगभग 56,000 पौधे आमजन के बीच वितरित किया जा चुका है।

इस अभियान को और अधिक व्यापक बनाने के लिए प्रत्येक वार्ड, पंचायत और विद्यालय स्तर पर पौधा वितरण और रोपण कार्यक्रम जारी है। प्रदीप प्रसाद ने यह भी अपील किया है कि हर नागरिक कम से कम एक पौधा अवश्य लगायें और उसका पालन-पोषण करें, जैसे परिवार के एक सदस्य का करते हैं।

गौरतलब है कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बीते वर्ष एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण का संदेश दिया था। उसी प्रेरणा से प्रदीप प्रसाद ने पिछले वर्ष एक लाख पौधे लगाकर अनुकरणीय कार्य किया था, जिसकी भूरी-भूरी प्रशंसा प्रधानमंत्री ने स्वयं हजारीबाग दौरे के दौरान किया था।

यह अभियान न सिर्फ पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सशक्त पहल है, बल्कि भावी पीढ़ियों को हरित और स्वच्छ वातावरण देने का एक सतत प्रयास भी है।

मुन्ना सिंह के प्रयास से लगा ट्रांसफार्मर

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। हजारीबाग जिले के सदर प्रखंड अंतर्गत गुरहेत पंचायत स्थित चलचलाइया गांव में पिछले दो सप्ताह से बिजली आपूर्ति ठप थी। बुधवार को ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली जब गांव में नया 25 केवीए का ट्रांसफार्मर लगाया गया और बिजली बहाल कर दी गयी। यह कार्य कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व सदर विधानसभा प्रत्याशी मुन्ना सिंह की पहल पर हुआ। जानकारी के अनुसार, ट्रांसफार्मर के खराब हो जाने से गांव में बच्चों की पढ़ाई, घरेलू कार्य, पानी की आपूर्ति जैसी मूलभूत जरूरतें बुरी तरह प्रभावित हो रही थीं। ग्रामीणों द्वारा जानकारी दिये जाने के बाद मुन्ना सिंह ने तत्काल संज्ञान लेते हुए ट्रांसफार्मर की व्यवस्था करायी। उन्होंने अपने निजी मीडिया प्रतिनिधि विक्की कुमार धान को स्थल पर भेजकर कार्य की निगरानी का निर्देश दिया। बिजली बहाल होते ही गांव में हर्ष का माहौल रहा। ग्रामीणों ने मुन्ना सिंह के प्रति आभार जताया। मौके पर मौजूद विक्की कुमार धान ने कहा कि मुन्ना सिंह का स्पष्ट निर्देश है कि जनता की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाया जाये।

14वीं जेपीएससी पीटी टारगेट बैच चाणक्या आइएएस अकेडमी में कल से शुरू होगी

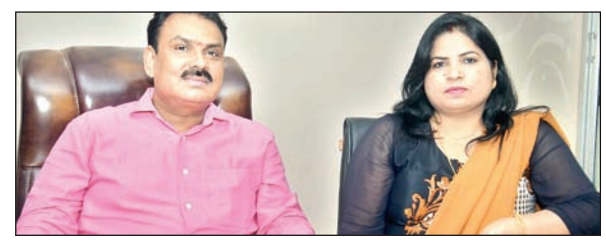

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। चाणक्य आइएएस अकेडमी कौशल्या प्लाजा स्थित, 14वीं जेपीएससी प्रीलिम्स टारगेट बैच का ओरिएंटेशन 7 अगस्त समय संध्या से चाणक्या आइएएस अकेडमी में शुरू किया जा रहा है यह टारगेट बैच विशेष कर नौकरी पेशा, जैसे - बैंकर्स लॉयर्स, टीचर्स, कामकाजी लोग को देखते हुए शुरुआत की जा रही है मौके पर चाणक्या आइएएस अकेदमी के निदेशक विनय मिश्रा ने कहा 11वीं से 13वीं जेपीएससी में कुल 342 में 132 से अधिक विद्यार्थियों ने सफलता हासिल किया, इसी को मद्दे नजर रखते हुए इवनिंग बैच शुरुआत की जा रही है। जिसमें विद्यार्थियों को क्लास के साथ-साथ टेस्ट सीरीज और व्यक्तिगत रूप से मेंटरशिप लाइब्रेरी इत्यादि उपलब्ध कराया जायेगा, नई तकनीक के माध्यम से पढ़ाई होगी क्लास के तुरंत बाद एमसीक्यू और पीवाइक्यू प्रश्न पुस्तिका विद्यार्थियों के पास जायेगा और विद्यार्थी तुरंत इसका उत्तर और विश्लेषण शिक्षक से ले सकते हैं और चर्चा कर सकते हैं जिससे विद्यार्थियों को स्मरण करने में आसानी होगी और आत्मविश्वास बढ़ेगा ताकी प्रथम प्रयास में ही अच्छा रैंक प्राप्त कर सकेंगे वही चाणक्या आइएएस अकेदमी के महाप्रबंधक ने कहा नौकरी और अन्य काम काज करने वाले विद्यार्थियों का लगातार मांग रहा है की इवनिंग बैच शुरुआत किया जाये जिससे वह कार्य भी कर ले और एग्जाम की तैयारी भी हो जाये इसी को देखते हुए यह बैच शुरुआत की जा रही है जिसमें 7 तारीख को विद्यार्थी निःशुल्क ओरिएंटेशन क्लास ले सकते हैं और योजना बद्ध तरीके से तैयारी करके 14वीं जेपीएससी में एक सीट पक्का कर अपना ऑफिसर बनने का सपना पूरा कर सकते हैं।

अखंड हरि कीर्तन में शामिल हुए विधायक

बरही (आजाद सिपाही)। बरही प्रखंड अंतर्गत रसोईया धमना गांव स्थित महावीर मंदिर में आयोजित 48 घंटे का अखंड हरि कीर्तन बुधवार को विधिवत रूप से संपन्न हुआ। दो दिनों तक चले इस धार्मिक आयोजन में हरि नाम के संकीर्तन से वातावरण भक्तिमय बना रहा। इधर दुलमाहा देवी मंदिर में आयोजित हरि कीर्तन में शामिल हुए। कीर्तन के समापन अवसर पर बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने भी अपने समर्थकों के साथ मंदिर पहुंचकर भाग लिया और हरे राम, हरे कृष्ण की भक्ति धुन में लीन होते नजर आये। विधायक श्री यादव ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक कार्यक्रम समाज में सकारात्मक ऊर्जा और भाईचारे को बढ़ावा देते हैं। गांव-गांव में इस तरह के आयोजनों से हमारी संस्कृति और परंपराओं को मजबूती मिलती है। यह प्रसन्नता की बात है कि युवा पीढ़ी भी इसमें रुचि ले रही है। मंदिर परिसर को इस अवसर पर सुंदर ढंग से सजाया गया था और श्रद्धालुओं के लिए भंडारे की भी व्यवस्था की गयी थी। आस-पास के गांवों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और कीर्तन में भाग लिया। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि हरि कीर्तन की शुरुआत सोमवार को पूजा-अर्चना के साथ की गयी थी, जो लगातार 48 घंटे तक चला। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं और सहयोगियों का आभार प्रकट करते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही। यह आयोजन ग्रामीणों के लिए न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र बना, बल्कि सामाजिक एकता का संदेश भी लेकर आया। मौके पर विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, जीप प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता, हरि यादव, रघुनाथ साव, कामेश्वर साव, तारकेश्वर साव, नरेश साव, प्रभु साव, संतोष साव, तपेश्वर साव, नरेश साव सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

रामानुजम डिग्री कॉलेज में शोक सभा का आयोजन

टाटीझरिया (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत झरपो : रामानुजम डिग्री कॉलेज में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सह राज्यसभा सदस्य ओर आंदोलन कारी नेता दिवंगत शिबू सोरेन की निधन पर शोक सभा का आयोजन कर शोक संवेदना प्रकट किया और दो मिनट का मौन रखा गया। प्राचार्य रंजीत कुमार मौर्य, उप प्राचार्य राहुल कुमार, ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि झारखंड को अलग पहचान दिलाने का अहम योगदान रहा है उन्होंने अपने कार्यकाल में टाटीझरिया को प्रखंड ओर थाना का नींव रखा था अपना जीवन झारखंड में गुरुजी के नाम से विख्यात थे इस शोक संवेदना में शिक्षक अभिजीत सर बबली मैडम छात्राएं निशा, मनीषा, यशोदा ममता अनुष्का, लवल, आर्य पांडेय, गीता, गुंजा, बसंती, प्रिया आतिफ फुल, रानी, राखी, श्वेता काजल, सावित्री, मनीषा, जसोदा, चंदन, सोनू इंटर फर्स्ट ईयर के छात्र सनी, लता, अर्चना, लक्ष्मी, काजल, शिवानी, चिंता मुर्मू, अर्जुन, रंजन कुमार ने श्रंद्धाजलि अर्पित की।

कुएं से 50 वर्षीय सुरेंद्र महतो का शव बरामद

बड़कागांव (आजाद सिपाही)। बड़कागांव पुलिस तसलवार पंचायत के पतरा गांव के मेलाटांड़ के समीप पतरा- बरतुआ जाने वाली कच्ची सड़क के बगल स्थित इंद्रपाल महतो के पुराने कुएं से 50 वर्षीय अधेड़ सुरेंद्र महतो की शव बरामद किया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया। इस संबंध में पुलिस ने बताया कि मृतक सुरेंद्र महतो पिता अकल महतो ग्राम सोहादी के रूप में पहचान की गयी है, जिसका पैर हाथ दोनों रस्सी से बंधा हुआ था। विगत 5- 6 दिन से घर से लापता था।

सड़क दुर्घटना में दो लोग घायल, सुधीर मंगलेश ने घायलों को पहुंचाया अस्पताल

रजरप्पा (आजाद सिपाही)। दुलमी प्रखंड के अंतर्गत जामसिघ गांव के समीप आज एक दु:खद सड़क दुर्घटना में दो बाइक के बीच आमने-सामने की टक्कर हो गयी। इस हादसे में जामसिघ निवासी मंगल महतो और उनके पुत्र आयुष कुमार गंभीर रूप से घायल हो गये। घटना की सूचना मिलते ही बीस सूत्री प्रखंड अध्यक्ष सुधीर मंगलेश और कांग्रेस नेता उतम कुमार घटना स्थल पर पहुंचे और तत्काल पहल करते हुए दोनों घायलों को अपनी निजी गाड़ी से रामगढ़ सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। सुधीर मंगलेश ने अस्पताल में इलाज की समुचित सुनिश्चित करवाई और घायलों के परिजनों को भी ढांढस बंधाया। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं अत्यंत पीड़ादायक हैं, हम सबकी जिम्मेदारी बनती है कि हम सड़क पर वाहन चलाते समय पूर्ण सावधानी बरतें।

स्कूल में दिशोम गुरू शिबू सोरेन और वरिष्ठ पत्रकार हरिनारायण सिंह के निधन पर शोकसभा

कुजू (आजाद सिपाही)। आरएच पब्लिक स्कूल, बूढ़ाखाप (रामगढ़) में झारखंड अलग राज्य के जनक सह पूर्व सीएम शिबू सोरेन और झारखंड के वरिष्ठ पत्रकार सह आजाद सिपाही के प्रधान संपादक हरिनारायण सिंह के निधन पर शोकसभा का आयोजन किया। इस दौरान विद्यालय परिवार ने निदेशक संतोष कुमार महतो की अगुवाई में झारखंड के दो महान विभूति शिबू सोरेन और हरिनारायण सिंह की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर दो मिनट का मौनधारण कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। साथ ही, नमन करते हुए उनके पदचिन्हों पर चलने का संकल्प दोहराया। इस अवसर पर निदेशक संतोष कुमार महतो और चेयरपर्सन प्रीति महतो ने कहा कि झारखंड ने शिबू सोरेन और हरिनारायण सिंह जैसे दो अनमोल रत्न को खो दिया है। जिसकी पूर्ति कभी नहीं की जा सकती है। शिबू सोरेन जहां आदिवासी, शोषित वंचित परिवार से जुड़े लोगों को हक और अधिकार दिलाने में अहम भूमिका रही। दिशोम गुरु के नाम से विख्यात शिबू सोरेन का जीवन संघर्ष, आत्म बल और समाज सेवा की मिसाल है। वहीं, आजाद सिपाही के प्रधान संपादक हरिनारायण सिंह को झारखंड की पत्रकारिता जगत में एक बड़ा स्तंभ बताया। झारखंड में निर्भीक पत्रकारिता के तौर पर आजाद सिपाही के संस्थापक हरि जी रहे। हरिनारायण सिंह की लेखनी ने सत्य को निर्भीकता से उजागर करने का कार्य किया। संतोष महतो और प्रीति महतो ने कहा कि दो महान विभूतियों का योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। वहीं, प्राचार्य सुशील कुमार सिन्हा ने बच्चों को शिबू सोरेन और हरिनारायण सिंह की जीवनी से अवगत कराते हुए दोनों महान विभूतियों के नक्शे कदम चलने को प्रेरित किया। शोकसभा में शिक्षक शिव प्रसाद, घनश्याम कुमार, विकास कुमार, संतोष कुमार, कालेश्वर महतो, आरएन उपाध्याय, एसएन सेन, शहनाज प्रवीण, देवंती कुमारी, कविता कुमारी, पविता कुमारी, बबीता कुमारी, रेखा कुमारी, किरण कुमारी, लक्ष्मी, अंजू कुमारी, संगीता कुमारी, ममता कुमारी समेत कई विद्यार्थी और कर्मचारी मौजूद रहे।

सांसद कालीचरण सिंह ने मंत्री तोखन साहू से की मुलाकात

चतरा (आजाद सिपाही)। लोकसभा क्षेत्र के सांसद कालीचरण सिंह ने केंद्रीय आवास और शहरी विकास मंत्री तोखन साहू से उनके दिल्ली स्थित मंत्रालय में शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान सांसद श्री सिंह ने क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विकासात्मक मुद्दों पर चर्चा की और केंद्र सरकार की ओर से चल रही योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तृत वार्ता की। सांसद ने चतरा सहित पूरे लोकसभा क्षेत्र में शहरी विकास, आवास योजनाओं, सड़क, पेयजल और स्वच्छता से संबंधित परियोजनाओं के लिए केंद्र से विशेष सहयोग की मांग रखी। उन्होंने ग्रामीण और शहरी इलाकों में समान रूप से विकास सुनिश्चित करने की दिशा में ठोस कदम उठाने का आग्रह किया। केंद्रीय मंत्री तोखन साहू ने सांसद कालीचरण सिंह को आश्वासन दिया कि क्षेत्र की जरूरतों और जनहित से जुड़े सभी मुद्दों पर प्राथमिकता से कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का संकल्प है कि देश का कोई भी क्षेत्र विकास से वंचित न रहे और हर नागरिक को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। इस दौरान हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल भी उपस्थित थे।

पतरातू में दुर्गा पूजा समिति की हुई बैठक

पतरातू (आजाद सिपाही)। विणा टॉकीज स्थित शिव मंदिर में बुधवार को दुर्गा पूजा समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता अरुण कुमार ने की। बैठक में आगामी दुर्गा पूजा कार्यक्रम की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि पूजा को भव्य व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने हेतु सभी सदस्य अपनी-अपनी जिम्मेदारियां निभायेंगे। बैठक में समिति का पुनर्गठन भी किया गया। जिसमें अध्यक्ष मुनिलाल सिंह, उपाध्यक्ष अरूण प्रसाद, सचिव मुकेश कुमार राणा, उपसचिव वकील शर्मा, कोषाध्यक्ष श्याम कुमार, उपकोषाध्यक्ष अजीत चौबे, संगठन मंत्री दुर्गेश शर्मा, सुरेश कुमार गुप्ता का चयन किया गया। बैठक में अजय अग्रवाल, ओमप्रकाश शर्मा, संतोष प्रसाद, दुर्गेश कुमार, अजीत कुमार चौबे, बजरंग कुमार, केदार यादव, श्याम कुमार, प्रयाग शाह, समेत अन्य लोग शामिल थे।

पेंशनरों ने दी स्मृतिशेष शिबू सोरेन और नेली सोरेन को श्रद्धांजलि

गोला (आजाद सिपाही)। झारखंड पेंशनर कल्याण समाज गोला की बैठक गोपी प्रसाद के आवास में हुई। बैठक की अध्यक्षता समाज के प्रखंड अध्यक्ष दु:ख हरण पोद्दार ने की। बैठक में विभिन्न मुद्दों पर विचार विमर्श करते हुए अंत में श्रद्धांजलि सभा आयोजित किया गया। श्रद्धांजलि सभा में पेंशनरों ने राज्यसभा के सांसद दिवंगत शिबू सोरेन और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोला से अवकाश प्राप्त सिस्टर नेली सोरेन को दो मिनट मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि सभा में बोलते हुए अवकाश प्राप्त शिक्षक दु:ख हरण पोद्दार ने बताया कि जननायक शिबू सोरेन गोला स्थित मोहम्मद यासीन खान उच्च विद्यालय में आदिवासी आवास में रहकर पढ़ते थे। उनके बड़े भाई दिवंगत राजाराम सोरेन हमलोगों के सहपाठी थे। दिवंगत शिबू सोरेन के झारखण्ड आंदोलन को नहीं भुलाया जा सकता। उन्होंने लड़कर हमलोगों को झारखण्ड राज्य दिलाई है। श्रद्धांजलि सभा में दु:ख हरण पोद्दार, गोपी प्रसाद, रामस्वरूप खन्ना, बच्चन प्रजापति, बालगोविन्द राम करमाली, पारस नाथ बेदिया, भगतु नाया, बिशुन कुजूर मौजूद थे।

प्लास्टिक पाउडर लदा ट्रक चुटूपालू घाटी में पलटा, खलासी की मौत

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। रांची-पटना मुख्यमार्ग अंतर्गत फोरलेन के चुटूपालू घाटी में बुधवार को चट्टान से टकराते हुए एक ट्रक पलट गयी। इस घटना में खलासी की मौत मौके पर ही हो गयी। जबकि, चालक फरार हो गया। जानकारी के अनुसार हल्दिया से कानपुर जा रही प्लास्टिक पाउडर लदा ट्रक संख्या ओडी 29एल 3912 का अचानक घाटी में ब्रेक फेल हो जाने के कारण ट्रक अनियंत्रित हो गयी। इस दौरान चलाक कूद कर फरार हो गया। तेज रफ्तार के कारण ट्रक अनियंत्रित होकर चट्टान से टकराते हुए पलट गयी। घटना में खलासी ट्रक के केबिन में फंस गया, जिससे उसकी मौत घटनास्थल पर ही हो गयी। इधर, घटना की सूचना पाकर पहुंचे रामगढ़ थाना के सब इंस्पेक्टर जॉनी और पुलिसकर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद केबिन में फंसे खलासी का शव निकलवा कर सदर अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान सुभाष चंद्र बोस के रूप में की गयी है।

राष्ट्र निर्माण के युगपुरुष बाउजी ओमप्रकाश जिंदल की 95वीं जयंती पर श्रद्धांजलि

आजाद सिपाही संवाददाजा

भुरकुंडा। देश को औद्योगिक, सामाजिक और राजनीतिक दृष्टि से नई दिशा देने वाले बाऊजी ओमप्रकाश जिंदल की 95वीं जयंती के अवसर पर पूरे देशभर में श्रद्धा और सम्मान के साथ गुरूवार 7 अगसत को कार्यक्रम आयोजित किये गये। यह दिन केवल एक स्मरण नहीं, बल्कि उस महान व्यक्तित्व को नमन करने का अवसर है, जिनकी दूरदृष्टि, सेवा और समर्पण ने लाखों लोगों के जीवन को रोशन किया। 7 अगस्त 1930 को हरियाणा के हिसार जिले के नलवा गांव में जन्मे ओपी जिन्दल ने एक साधारण किसान परिवार से निकलकर भारत को औद्योगिक महाशक्ति बनाने में अहम भूमिका निभायी। उन्होंने न सिर्फ इस्पात उद्योग को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में भी ऐतिहासिक योगदान दिया। उनके द्वारा स्थापित जिन्दल ग्रुप आज भारत की वैश्विक पहचान बना हुआ है। लेकिन बाऊजी का दृष्टिकोण केवल व्यापार तक सीमित नहीं था। वे समाज के अंतिम व्यक्ति तक संसाधनों का लाभ पहुंचाना चाहते थे। हरियाणा में ऊर्जा मंत्री रहते हुए उन्होंने 24 घंटे बिजली का सपना साकार किया और किसानों को अंधकार से मुक्ति दिलायी। बेटियों की शिक्षा को सर्वोपरि मानने वाले बाऊजी ने विद्यादेवी जिन्दल स्कूल की स्थापना की और उनकी इसी सोच को आगे बढ़ाया उनके पुत्र नवीन जिंदल ने ओ.पी. जिन्दल ग्लोबल यूनिवर्सिटी और ओ.पी. जिंदल यूनिवर्सिटी, रायगढ़ जैसे संस्थानों के माध्यम से। ये संस्थान आज शिक्षा के क्षेत्र में देश की शान हैं। ओ.पी. जिंदल ग्रामीण जनकल्याण संस्थान के माध्यम से मोबाइल हेल्थ वैन, स्वास्थ्य शिविर, महिला प्रशिक्षण केंद्र और शिक्षा संस्थान आज भी गांव-गांव तक सेवाएं पहुंचा रहे हैं। बाऊजी का मानना था कि राजनीति सेवा का माध्यम होनी चाहिए, न कि स्वार्थ का। इसी विचार से उन्होंने विधायक और सांसद के रूप में जनता की निःस्वार्थ सेवा की। उनकी जीवन यात्रा आज भी युवाओं, किसानों, मजदूरों और महिलाओं को प्रेरणा देती है। नवीन जिंदल बाऊजी की विचारधारा को आगे बढ़ाते हुए देशभर में शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण और महिला सशक्तिकरण की योजनाएं संचालित कर रहे हैं। बाऊजी की जयंती पर हम सभी कृतज्ञ राष्ट्रवासी उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लेते हैं।

सीसीएल एसओपी कार्यालय में निकला सांप

कुजू (आजाद सिपाही)। सीसीएल कुजू क्षेत्र के प्रभारी एसओपी सुमित सारंगी के कार्यालय के बाथरूम में जहरीले सांप के निकलने से पूरे जीएम कार्यालय में अफरातफरी मच गया। सीसीएल अधिकारी और कर्मी जहरीले सांप का नाम सुनते ही खौफ के मारे अपने अपने कार्यालय से बाहर निकल गये। बाद में सांप पकड़ने वाले विशेषज्ञ लइयो केदला निवासी उमेश कपरदार को बुलाया गया। जिन्होंने सांप को पकड़ कर जंगल मे छोड़ा दिया। जिसके बाद सभी अधिकारी और कर्मी राहत का सांस लेते हुए कार्यालय गये। बताया जाता है कि प्रभारी एसओपी सुमित सारंगी अपने कार्यालय स्थित बाथरूम गये। जहां सांप को देखकर हल्ला मचाते हुए बाहर भागे। जिसके बाद सांप मिलने की खबर पर अधिकारी और कर्मी भी दहशत में अपने कार्यालय से बाहर निकल गये। बाद में सांप पकड़ने वाले विशेषज्ञ उमेश कपरदार आकर सांप को पकड़कर जंगल में छोड़ दिया। उन्होंने बताया कि पकड़ा गया जहरीला सांप सियरचन्दा है। बारिश के मौसम में इस घटना के बाद जीएम यूनिट में कार्यरत अधिकारी ओर कर्मी सजगता से कार्य में जुटे हैं।

झारखंड के सामाजिक चेतना के प्रतिक थे दिशोम गुरू : संजीव बेदिया

आजाद सिपाही संवाददाता

उरीमारी। सिदो-कान्हू चौक चेक पोस्ट स्थित झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रधान कार्यालय में बुधवार को हजारीबाग जिला कमेटी के अध्यक्ष सह केंद्रीय सदस्य संजीव बेदिया के नेतृत्व में झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक सह संरक्षक झारखंडी अस्मिता और जन आंदोलन के पुरोधा दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के बाद श्रद्धांजलि दी गयी। साथ ही दो मिनट का मौन धारण रख शोक व्यक्त कर उपस्थित लोगों ने गुरु जी के तस्वीर के आगे नतमस्तक होकर श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि हजारीबाग जिला अध्यक्ष संजीव बेदिया ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि दिशोम गुरु केवल एक राजनीतिक नेता नही बल्कि झारखंड के सामाजिक चेतना के प्रतिक थे। वहीं केंद्रीय सदस्य सोनाराम मांझी ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि गुरु जी हमें संघर्ष की राह दिखायी, अन्याय के विरुद्ध खड़े होने की ताकत दी और आत्मसम्मान से जीने की प्रेरणा दी। इस दौरान युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष पियुष कुमार बेदिया ने कहा कि गुरु जी झारखंड को अलग राज्य बनाने में एतिहासिक भूमिका निभाई वह सदैव याद किया जायेगा।

श्रद्धांजलि देने वालों में विंध्याचल बेदिया, संजय वर्मा, धनंजय वर्मा, संजय करमाली, रुस्तम सोहराब, बहादुर मांझी, राजेश सिंह, मोहन सोरेन, सूरज बेसरा, विनोद हेंब्रम, गणेश गंझू, शंकर साव, उदय मेहता, पिंटू गिरि, कृष्णा साव, संजय शर्मा, महावीर प्रसाद, राम नारायण प्रसाद, मोहम्मद असलम, नागेश्वर महतो, रविन्द्र कुमार, सुरेश प्रसाद, तेज नारायण राम, गणेश यादव, दयाशंकर यादव, बजरंग मुंडा, रामजी राम सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

जान जोखिम में डालकर पढ़ने को मजबूर हैं नौनिहाल

आजाद सिपाही संवाददाता

हंटरगंज। राजस्थान के झालवाड़ की घटना ने देश की शिक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिये थे। एक सरकारी स्कूल की छत गिरी थी और आठ मासूम बच्चे की मौत हुई थी। पूरे देश को यह घटना झकझोर कर रख दी थी। सरकार शिक्षा के स्तर को बेहतर करने, स्कूली बच्चों को अच्छी सुविधाएं, अच्छी बिल्डिंग और स्कूल में अच्छा माहौल देने के तमाम दावे करती है लेकिन झारखंड में हकीकत इससे उलटा है। चतरा जिले के हंटरगंज प्रखण्ड क्षेत्र के तिलहेत पंचायत अंतर्गत आने वाले गायघाट में संचालित प्राथमिक विद्यालय की हालत काफी खस्ताहाल हो चुकी है। यहां बने कमरे की छत और दीवारें पूरी तरह से जर्जर हो चुकी है वही बारिश में पानी टपकते रहता है। इन सबके बीच छात्र जान जोखिम में डालकर पढ़ाई कर रहे हैं। स्कूल भवन की हालत ऐसी है कि, कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। जिम्मेदारों की उदासीनता और लापरवाही का ही नतीजा है कि आज भी करीब 36 छात्र-छात्राएं अपनी जान जोखिम में डालकर पढ़ाई करने को मजबूर हैं, वहीं कुछ अभिभावक जर्जर भवन को देखकर अपने बच्चें को स्कूल भेजने से कतरा रहे हैं। स्कूल की तस्वीर और बच्चों की तकदीर दोनों सुधारने संवारने पर किसी का ध्यान नहीं है। ऐसे में बच्चों की भविष्य किस ओर जा रहा है इसका अंदाजा आप खुद लगा सकते हैं। विद्यालय के शिक्षकों का कहना है कि भवन की मरम्मत के लिए संबंधित विभाग को पत्र के माध्यम से जानकारी दी जा चुकी है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई है। नतीजा यह है की बच्चों को खस्ताहाल कमरों में पढ़ाया जा रहा है। भवन के सुरक्षित स्थान के अभाव में सभी छात्रों को बरामदे में पढ़ाया जा रहा है। बच्चों के अभिभावकों और ग्रामीणों ने बताया कि वे अपने बच्चों को स्कूल भेजने से डरते हैं। यदि विद्यालय के जर्जर भवन से दूसरा जगह शिफ्ट नहीं किया गया तो हमलोग अपने बच्चों का परित्याग प्रमाण पत्र ले लेंगे। बच्चें खुद भी भय के माहौल में स्कूल आने से कतराने लगे हैं, जिससे उनकी शिक्षा पर सीधा असर पड़ रहा है। लेकिन जिम्मेदार पूरे मामले पर मौन है। ग्रामीणों ने भवन की शीघ्र मरम्मत करने की मांग किया है। प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी किशोर कुमार ने बताया कि मामला संज्ञान में आया हैं। टेंडर होते ही जल्द से जल्द भवन का निर्माण किया जायेगा।

भूतपूर्व मुखिया ललकू महतो का निधन

गोला(आजाद सिपाही)। बेदूल कलां पंचायत के पतरातू गांव निवासी भूतपूर्व मुखिया ललकु महतो 72 वर्ष का निधन रिम्स रांची में इलाज के दौरान बुधवार को हो गया। बताया गया कि वे काफी लम्बे समय से बीमार चल रहे थे। निधन से क्षेत्र में शोक की लहर है। बताया गया कि ललकू स्व दिशोम गुरु शिबू सोरेन के साथ मिलकर महाजनों के खिलाफ आंदोलन किये थे। जिसके बाद वे सन 1978 में अपने पंचायत बेटुलकला से मुखिया का चुनाव लडा। चुनाव में निर्वाचित होकर मुखिया बने। इसके बाद उनका राजनिति में और रुचि बढ़ा और सीपीआई नेताओं के साथ मिलकर महाजनों के खिलाफ पुरे हजारीबाग जिले में आंदोलन कर महाजनों को खदेड़ने का काम किया।

प्रखंड में बीएलओ का विशेष प्रशिक्षण आयोजित

मांडू (आजाद सिपाही)। मांडू प्रखंड सभागार में बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) के लिए एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य नजरिए नक्शा और की-मैप की जानकारी देना था। इस मौके पर मास्टर ट्रेनर दीपक कुमार दास ने सभी सुपरवाइजर और बीएलओ को विस्तारपूर्वक प्रशिक्षण दिया। उन्होंने दो दिनों के भीतर नक्शा जमा करने का निर्देश भी दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी अर्जुन महली के साथ-साथ अजीत कुमार, मानेश्वर मुशहर, शेखर कुमार, राजकुमार साव, सहदेव महतो, सरजू महतो, दशरथ पांडेय, रेखा देवी और अर्मिला देवी समेत सभी बूथों के बीएलओ व सुपरवाइजर मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान मतदाता सूची के शुद्धिकरण और सही जानकारी संकलन पर भी जोर दिया गया। उपस्थित अधिकारियों ने प्रशिक्षण की उपयोगिता को रेखांकित करते हुए समय पर कार्य पूरा करने की बात कही।

दिशोम गुरु को दी गयी श्रद्धांजलि

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। पूर्व मुख्यमंत्री सह राज्य सभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर बुधवार को कुशवाहा विकास समिति सह कुशवाहा भवन के तत्वाधान में लोकसभा का आयोजन किया गया। इस दौरान कुशवाहा समाज के लोगों ने गुरु जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। साथ ही दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना किया।शोकसभा को संबोधित करते हुए कुशवाहा विकास समिति सह कुशवाहा भवन के अध्यक्ष शिवचंद्र प्रसाद (शिवा) ने कहा कि शिबू सोरेन का निधन रामगढ़ जिला सहित झारखंड के लिए अपूरणी क्षति है जिसका आकलन किया नहीं जा सकता। वही, सचिव भीम कुमार कुशवाहा ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन का निधन से सोरेन जैसा क्रांतिकारी नेता रामगढ़ जिला सहित झारखंड ने खो दिया। इसकी भरपाई कभी नहीं हो सकती है। मौके पर समाज के पंकज सम्राट, मुकेश कुशवाहा, नागेंद्र कुमार, राज किशोर, विक्रम कुशवाहा, दीपक कुमार दीपू, आनंद कुशवाहा, निशांत कुमार, अभिषेक कुमार, संतोष कुमार, रवि कुमार, राजू सम्राट, सागर कुमार, उत्तम कुमार, अशोक कुमार, प्रवीण कुमार, श्रवण कुमार, मनीष कुमार, सनूज कुमार, रामकुमार, हीरालाल, कुणाल कुमार, आशेश्वर कुमार, कैलाश चंद्र कुशवाहा, संदीप कुमार, गौरंजन कुशवाहा, पप्पू, रूपलाल आदि ने श्रद्धांजलि दी।

मुखिया चंदा देवी ने सड़क की मरम्मत करवायी

हंटरगंज (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के मीरपुर पंचायत के मुखिया चंदा देवी और मुखिया प्रतिनिधि महेंद्र उजाला के नेतृत्व में बुधवार को सड़क का मरम्मती कार्य किया गया। इस दौरान मुखिया प्रतिनिधि उजाला ने बताया कि मीरपुर जजलो मार्ग में मोथवा नालख के समीप बाढ़ के कारण सड़क अवरुद्ध हो गया था। जिसके कारण लोगों को आने जाने में काफी परेशानी हो रही थी। इसके बाद मुखिया अपने निजी मद से जेसीबी और मजदूर लगाकर टूटे हुए सड़क को निर्माण कराया। इस कार्य के लिए पंचायत के लोगों ने उन्हें सराहनीय कार्य बताते हुए धन्यवाद दिया।

OFFICEOFTHE DEPUTY COMMISSIONER, LATEHAR
District Panning Office, Latehar, 829206
Website: www.latehar.nic.in

RATE CONTRACT FOR "SUPPLY OF ELECTRICAAL &ELECTRONICS ITEMS AT VARIOUS LOCATION OF DISTRICT LATEHAR"

The District Planning office Latehar,Jharkhandinvites Online bidsfor "supply ofElectrical & Electronics items for SLRM project at various location of District Lateharon rate contract" as detailed below in accordance with enclosed tender document.

1. The salient terms & conditions of the bid are stated below:

Description	Rate contract for supply of Electrical &Electronics items at various location of District Latehar.
Mode of Tender	Online tender (Rate Contract)
Type of Bid	**Cost-Based Selection (CBS) Method**; Stage 1: The eligibility criteria documents, Bid Fee EMD submitted by the bidders will be evaluated in the first stage. The bidders meeting the technical evaluation criteria only will be shortlisted for further financial bid valuation. Stage 2: Out of the technically eligible bidders, the agency submitting the lowest financial bid will be awarded the project. The rates quoted by the agencies should be valid for 1 year from the issue of the RFP.
Tender Publishing Date	04/08/2025
Last date and time for submission of Technical Bid	19/08/2025upto05.00PM
Date and time for opening of Technical Bid	21/08/2025 at 11:00 AM
Date and time for opening of Financial Bid	21/08/2025 at11:30 AM
EMD (No exemption)	Rs. 10000/-
Period of Contract	One Year from the date of Supply Order and extendable further with the same terms and conditions.
Address at which the tenders are to be submitted	Online via: https://jharkhandtenders.gov.in
Place of opening tenders	Online via: https://jharkhandtenders.gov.in
Mode of submission	Online via: https://jharkhandtenders.gov.in
For viewing, quoting the detailed NIC and Qualifying Requirement, bidders may also visit our website	Online via: https://latehar.nic.in/ https://jharkhandtenders.gov.in

PR 358960 (Planning and Development) 25-26 (D)
DISTRICT PLANNING OFFICER, LATEHAR

न्यायालय, उपायुक्त –सह– जिला दण्डाधिकारी, लातेहार

अनुमति वाद संख्या–128/2025
आम इस्तेहार

आवेदक आवेदक मो0 राशिद आलम वो नौशाद आलम दोनों के पिता–मो0 हदीश मियां उर्फ अदीश आलम, निवासी ग्राम+पो0–चकला, थाना+अंचल–चन्दवा, जिला–लातेहार द्वारा मेसर्स हिण्डाल्को इण्डस्ट्री लि0, 21वीं मंजिल प्रथम अंतराष्ट्रीय केन्द्र टॉवर–4, प्रभादेवी, प्रभादेवी रेलवे स्टेशन के पास सेनापति बापत मार्ग, मुम्बई–400013 वर्तमान पता–ग्राम+पो0–चकला, थाना–चन्दवा, जिला– लातेहार के साथ भूमि बिक्री हेतु अनुमति के लिए छोटानागपुर कास्तकारी अधिनियम की धारा–49 के अंतर्गत आवेदन पत्र दाखिल किया है।

भूमि का विवरण

मौजा	खाता	प्लॉट	रकबा (एकड़)
चकला	07	1271	1.25

एतद् द्वारा हर आम व खास को सूचित किया जाता है कि इस भूमि अंतरण के विरूद्ध किसी को आपत्ति हो, तो स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी के न्यायालय में आम–इस्तेहार निर्गत की तिथि से एक पक्ष (15 दिनों) के अंदर आपत्ति दायर कर सकते है। समय सीमा समाप्ति के बाद प्राप्त आपत्ति आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा।

प्रभारी उप समाहर्त्ता,
जिला विधि शाखा, लातेहार

PR 359023 (District)25-26*D

आपदा या कुदरत की चेतावनी

उत्तराखंड के उत्तरकाशी में आई आपदा प्रकृति की एक और गंभीर चेतावनी है। यह बताती है कि पर्यावरण और विकास के बीच संतुलन साधने की कितनी जरूरत है। देश के पहाड़ी राज्यों, खासकर उत्तराखंड को लेकर ऐसी नीति चाहिए, जिससे पहाड़ और इंसानों के बीच संतुलन बना रहे।

बड़ी हानि : उत्तरकाशी के धराली गांव में खीरगंगा नदी के ऊपरी क्षेत्र में बादल फटा और फ्लैश फ्लड ने रास्ते में आने वाली हर चीज को अपनी चपेट में ले लिया। प्रभावित इलाके से आ रहे विडियो दिल दहलाने वाले हैं। अभी चारधाम यात्रा सीजन चल रहा है और यह गांव गंगोत्री वाले रास्ते पर पड़ता है। श्रद्धालुओं के रुकने का यह एक अहम पड़ाव है। ऐसे में जानमाल की बड़े पैमाने पर हानि की आशंका है।

लगातार आफत : हाल के बरसों में उत्तराखंड इस तरह की प्राकृतिक आपदाओं के केंद्र में रहा है। 2021 में चमोली जनपद में, नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान के पास एक ग्लेशियर टूटकर गिर गया था। इसकी वजह से धौलीगंगा नदी में अचानक बाढ़ आ गयी और तपोवन विष्णुगाड पनबिजली परियोजना में काम करने वाले कई श्रमिकों को जान गंवानी पड़ी। इसी तरह, 2023 की शुरुआत में एक और धार्मिक पर्यटन स्थल जोशीमठ में भूस्खलन ने एक बड़ी आबादी को विस्थापित कर दिया।

उत्तरकाशी के धराली गांव में खीरगंगा नदी के ऊपरी क्षेत्र में बादल फटा और फ्लैश फ्लड ने रास्ते में आने वाली हर चीज को अपनी चपेट में ले लिया। प्रभावित इलाके से आ रहे विडियो दिल दहलाने वाले हैं।

खतरनाक स्थिति: साल 2013 में केदार घाटी में मची भयानक तबाही से लेकर अभी तक, छोटी-बड़ी ऐसी कई प्राकृतिक आपदाएं आ चुकी हैं। सवाल यहां आकर रुकती है कि पहाड़ से छेड़छाड़ कब रुकेगी? आरोप है कि उत्तराखंड में चल रहे बेशुमार पावर प्रॉजेक्ट्स ने पहाड़ों को खोखला कर दिया है। इसमें बढ़ती आबादी, लाखों पर्यटकों के बोझ, अनियंत्रित निर्माण और घटती हरियाली को मिला दीजिए तो स्थिति विस्फोटक बन जाती है।

अनियंत्रित निर्माण : बादल फटना प्राकृतिक घटना है, जिस पर इंसानों का जोर नहीं। लेकिन, यह भी तथ्य है कि पानी निकलने के रास्तों, नालों-गदेरों के मुहानों पर कंक्रीट के बड़े-बड़े स्ट्रक्चर खड़े हो चुके हैं। तमाम जगहों पर, जिन रास्तों से पानी को बहना था, वहां इंसान बस चुका है। यह जानबूझकर आफत बुलाने जैसा है।

संभलने की जरूरत : उत्तराखंड को लेकर यह बहस करीब 5 दशक पुरानी है कि विकास किस कीमत पर होना चाहिए। साल 1976 में, गढ़वाल के तत्कालीन कमिश्नर एमसी मिश्रा की अध्यक्षता में गठित कमिटी ने जोशीमठ को बचाने के लिए फौरन कुछ कदम उठाने की सिफारिश की थी- इनमें संवेदनशील जोन में नए निर्माण पर रोक और हरियाली बढ़ाना प्रमुख था। 49 साल बाद आज वह रिपोर्ट पूरे पहाड़ के लिए प्रासंगिक हो चुकी है।

अभिमत
आजाद सिपाही

असम का मैनचेस्टर कहा जाने वाला सुआलकुची, पारंपरिक बुनाई उत्कृष्टता का प्रमाण है, जबकि धेमाजी जिले में मचखोवा जैसे विकासशील केंद्र इस क्षेत्र को और बढ़ावा देते हैं। इसके सांस्कृतिक महत्व को समझते हुए, पूर्वोत्तर के लिए सरकार का समर्पित मिशन आदिवासी बुनाई को बढ़ावा देने, हथकरघा पर्यटन को प्रोत्साहित करने, निर्यात को सुविधाजनक बनाने और युवाओं को प्रशिक्षित करने पर केंद्रित है। इस क्षेत्र को एक वैश्विक डिजाइन केंद्र के रूप में स्थापित किया जा रहा है, जहां प्राकृतिक रेशे, प्राचीन ज्ञान और आधुनिक उद्यमिता का संगम होता है।

भारत के हथकरघा: विरासत बुन रहे हैं, भविष्य को सशक्त बना रहे हैं

पबित्रा मार्गेरिटा

हर साल 7 अगस्त को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस एक ऐसे क्षण का प्रतीक है जो भारत के अतीत को उसके भविष्य से धागे-दर-धागा, कहानी-दर-कहानी जोड़ता है। यह दिन 1905 के स्वदेशी आंदोलन का स्मरण कराता है, जब हाथ से बुना कपड़ा न केवल एक वस्त्र के रूप में, बल्कि प्रतिरोध, आत्मनिर्भरता और सांस्कृतिक पहचान के एक सशक्त प्रतीक के रूप में उभरा। एक नयी शुरुआत के रूप में प्रारंभ हुआ यह प्रतीक विरासत, कला और सामुदायिक अभिव्यक्ति के ताने-बाने में बदल गया। हथकरघा क्षेत्र आज ग्रामीण और अर्ध-शहरी भारत में 35 लाख से अधिक बुनकरों और संबद्ध श्रमिकों को रोजगार देता है, जिनमें से 72% महिलाएं हैं। अपनी समृद्धि के कारण, यह क्षेत्र अब एक ऐसे दौर में खड़ा है, जहां इसे बिना किसी कमी के नवाचार, बिना किसी अभाव के तकनीक और बिना किसी हाशिए के आधुनिकीकरण की आवश्यकता है।

एक स्थायी विरासत : भारत में हथकरघा बुनाई की समृद्ध विरासत हड़प्पा और मोहनजोदड़ो की प्राचीन सभ्यताओं से जुड़ी है। सहस्राब्दियों से, यह शिल्प फलता-फूलता रहा है और प्रत्येक क्षेत्र ने बुनाई, विशिष्ट तकनीकों, रूपांकनों और अर्थों का अपना तौर-तरीका विकसित किया है। असम के मुगा रेशम की सुनहरी चमक से लेकर प्रसिद्ध बनारसी रेशमी साड़ियों तक; कश्मीर की पश्मीना से लेकर तमिलनाडु की चमकदार कांजीवरम साड़ियों तक, भारत की हथकरघा परंपराएं उतनी ही विविध हैं, जितने इसके लोग। एक बुनकर के घर में, जहां करघा अक्सर रसोई या एक तरफ के आंगन के साथ जगह साझा करता है, प्रत्येक साड़ी या शॉल एक अनोखी कथा को संप्रेषित करने के लिए तैयार की जाती है। न्यूनतम तकनीक, लेकिन अधिकतम रचनात्मकता के साथ, बुनकर धागों को विरासत में बदल देते हैं।

असम 12.83 लाख से अधिक बुनकरों और 12.46 लाख करघों के साथ देश में अग्रणी है।

बिना सिले हुए कपड़े, जो भारतीय परिधानों के प्रतीक हैं, क्षेत्रीय अभिव्यक्ति, अनुष्ठानों और कहानी कहने के कैनवास बन गए हैं। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शब्दों में, हथकरघा भारत की विविधता और अनगिनत बुनकरों व कारीगरों की कुशलता को दर्शाता है।

पूर्वोत्तर: अवसरों का एक करघा : देश के कुल हथकरघा श्रमिकों में से लगभग 52% पूर्वोत्तर क्षेत्र में निवास करते हैं और 2019-20 की हथकरघा जनगणना के अनुसार, असम 12.83 लाख से अधिक बुनकरों और 12.46 लाख करघों के साथ देश में अग्रणी है।

असम का मैनचेस्टर कहा जाने वाला सुआलकुची, पारंपरिक बुनाई उत्कृष्टता का प्रमाण है, जबकि धेमाजी जिले में मचखोवा जैसे विकासशील केंद्र इस क्षेत्र को और बढ़ावा देते हैं। इसके सांस्कृतिक महत्व को समझते हुए, पूर्वोत्तर के लिए सरकार का समर्पित मिशन आदिवासी बुनाई को बढ़ावा देने, हथकरघा पर्यटन को प्रोत्साहित करने, निर्यात को सुविधाजनक बनाने और युवाओं को प्रशिक्षित करने पर केंद्रित है। इस क्षेत्र को एक वैश्विक डिजाइन केंद्र के रूप में स्थापित किया जा रहा है, जहां प्राकृतिक रेशे, प्राचीन ज्ञान और आधुनिक उद्यमिता का संगम होता है। राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी) के अंतर्गत, पूर्वोत्तर राज्यों के 123 छोटे समूहों को वित्तीय सहायता प्रदान की गयी है।

शिवसागर में एक बड़ा हथकरघा समूह स्थापित किया गया है तथा इंफाल पूर्व और सुआलकुची में ऐसी दो परियोजनाएं चल रही हैं। इस क्षेत्र में लगभग 3.08 लाख बुनकरों ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाइ) और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाइ) के अंतर्गत सार्वभौमिक एवं किफायती सामाजिक सुरक्षा के लिए नामांकन कराया है, जिनमें असम के 1.09 लाख बुनकर शामिल हैं।

पुनरुद्धार से पुनरुत्थान तक : पिछले 11 वर्षों में, वस्त्र मंत्रालय के कई विशिष्ट कार्यक्रमों के जरिये भारत के हथकरघा उद्योग में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। समूह विकास पहलों, आधुनिक उपकरणों और ऋण तक पहुंच ने बुनायी को घरेलू गतिविधियों से सूक्ष्म उद्यमों में बदलने में मदद की है। राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी) और कच्चा माल आपूर्ति योजना (आरएमएसएस) ने सूत की आपूर्ति, करघा उन्नयन, कार्य शेड निर्माण से लेकर आधुनिक उपकरणों तक पहुंच प्रदान करके शुरू-से-अंत तक सहायता सुनिश्चित की है। पीएमजेजेबीवाइ और पीएमएसबीवाइ जैसी योजनाओं से अत्यंत आवश्यक वित्तीय और सामाजिक सुरक्षा मिली है। बुनकरों की मुद्रा योजना के तहत रियायती ऋण और अतिरिक्त राशि (मार्जिन मनी) सहायता ने कार्यशील पूंजी तक पहुंच का विस्तार किया है। बुनकरों और उद्यमियों के लिए लागत कम करने और उत्पादकता बढ़ाने के उद्देश्य से, उच्च क्षमता वाले क्षेत्रों में हथकरघा पार्क स्थापित करने की योजना है। इन एकीकृत स्थानों में रंगाई इकाइयां, तुरंत शुरू करने योग्य (प्लग-एंड-प्ले) कार्यशालाएं, डिजिटल प्रयोगशालाएं, शोरूम तथा सौर ऊर्जा एवं अपशिष्ट पुनर्चक्रण जैसी सतत संरचनाएं शामिल होंगी। साथ ही, निफ्ट, एनआइडी और अन्य डिजाइन संस्थानों के साथ साझेदारी में क्षेत्रीय स्तर पर डिजाइन और नवाचार केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं, जहां डिजाइनर और बुनकर बुनाई के पारंपरिक सार का सह-निर्माण, संरक्षण और दस्तावेजीकरण करेंगे, और सांस्कृतिक डिजाइनों का ऑनलाइन संग्रह तैयार करेंगे। ये अभिनव कार्यक्रम वैश्विक स्तर पर भारतीय हथकरघा के सौंदर्य और व्यावसायिक आकर्षण, दोनों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे। तकनीक को अपनाना जरूरी है, लेकिन हथकरघा की आत्मा अक्षुण्ण रहनी चाहिए।

अब एआइ का उपयोग रुझानों की भविष्यवाणी और डिजिटल रंग चयन के लिए किया जा रहा है, जबकि ब्लॉकचेन उत्पाद का पता लगाना सुनिश्चित करता है और जालसाजी का मुकाबला करते हुए इस क्षेत्र को नए डिजिटल युग में ज़िम्मेदारी से आगे बढ़ाता है।

संयोजन की पुनर्कल्पना: ई-कॉमर्स और बाजार पहुंच : विपणन और ई-कॉमर्स गेम-चेंजर के रूप में कार्य करेंगे। रणनीति सरल लेकिन क्रांतिकारी है: बिचौलियों को खत्म करना, प्रचार के माध्यम से उपस्थिति बढ़ाना और बुनकरों को प्रारंभ से ही मंचों, प्रदर्शनियों और बाजारों से सीधे जोड़ना। इसी क्रम में, हथकरघा बुनकरों को सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जेम) से जोड़ा जा रहा है और indiahandmade.com एक पारदर्शी, शून्य कमीशन वाला मंच प्रदान कर रहा है, जो उचित पारिश्रमिक, वस्तु को एक स्थान से दूसरे स्थान तक भेजने की निःशुल्क व्यवस्था, आसान वापसी और सुरक्षित भुगतान विकल्प सुनिश्चित करता है। इन प्रयासों के पूरक के रूप में, 106 हथकरघा उत्पादों को पहले ही भौगोलिक संकेत (जीआइ) टैग प्रदान किए जा चुके हैं, जो उनकी अनूठी क्षेत्रीय विरासत और शिल्प कौशल का सम्मान करते हैं। 'हथकरघा चिह्न' और 'भारतीय हथकरघा ब्रांड' के साथ, ये उपाय हाथ से बुने हुए उत्पादों की विशिष्ट पहचान को मजबूत करते हैं, और खरीदारों को उनकी प्रामाणिकता, गुणवत्ता और पर्यावरण-अनुकूलता का आश्वासन देते हैं।

कौशल, सुरक्षा और स्थायित्व : आने वाला कल समावेशी क्षमता निर्माण पर निर्भर करता है। विशेष रूप से पारंपरिक तकनीकों के संरक्षण की दृष्टि से युवाओं के लिए कौशल विकास कार्यक्रम, वित्तीय और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के साथ जोड़े गए हैं - जिनमें स्वास्थ्य बीमा, शैक्षिक छात्रवृत्ति और बुनकरों के लिए पेंशन लाभ शामिल हैं।

साथ ही, पर्यावरण-अनुकूल रंग, कार्बन उत्सर्जन न करने वाले उत्पादन मॉडल और जीवन-चक्र मूल्यांकन इस क्षेत्र की स्थायित्व के प्रति प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करते हैं और भारतीय हथकरघा को वैश्विक हरित आंदोलन के साथ जोड़ते हैं। वस्त्र मंत्रालय के सहयोग से आईआईटी दिल्ली द्वारा तैयार की गयी भारतीय हथकरघा क्षेत्र में कार्बन उत्सर्जन आकलनः विधियां और केस स्टडीज शीर्षक वाली नयी रिपोर्ट, एक संदर्भ और मार्गदर्शिका दोनों का काम करती है, जो भारत के लिए अधिक स्थायी संस्करण का मार्ग प्रशस्त करती है।

(नोट : वस्त्र राज्य मंत्री द्वारा 11वें राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर लिखा गया लेख।)

कोल्हान की खबरें

सरायकेला में 44.5 किलो आइइडी बरामद

आजाद सिपाही संवाददाता

सरायकेला। सरायकेला-खरसावां पुलिस ने चाईबासा पुलिस, झारखंड जगुआर, सीआरपीएफ और एसएसबी को नक्सलियों के खिलाफ अभियान के दौरान बड़ी सफलता हासिल की है। बुधवार को संयुक्त अभियान में कुचाई थाना अंतर्गत दलभंगा ओपी क्षेत्र से नक्सलियों द्वारा छिपाए गए 44.5 किलो आईईडी पुलिस ने बरामद कर लिया। सुरक्षा कारणों को देखते हुए बम निरोधक दस्ते के द्वारा इसे नष्ट किया गया। इस कार्रवाई से नक्सलियों के मंसूबों पर करारा प्रहार हुआ है। साथ ही क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत हुई है। फिलहाल आगे की कार्रवाई के लिए विधि-सम्मत प्रक्रिया जारी है।

जेएनएसी को 10 अगस्त तक का अल्टीमेटम 11 को कूड़े के साथ प्रदर्शन की चेतावनी

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। विधायक सरयू राय के बिष्टुपुर स्थित कार्यालय में कदमा,सोनारी और बिष्टुपुर के प्रमुख कार्यकताओं ने बैठक कर जेएनएसी को 10 अगस्त तक साफ-सफाई और नागरिक सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं का समाधान करने का अल्टीमेटम दिया। चेतावनी दी गई यदि तय समय तक व्यवस्था दुरुस्त नहीं हुई तो 11 अगस्त को सुबह 10 बजे जेएनएसी कार्यालय पर कूड़े के साथ प्रदर्शन किया जाएगा।बैठक में कहा गया कई बार जेएनएसी के उप नगर आयुक्त को ज्ञापन देने और मुलाकात के बावजूद केवल आश्वासन मिले, जबकि हालात पहले से बदतर हो गए हैं। बरसात के मौसम में फॉगिंग और ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव नहीं होने से संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। प्रतिभागियों ने डोर-टू-डोर कचरा उठाव में अव्यवस्था, गंदगी के बढ़ते ढेर, स्ट्रीट लाइटों की खराबी और सफाई कर्मियों की अनुपस्थिति पर नाराजगी जतायी। उन्होंने कहा एक ओर जेएनएसी सफाई के पुरस्कार ले रही, वहीं दूसरी ओर उसके क्षेत्र की जनता नारकीय जीवन जी रही है। बैठक में मुकुल मिश्रा, ललन द्विवेदी, भीम सिंह, राकेश सिंह, नीरज सिंह, धर्मेंद्र प्रसाद, तारक मुखर्जी, मुन्ना सिंह, अजीत सिंह, अनुज चौधरी, रवि ठाकुर सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

न्यू बार मिल के 45 मजदूरों का फाइनल वेतन भुगतान की मांग को लेकर प्रदर्शन

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। टाटा स्टील के न्यू बार मिल में विवेक कंस्ट्रक्शन वेंडर के तहत कार्यरत मजदूरों ने फुल एंड फाइनल सेटलमेंट में गड़बड़ी, ओवरटाइम बकाया और श्रमिक शोषण के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया।बुधवार को प्रदर्शन का नेतृत्व जोहार झारखंड श्रमिक महासंघ के महामंत्री एवं यूथ इंटक के राष्ट्रीय सचिव राजीव पांडेय ने की।श्रमिकों का आरोप है 4 वर्ष 4 माह की सेवा के बाद उन्हें बेहद कम राशि का सेटलमेंट दिया गया, जबकि उन्हें 65,000 या अधिक मिलना चाहिए था। साथ ही, चार साल तक ओवरटाइम का डबल रेट भुगतान नहीं हुआ। उन्होंने प्रबंधन पर गुमराह करने का भी आरोप लगाया।राजीव पांडेय ने कहा यह श्रमिकों के खून-पसीने की कमाई पर डाका है। उन्होंने कहा जल्द 45 मजदूरों के वेतन का समाधान नहीं हुई तो उग्र आंदोलन होगा। मौके पर मजदूरों ने अपनी मांगों का एक मांग पत्र डीएलसी, श्रमायुक्त, टाटा स्टील प्रबंधन और एथिक्स विभाग को भेजा।

तेजस्विनी संगठन ने मनाया सावन समारोह

आजाद सिपाही संवाददाता

आदित्यपुर। तेजस्विनी संगठन ने वार्ड 17 स्थित प्रभात पार्क के सामुदायिक भवन में सावन समारोह का आयोजन किया। बुधवार को कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन और केक काटकर किया गया। इस दौरान सभी ने एक-दूसरे को सावन की शुभकामनाएं दीं और अनुभव साझा किए। समारोह में बैलून फुलाने, बिंदी लगाने, मेहंदी रचाने और पाइप से चॉकलेट खींचने जैसी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विजेताओं में पूनम कौर, सविता कीर्तनिया और रूमा सिंह को पुरस्कृत किया गया। पूनम कौर को सावन क्वीन का ताज पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन खीर वितरण के साथ हुई।

राजनगर सड़क हादसे में युवक की मौत

राजनगर (आजाद सिपाही)। टाटा-चाईबासा मुख्य मार्ग पर सड़क हादसे में जंबानी गांव निवासी खकन महतो की मौत हो गई। बुधवार को मिली जानकारी के अनुसार वे मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। तभी तेज रफ्तार पिकअप वैन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में खकन महतो की मौके पर ही मौत हो गई।सूचना मिलते ही पहुची पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौके पर पिकअप वैन को जब्त कर कार्रवाई शुरू कर दी। घटना से परिजनों और रिश्तेदारों में शोक का माहौल है।

टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन ने शिबू सोरेन को दी श्रद्धांजलि

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन परिसर में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं दिशोम गुरु स्वर्गीय शिबू सोरेन को यूनियन के पदाधिकारी ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।बुधवार को श्रद्धांजलि सभा में अध्यक्ष शशि भूषण प्रसाद, महामंत्री आर.के. सिंह,यूनियन पदाधिकारी,कमेटी मेंबर और आर.के. सिंह फैंस क्लब के सदस्यों ने पुष्प अर्पित कर एक मिनट का मौन रखा और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।अध्यक्ष शशि भूषण प्रसाद ने कहा गुरुजी सर्वमान्य नेता थे और झारखंड स्थापना में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। महामंत्री आर.के. सिंह ने कहा वे पूरे राज्य के आदरणीय नेता थे और गरीबों के लिए संघर्षरत रहे। उन्होंने गरीबों के अधिकारों की रक्षा को ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि बताया।

पेड़ में लटकते मिला प्रेमी युगल का शव

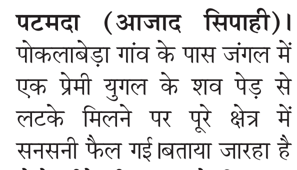

पटमदा (आजाद सिपाही)। पोकलाबेड़ा गांव के पास जंगल में एक प्रेमी युगल के शव पेड़ से लटके मिलने पर पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई।बताया जारहा है दोनों बीते तीन माह से लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे थे। मृतकों की पहचान पोकलाबेड़ा निवासी जामिनी सिंह और गाड़ीग्राम निवासी महिला के रूप में हुई। सूचना मिलने पर पहुची पुलिस जांच के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। आशंका है घटना दो दिन पहले की है।स्थानीय लोगो के अनुसार युवक के परिजनों ने महिला को बहू के रूप में स्वीकार नहीं किए थे। दोनों मानसिक तनाव में थे। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

झामुमो कार्यकर्ताओं ने शिबू सोरेन को दी श्रद्धांजलि

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। झारखंड मुक्ति मोर्चा छोटा गोविंदपुर इकाई ने वरिष्ठ झामुमो नेता नारायण सोरेन के नेतृत्व में बाबा तिलका मांझी चौक पर झारखंड के जनक, महान क्रांतिकारी एवं जन नेता स्व. दिशोम गुरु शिबू सोरेन को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। बुधवार को झामुमो कार्यकर्ताओं ने उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा। मौके पर जाकता सोरेन, समीर दास, पंकज गोप, रजनी दास, तापस दास, जितेंद्र ठाकुर, धीरेन मार्डी, दुखीराम मुर्मू, बबलू, प्रवीण दास, बप्पा, ललित कुमार, विशाल दास, आनंद, रामचंद्र सोरेन, जय भगत, जीतेन्द्र भगत और महिला नेत्री सुभाषिनी बास्के सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्रवाई : रक्षाबंधन के पूर्व नकली मिठाइयों को लेकर एसडीएम की ताबड़तोड़ छापेमारी

पांच कुंतल से अधिक मिठाई को करवाया नष्ट

मंगलवार शाम को 50 कुंतल और बुधवार को पौने दो कुंतल मिलावटी मिठाई पकड़ी

एसडीएम ने प्राथमिकी, जुर्माना लगाया, कार्रवाई एवं लैब टेस्टिंग के लिए फूड सेफ्टी अफसर को दिये निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। रक्षाबंधन एवं अन्य त्योहारों के मद्देनजर एहतियातन गढ़वा सदर एसडीएम संजय कुमार ने नकली मिठाइयों की खोज में तीन व्यवसाईयों के यहां छापामारी की। छापामारी के दौरान दो कारोबारियों से मिली प्रथम दृष्टया मिलावटी या नकली मिठाईयां एवं खाद्य पदार्थों के संदेह में टीम बनाकर जांच करवाई गयी, जिसमें से लगभग सभी जांचों में प्राथमिक जांचों में नमूने फेल हो गये। जिन मिठाइयों को प्रथम दृष्टया स्वास्थ्य के लिए खतरनाक पाया गया, उन्हें मौके पर ही विनष्ट करवा दिया गया। संजय कुमार ने कहा कि उक्त कार्रवाई आगे भी सतत रूप से जारी रहेगी।

क्या है मामला : गोपनीय सूचना प्राप्त होने पर एसडीएम संजय कुमार ने मंगलवार शाम लगभग 8:00 बजे मैन रोड स्थित परमपुरी प्लास्टिक दुकान में छापेमारी की, जहां मौके पर लगभग 2 कुंतल मिठाई मिली, जब उनसे इस संबंध में कागज और लाइसेंस आदि मांगे गये तो वे नहीं दिखा पाये, संदेह बढ़ने पर उनसे गहन पूछताछ की गयी। पूछताछ के क्रम में मालूम चला कि कमलापुरी मोहल्ले में एक आवासीय भवन के भूतल में बने चार कमरों में उनका गोडाउन है, जब मौके पर जाकर देखा गया तो वहां बड़ी मात्रा में मिठाई भंडारित की गयी थी। इनमें से कुछ मिठाइयां बदबू भी मार रही थीं, मामले को संदिग्ध मानते हुए मौके पर इन सभी कमरों को बंद करवा दिया गया। अग्रेतर पूछताछ करने पर पता चला कि इनका एक गोडाउन सरस्वती चिकित्सालय वाली गली के अंत में नदी किनारे भी बना हुआ है, जब वहां मौके पर जाकर देखा गया तो वहां भी कई कुंतल मिठाइयों का भंडार रखा हुआ पाया गया इस पर एहतियात के तौर पर एसडीएम ने इस गोदाम में भी ताला लगवा दिया।

एक कुंतल से अधिक एक्सपायरी डेट वाला सॉस भी मिला : मंगलवार की छापेमारी के दौरान परमपुरी प्लास्टिक के नदी किनारे वाले गोदाम में पांच-पांच किलो की गैलन वाली 26 गैलन सॉस मिला। उक्त सभी गैलन में एक्सपायरी डेट 4 महीने पूर्व की लिखी हुई थी।

अनुज्ञप्ति भी त्रुटिपूर्ण : अनुज्ञप्ति की जांच के क्रम में फूड सेफ्टी ऑफिसर अंजना मिंज ने बताया कि जो लाइसेंस व्यवसायी ने प्रस्तुत किया है उसमें मिठाईयां आदि के आइटम शामिल नहीं है, इसलिए उनकी विज्ञप्ति पर्याप्त नहीं है। एसडीएम में उनके फूड लाइसेंस को नियमानुसार प्रक्रिया अपनाकर रद्द करने का निर्देश दिया।

क्रय एवं परिवहन के कागजात नहीं दिखा पाये : संबंधित व्यवसायी अजय कुमार से जब इतनी बड़ी मात्रा में मिठाई के स्रोत के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने बताया कि वे यह मिठाई उत्तर प्रदेश के फूलपुर, बनारस और बिहार के औरंगाबाद, गया आदि से मंगवाये है किंतु वे इस संबंध में परिवहन और क्रय आदि के पर्याप्त दस्तावेज उपलब्ध नहीं करा पाये।

500 किलो से अधिक मिठाइयां और खाद्य सामग्री विनष्ट करवाई गई : जांच के दौरान बिना पैकिंग डेट, एक्सपायरी डेट तथा निर्माता के नाम लिखे संदिग्ध पैकेट बंद मिठाइयों को प्राथमिक तौर पर रासायनिक जांच की गयी, जांच में फेल होने पर उन्हें मौके पर ही नष्ट करने का निर्णय लिया गया।

मंगलवार की छापेमारी के बाद रात में ज्यादातर नकली मिठाई के अवैध कारोबारी भाग खड़े हुए थे और प्राप्त जानकारी के अनुसार उन्होंने बड़े शातिर तरीके से अपना भंडार भी यहां वहां शिफ्ट कर दिया था। इस क्रम में बुधवार दोपहर को संजय कुमार ने मनीष प्लास्टिक एवं एक अन्य प्लास्टिक दुकान के यहां छापेमारी की, जहां मनीष प्लास्टिक के बाजार समिति स्थित गोदाम में एक कुंतल व 80 किलो नकली मिठाई मौके पर मिली। इस गोदाम का भी सैंपल परीक्षण करवाया गया जो कि फेल हो गया। इस पर विस्तृत जांच तथा विधिक कार्रवाई हेतु खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी को निर्देश दिया गया है।

ज्यादातर मिठाइयां बनारस की एक कंपनी की हैं : जांच के दौरान जो मामला सामने आया उसके अनुसार लगभग 40 कुंतल मिठाइयां डिब्बा बंद हैं, और उनमें फूड लाइसेंस भी अंकित है, एक्सपायरी डेट भी अंकित है, निर्माण करने वाली कंपनी का नाम पता ईमेल आदि भी अंकित है, इसलिए उसकी प्रथम दृष्टया नष्ट नहीं करवाया गया है, यद्यपि उसके सैंपल जांच करवाई गयी नमूने प्राथमिक जांच में फेल हो गये। उनके विस्तृत जांच के लिए नमूने ले दिये गये हैं। जिनकी गुरुवार को रांची में लैब टेस्टिंग की जानी है। यदि वहां भी नमूने फेल होते हैं तो बनारस की उस कंपनी पर भी विधिक कार्रवाई करने हेतु खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी को निर्देश दिया गया है।

अधिकारियों से अरहर बीज गमन के आरोपियों पर कार्रवाई करने की मांग

अधिकारियों ने दोषियों पर कार्रवाई करने का दिया आश्वासन

आजाद सिपाही संवाददाता

मेराल। प्रखंड के उप प्रमुख निजामुद्दीन खां और ओखरगाड़ा पश्चिमी की मुखिया मनरावती देवी ने ग्रामीणों के आवेदन के साथ बुधवार को गढ़वा डीसी दिनेश कुमार यादव एवं सदर एसडीओ संजय कुमार पांडेय से उनके कार्यालय में मिलकर अरहर बीज गमन करने वाले जनसेवक एवं पैक्स अध्यक्ष पर कार्रवाई करने की मांग की है। इस संबंध में उप प्रमुख निजामुद्दीन खां ने कहा कि आरोपियों पर कार्रवाई के लिए जिला अधिकारियों के साथ-साथ मेराल के प्रभारी बीडीओ सह सीओ यशवंत नायक एवं थाना प्रभारी से ग्रामीणों तथा विधायक प्रतिनिधि डॉ लालमोहन के साथ मिलकर पैक्स अध्यक्ष और जन सेवक द्वारा अरहर बीज गमन का लिखित आवेदन दिया।

बीडीओ को आवेदन देकर निकलते उप प्रमुख, विधायक प्रतिनिधि और अन्य।

अधिकारियों ने दोषियों पर कार्रवाई करने का दिया आश्वासन : उप प्रमुख द्वारा बताया गया कि आवेदन के साथ अधिकारियों से मिलने पर अधिकारियों ने दोषियों पर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया गया है।

दो बोडा अरहर बीज के साथ दोनों आरोपियों को ग्रामीणों ने पकड़ा था : बता दें कि मंगलवार को जनसेवक कुणाल गौरव एवं पैक्स अध्यक्ष दिवाकर यादव को दो बोडा अरहर बीज के साथ ग्रामीणों ने पकड़ा था, ग्रामीणों के हंगामा के बीच पहुंचे उप प्रमुख निजामुद्दीन खां के द्वारा पदाधिकारीयों को सूचित करते हुए अरहर बीज को जब्त किया गया था। अधिकारियों को दिये गये आवेदन पर बीडीसी खुर्शीद आलम, कंचन पांडेय, उदय कुमार चंद्रवंशी, भागीरथी चंद्रवंशी, खुर्शीद खां, शंकर प्रसाद चंद्रवंशी, सत्यप्रकाश, देवचरण, जोखू, सोनू, मुन्ना सहित चार दर्जन लोगों का हस्ताक्षर शामिल था।

डीसी ने स्कूल ऑफ एक्सीलेंस का किया औचक निरीक्षण

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दिनेश कुमार यादव द्वारा जिले के तीनों सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस (बालिका उच्च विद्यालय, रामा साहू +2 उच्च विद्यालय एवं कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय) का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान शैक्षणिक गुणवत्ता, संसाधनों का उपयोग, छात्राओं की उपस्थिति, मध्यान्ह भोजन एवं विद्यालय परिसर की साफ-सफाई सहित अन्य की समीक्षा की गयी।

निरीक्षण की शुरूआत बालिका उच्च विद्यालय, गढ़वा से की गयी, जहां उपायुक्त ने प्रभारी प्राचार्य से शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने कंप्यूटर लैब, साइंस लैब व कक्षाओं का अवलोकन किया और स्वयं विद्यार्थियों को एक पाठ पढ़ाकर शिक्षण की गुणवत्ता परखा। साइंस लैब में प्रयोगात्मक गतिविधियों की कमी पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्होंने निर्देश दिया कि उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग कर बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु सभी शैक्षणिक गतिविधियां नियमित रूप से संचालित की जायें। उन्होंने चेतावनी दी कि भविष्य में लापरवाही पाये जाने पर संबंधित पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जायेगी। इसके उपरांत रामा साहू +2 उच्च विद्यालय का निरीक्षण किया गया। जहां पर विज्ञान प्रयोगशाला का समुचित उपयोग नहीं हो रहा था।

अंत में उपायुक्त ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में यह पाया गया कि झारखंड बालिका विद्यालय, डंडा की छात्राएं भी इस विद्यालय में पढ़ रही हैं, जिससे कक्षाओं में भीड़ की स्थिति उत्पन्न हो रही है। उन्होंने जिला शिक्षा अधीक्षक अनुराग मिंज को निर्देश दिया कि डांडा विद्यालय के अधूरे भवन कार्य को शीघ्र पूर्ण कर छात्राओं को उनके विद्यालय में स्थानांतरित करने की प्रक्रिया प्रारंभ की जाए।

गुरुजी के निधन पर एसपीडी कॉलेज में शोक सभा

गढ़वा (आजाद सिपाही)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सह राज्य सभा सांसद शिबू सोरेन के आकस्मिक निधन पर स्थानीय सूरत पांडेय डिग्री कॉलेज, गढ़वा में बुधवार को प्राचार्य डॉ हिमांशु भूषण जारुहार की अध्यक्षता में शोक सभा आयोजित कर उन्हें श्रद्धांजली अर्पित किया गया। इस मौके पर उनके आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन भी धारण किया गया। प्राचार्य डॉ. जारुहार ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन का निधन एक युग, एक विचार, एक आंदोलन, एक पीढ़ी के साहस, संघर्ष और चेतना का अवसान है। शिबू सोरेन झारखंड की मिट्टी से उपजे वह बीज थे जिन्होने जल, जंगल, जमीन की रक्षा में अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। शोक सभा में प्रो विवेकानंद उपाध्याय, प्रो अखिलेश पाठक, प्रो बिरेंद्र पांडेय, प्रो अर्जुन प्रसाद, प्रो परवेज आलम, प्रो कमलेश सिन्हा, डॉ उमेश सहाय, डॉ सत्यदेव पांडेय, प्रो संजय केशरी, प्रो अखिलेश शुक्ला, प्रो राजीव रंजन मिश्रा, प्रो अजय कुमार सिंह, डॉ संजीव मिश्रा, प्रो. नीलम गुप्ता, प्रो किरण कुमारी, समेत विभिन्न शिक्षक व शिक्षकेत्तर कर्मचारी उपस्थित थे।

गुलाब इंटरनेशनल विद्यालय में गुरुजी को दी गयी श्रद्धांजलि

केतार (आजाद सिपाही)। गुलाब इंटरनेशनल विद्यालय में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद रहे दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार एवं छात्राओं ने दो मिनट का मौन रखकर गुरूजी को श्रद्धांजलि अर्पित की। विद्यालय के निदेशक शैलेंद्र सिंह छोटन ने कहा कि शिबू सोरेन का झारखंड राज्य के गठन और विकास में अतुलनीय योगदान रहा है। उनकी सेवाओं को कभी भुलाया नहीं जा सकता। इस शोकसभा में विद्यालय, शिक्षकगण, कुणाल गोरीई, रूवान मंडल, सिद्धार्थ सिंह शिक्षिका आस्था सिंह, रिया सिंह, मनीष, अशोक, आशा देवी आदि छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

बारिश से खपड़ैल का मकान ध्वस्त

श्री बंशीधर नगर (आजाद सिपाही)। नगर ऊंटरी प्रखंड के भोजपुर पंचायत के टिकुलडीहा ग्राम निवासी प्रभु प्रसाद गुप्ता का खपड़ैल मकान वर्षा से जर्जर होकर पूर्ण रूप से ध्वस्त हो गया। घर ध्वस्त होने से घर के अंदर रखे सभी सामग्री घर के अंदर ही दब गया। प्रभु प्रसाद गुप्ता ने बताया कि 5 लाख तक की संपत्ति का नुकसान बरसात में घर गिरने से हो गया और हम बाल-बाल बचे, सभी फैमिली बेघर हो गये। इस संबंध में पंचायत की मुखिया ओमप्रकाश कुमार ने बताया कि आबुआ आवास मे इनका नाम सूचीबद्ध है। लक्ष्य के अनुसार इन्हें सरकारी आवास योजना की लाभ दिया जायेगा। इस संबंध में बीडीओ रौशन कुमार ने बताया कि तत्काल भुक्तभोगी को सहायता प्रदान की जायेगी।

हर घर तिरंगा अभियान को लेकर भाजपा का जिला स्तरीय कार्यशाला

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। भाजपा युवा मोर्चा राष्ट्रीय कार्यक्रम हर घर तिरंगा अभियान को लेकर जिला कार्यालय गढ़वा पिंडरा में जिला स्तरीय कार्यशाला संपन्न हुआ। कार्यक्रम का अध्यक्षता एवं संचालन भाजयुमो जिलाध्यक्ष रामशीष तिवारी ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष विकास प्रितम ने कहा कि भाजपा राष्ट्रीय नेतृत्व एवं देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर पुरे देश में बुथ स्तर पर हर घर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 10 से 14 अगस्त तक बुथ स्तर पर तिरंगा अभियान चलाया जायेगा, 13 से 15 अगस्त तक तिरंगा फहराया जायेगा। 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका दिवस मनाया जायेगा। कार्यक्रम के दौरान मौन जुलूस, प्रभावित लोगों को सम्मानित करना है।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से गढ़वा जिला प्रभारी बिपीन बिहारी सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष ठाकुर प्रसाद महतो, लातेहार जिला प्रभारी मुकेश निरंजन सिन्हा, विधायक प्रतिनिधि विवेकानंद तिवारी सांसद प्रतिनिधि प्रमोद चौबे भाजपा नेता अरविंद तुफानी बिनय चौबे भाजपा जिला मीडिया प्रभारी रितेश चौबे, रामसरीख चंद्रा, अजय तिवारी सहित अन्य कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

डंडई में दो दुकानों से डेढ़ लाख के सामान की चोरी

डंडई (आजाद सिपाही)। डंडई प्रखंड क्षेत्र के रारो गांव तथा बेलवाटीकर का है, जहां मंगलवार की देर रात अज्ञात चोरों ने दो दुकानों को निशाना बनाते हुए करीब डेढ़ लाख रुपये के सामान पर हाथ साफ कर दिया। रारो गांव निवासी अनुप्रिया डिजिटल स्टूडियो के संचालक शशिकांत ठाकुर ने बताया कि बीती रात उनकी दुकान का ताला तोड़कर चोरों ने लैपटॉप, प्रिंटर, इनवर्टर, बैटरी और पंखा समेत करीब एक लाख रुपये मूल्य के सामान की चोरी कर ली। वहीं, बेलवाटीकर निवासी मां दुर्गा इलेक्ट्रॉनिक एंड टेलीकॉम प्रो. मनीष कुमार साह की दुकान से चोरों ने करीब 50 हजार के सामान पर हाथ साफ कर दिया। मामले में थाना प्रभारी अनिमेष शांतिकारी ने बताया कि प्राप्त आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गयी है और मामले की जांच शुरू कर दी गयी है। उन्होंने कहा कि जल्द ही चोरों को पकड़ लिया जायेगा।

आरके पब्लिक स्कूल के पूर्व छात्र सुधांशु रंजन को जेपीएससी परीक्षा में सफलता पर किया सम्मानित

गढ़वा (आजाद सिपाही)। आरकेवीएस बीएड कॉलेज, गढ़वा के सभागार में आरके पब्लिक स्कूल, गढ़वा के पूर्व छात्र सुधांशु रंजन तिवारी को जेपीएससी 2024 परीक्षा में 162वीं रैंक हासिल करने के उपलक्ष्य में सम्मानित किया गया। इस सम्मान समारोह में सुधांशु रंजन तिवारी के साथ उनके पिता अरुण तिवारी भी उपस्थित रहे। दोनों को विद्यालय के निदेशक अलखनाथ पांडेय ने शॉल एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर निदेशक श्री पांडेय ने कहा कि आरके पब्लिक स्कूल गढ़वा शिक्षा की गुणवत्ता, अनुशासन और संस्कार के साथ बच्चों के उज्ज्वल भविष्य हेतु समर्पित है। आज सुधांशु की सफलता यह प्रमाणित करती है कि हम सही दिशा में कार्य कर रहे हैं। हमें गर्व है कि हमारे विद्यालय से निकले छात्र आज समाज और देश के लिए मिसाल बन रहे हैं। सुधांशु के पिता अरुण तिवारी ने कहा कि गढ़वा जिले में यदि अनुशासन, संस्कार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की बात करें तो आरके पब्लिक स्कूल का कोई मुकाबला नहीं है। गढ़वा जिले में इस स्कूल जैसा अनुशासन, संस्कार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा कहीं और नहीं है। यही कारण है कि मेरे बेटे को इस मुकाम तक पहुंचने में स्कूल की भूमिका सर्वोपरि रही है। मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूं सभी शिक्षकों का। विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी इस उपलब्धि पर अपने प्रिय छात्र को हृदय से बधाई दी।

निष्ठा, लगन और कर्तव्य के प्रति इमानदारी ही सफलता का मूलमंत्र है : अलखनाथ

आरके ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस का 'एक्टिव लर्निंग' विषय पर तीसरा इनहाउस कार्यशाला संपन्न

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। आरके ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के तत्वावधान में आगामी शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए शिक्षकों के प्रशिक्षण हेतु आयोजित इनहाउस कार्यशालाओं की श्रृंखला में तीसरा सत्र बुधवार को आरकेवीएस सभागार, गढ़वा में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

आरके ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के निदेशक एवं प्रख्यात शिक्षाविद् अलखनाथ पांडेय ने कहा कि आज शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव की आवश्यकता है। नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति बच्चों के समग्र विकास को बढ़ावा देती है। एक्टिव लर्निंग एक ऐसी पद्धति है, जो छात्रों को केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं रखती, बल्कि उन्हें सोचने, समझने और स्वयं सीखने के लिए प्रेरित करती है।

इस कार्यशाला में आरके ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के अंतर्गत संचालित सभी विद्यालयों - आरके पब्लिक स्कूल गढ़वा, श्री बंशीधर नगर, उंचरी (मंझिआंव) और हूर - के शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, राँची पूर्व, राँची।

अति अल्पकालिन निविदा सूचना –13/2025–26

1) विभाग का नाम :– पेयजल एवं स्वचछता विभाग, झारखण्ड, रॉची ।
2) विज्ञापन दाता का नाम :– कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वचछता प्रमंडल, रॉची पूर्व रॉची ।
3) परिमाण विपत्र की बिक्री की अंतिम तिथि एवं समयः– 18.8.2025 अपराह्न 5 बजे तक।
4) निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :– 19.8.2025 अपराहन 3:30 बजे तक।
5) निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 19.8.2025 अपराह्न 4 बजे।
6) परिमाण विपत्र की बिक्री का स्थानः– 1) कार्यपालक अभियंता, का कार्यालय,पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, रॉची पूर्व, रॉची।
2) अधीक्षण अभियन्ता, का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता, राँची अंचल, राँची।
7) निविदा प्राप्ति का स्थान :– 1) कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, राँची पूर्व, राँची।
8) कार्य विवरणी :–

क्र0	कार्य का नाम	प्रा० राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि (रु० में)	परिमाण वि० का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	Seepage repair and Renovation , improvement of water suplly and sewarage with changing of all fittings at MLA residence Room no 203,204 and 205 at Old Vidhansabha campus dhurwa Under D. W. & S. Division Ranchi East, Ranchi.	685056.00	13800.00	1250.00	15 Days
2	Seepage repair and Renovation of toilet and bathroom , improvement of water suplly and sewarage with changing of all fittings at police barreck of Gents situated near the pump house inside the campus of Jharkhand New Vidhansabha Kute dhurwa Under D. W. & S. Division Ranchi East, Ranchi.	1151890.00	23100.00	2500.00	1 Months
3	Provision of water supply by construction of 1Nos. HYDT with Installation 1Nos of 2.00 H. P. Submersible Pump Motor and necessary water supply pipe line, & Its allied works pipe line, valve chamber etc at Jharkhand Government Press Doranda, Ranchi D. W. & S. Division, Ranchi East, Ranchi.	890999.00	17900.00	1250.00	15 Days
4	Repairing/Renovation of sewer line, construction of inspection chamber and cleaning of sewer line and its allied works at different locations of High court pool quarters situated at Hinoo, Doranda and behind Indira palace Ranchi under D.W. & S. Division, Ranchi East, Ranchi.	831426.00	16700.00	1250.00	15 Days
5	Imorovement of water supply and outer misc. works at staff quarter NO. 04 (Near A.G More) Doranda Under D. W. & S. Division, Ranchi East, Ranchi.	1038964.00	20800.00	2500.00	30 Days
6	Seepage repair and Renovation , improvement of water supply and sewarage work with changing of all fittings at Quarter no. ,A-4 13 set pucca doranda ,B-39 Block-7 , near seth sitaram school C-23 Block-4 , Behind Indira palace and Other High court quarters Under D. W. & S. Division Ranchi East,Ranchi.	835823.00	16800.00	1250.00	15 Days
7	Seepage repair and Renovation of girls toilet situated at ground floor, first floor, second floor , supplying of overhead water tank and Improvement of W/S and sanitary fittings & Sewerage Work at state library, Ranchi Under D. W. & S. Division Ranchi East, Ranchi.	1670241.00	33500.00	5000.00	30 Days
8	Overhauling of 2000 LPH Iron and Turbidity Removal filtration plant with multiple valve, & necessary water supply pipe line and its allied work at Quarter no.-9/19 and Other Officers Quarter Doranda Ranchi under D.W. & S. Division, Ranchi East Ranchi.	903656.00	18100.00	1250.00	15 Days

आवश्यक शर्तो के लिए देखें www.jharkhand.gov.in
Email ID- eedwsd.ranchieast@gmail.com

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्व० प्र० रॉची पूर्व रॉची ।

PR.NO.358981 Drinking Water and Sanitation(25-26):D

मानकों के अनुरूप अल्ट्रासाउंड सेवाएं न होना जन-स्वास्थ्य के लिए खतरनाक : एसडीएम

'कॉफी विद एसडीएम' में अल्ट्रासाउंड केंद्र संचालकों के साथ हुआ संवाद

सिविल सर्जन ने सभी केंद्र संचालकों को नियम पालन करने का निर्देश दिया

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। बुधवार को सदर एसडीएम संजय कुमार के नियमित संवाद कार्यक्रम 'कॉफी विद एसडीएम' में अनुमंडल क्षेत्र के लगभग दो दर्जन अल्ट्रासाउंड केंद्र संचालकों के साथ अनौपचारिक संवाद किया। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. जॉन एफ कैनेडी भी उपस्थित रहे। सिविल सर्जन ने सभी केंद्र संचालकों को स्पष्ट शब्दों में निर्देश दिया कि सभी लोग अल्ट्रासाउंड संचालन के लिए निर्धारित नियमों का कठोरता से पालन करेंगे। उल्लंघन की स्थिति में कार्रवाई तय है।

कार्यक्रम के दौरान अल्ट्रासाउंड केंद्र संचालकों से उनकी व्यावहारिक समस्याओं की जानकारी ली गयी तथा प्रशासन की अपेक्षाओं से उन्हें अवगत कराया गया।

एसडीएम संजय कुमार ने पीसीपीएनडीटी अधिनियम का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। दोनों अधिकारियों ने यह स्पष्ट किया कि बिना योग्य चिकित्सक कोई भी अल्ट्रासाउंड जांच नहीं की जायेगी, क्योंकि यह आमजन के स्वास्थ्य से जुड़ा हुआ प्रत्यक्ष विषय है इसमें खिलवाड़ स्वीकार्य नहीं होगा।

यथासंभव चिकित्सक के परामर्श पर ही करें अल्ट्रासाउंड : सिविल सर्जन डॉक्टर जॉन एफ कैनेडी ने सभी केंद्र संचालकों से कहा कि वे सेल्फ या मौखिक अनुरोध पर किसी मरीज का अल्ट्रासाउंड करने से बचें, विशेष कर गर्भवती महिलाओं के मामले में तो चिकित्सीय परामर्श पर्चे के बाद ही अल्ट्रासाउंड करें।

रजिस्टर और फॉर्म एफ का नियमित संधारण करें : एसडीएम तथा सिविल सर्जन ने उपस्थित सभी सदस्यों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने अल्ट्रासाउंड केंद्र में आये मरीजों की विवरणी का समुचित संधारण करें, गर्भवती महिलाओं से संबंधित अल्ट्रासाउंड के लिए निर्धारित फार्म एफ का प्रेषण भी समय-समय पर सिविल सर्जन कार्यालय को करते रहें।

एक डॉक्टर दो केंद्रों से ज्यादा में सेवायें न दें : सिविल सर्जन ने कहा कि नियमानुसार एक चिकित्सक को अधिक से अधिक दो केंद्रों में अपनी अल्ट्रासाउंड संबंधी सेवाएं देनी चाहिए किंतु धरातल में इसका अनुपालन नहीं हो पा रहा है और कई बार तो देखने में आ रहा है कि एक-एक डॉक्टर कई अल्ट्रासाउंड केंद्रों में अपना नाम दिए हुए हैं। और तो और अन्य जिलों में भी अपनी सेवाएं दे रहे हैं, ऐसा मामला सामने आने पर ऐसे लोगों पर कार्रवाई की जा सकती है।

लिंग परीक्षण नहीं करने की शपथ ली गयी : कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी सदस्यों ने शपथ ली कि वे समाज हित में किसी भी गर्भवती महिला के भ्रूण का लिंग परीक्षण नहीं करेंगे न ही ऐसी जानकारी देंगे। उक्त के संदर्भ में सिविल सर्जन ने सभी को सामूहिक शपथ दिलवायी।

चंदवा में भाजपा का हर घर तिरंगा यात्रा कार्यक्रम की सफलता को लेकर बैठक

चंदवा (आजाद सिपाही)। चंदवा भारतीय जनता पार्टी मंडल चंदवा द्वारा हर घर तिरंगा कार्यक्रम की सफलता को लेकर मंडल उपाध्यक्ष विजय दुबे की अध्यक्षता में 6 अगस्त 2025 दिन बुधवार को भारतीय जनता पार्टी मंडल चंदवा के लातेहार मोड़ स्थित पथ निर्माण विश्रामागार मे मंडल कार्यशाला आयोजित किया गया। सर्व प्रथम महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम की शुरूआत की गयी। मंच का संचालन मंडल महामंत्री दीपक ने किया। कार्यक्रम में जिला सह संयोजक राजेंद्र यादव ने कहा की आगामी 10 अगस्त से 15 अगस्त तक प्रदेश के द्वारा कई कार्यक्रम तय की गयी है और आप सभी लोगो के सहयोग से सभी कार्यक्रम सफलता पुर्वक संपन्न किया जायेगा। सभी पंचायत अध्यक्ष आग्रह है की सभी बूथ अध्यक्ष के माध्यम से सभी घरों पर तिरंगा झंडा लगाने का कार्य करेंगे, एवं चंदवा मंडल मे 13 अगस्त 2025 को तिरंगा यात्रा निकाला जाना सुनिश्चित हुआ है। आप सभी अधिक से अधिक संख्या मे भाग लेकर तिरंगा यात्रा को सफल एवं भव्य बनायगे। मौके पर चंदवा मंडल प्रभारी राज कुमार पाठक, पूर्व जिला महामंत्री देवमोहन सिंह,मंडल महामंत्री शिवकेश्वर यादव, मंडल मंत्री राजेश गंझु, मनीष गुप्ता, विधायक प्रतिनिधि सुरेश यादव, आदर्श रवि राज, भाजयुमो मंडल महामंत्री दुर्गा ठाकुर, सूर्यनारायण साहू, चंद्रभूषण केसरी, आशीष लाल पंचायत अध्यक्ष,रविन्दर साव, यमुना चौधरी, मुरारीलाल साहू, संकर मुंडा समेत अन्य सम्मानित कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।

शिबू सोरेन को सेन्हा कांग्रेसियों ने दी श्रद्धांजलि

सेन्हा/ लोहरदगा (आजाद सिपाही)। जिला कांग्रेस कमिटी के निर्देश पर प्रखंड कांग्रेस कमिटी द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री के निधन पर शोकसभा आयोजित किया गया। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बदला पंचायत ग्राम में झारखण्ड आंदोलन कारी नेता और पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर कांग्रेसियों द्वारा दिग्वन्त आत्मा की शांति के लिये एक मिनट का मौन धारण किया गया। वही पूर्व प्रदेश महासचिव डॉ अजय शाहदेव ने कहा कि शिबू सोरेन एक आंदोलनकारी नेता थे। जिन्होंने झारखण्ड राज्य निमार्ण के लिये संघर्ष कर झारखण्ड को संवारा जिनका निधन से अपूरणीय क्षति हुई है। जिसे पूर्ण करना असंभव है। उनके बताये हुए मार्ग पर चल कर झारखण्ड का नवनिर्माण करना ही उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगी। जिला कांग्रेस कमिटी के कार्यकारी अध्यक्ष शकील अहमद ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन जुझारू नेता थे। गरीबों के मसीहा थे। जिनका निधन से राज्य को अपूरणीय क्षति हुआ है। उनके अधूरे कार्यो को पूर्ण करने हम सभी का कर्तव्य है। मौके पर संजय शाहदेव, संतोष महतो, दीपक ठाकुर,अनिल उरांव,अशोक पाण्डेय,गौरी शंकर सिंह,रंजीत महतो,बबलू अंसारी,दिलीप उरांव,राजू पहान सहित सैकड़ों कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद थे।

तेज बारिश में गरीब परिवार का घर गिरा

सेन्हा/ लोहरदगा (आजाद सिपाही)। बारिश के कारण गरीब का मकान गिर कर ध्वस्त हो गया। जिसे परिवार के बीच रहने की समस्या उतपन हो गयी है। वही मकान गिरने से कोई हताहत नहीं हुआ परंतु दैनिक उपयोगी का घरेलू सामान नष्ट होने की बात बतायी जा रही है। विदित हो कि प्रखंड क्षेत्र के सेन्हा बरवाटोली निवासी जीतू उरांव का कच्चा खपरैल मकान बारिश के कारण पूरब साइड का दीवार गिर चुका है तथा मकान काफी जर्जर अवस्था में दिख रहा है। जानकारी के अनुसार बताया जाता है कि वर्ष 2024 में भी मकान का पश्चिम भाग का दीवार गिर गया था। जिसको लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी के नाम आवेदन देते हुए अपनी स्थिति से अवगत कराया था। लेकिन जानकारी के अभाव में कोई सरकारी सहायता नहीं मिला था। जिसे आज भी गरीब परिवार के आठ सदस्य जर्जर मकान में गुजर बसर करने को मजबूर है। इसी बीच मंगलवार शाम में तेज बारिश होने के कारण कच्चा मकान का दीवार गिर गया और पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हो गया। वही इस संदर्भ में प्रखंड विकास पदाधिकारी संग्राम मुर्मू से जायजा लेने पर उन्होंने कहा गरीब परिवार के द्वारा मकान क्षति होने का आवेदन प्राप्त हुआ था। जिसके आलोक में प्राथमिकता के साथ पहल करते हुए अबुआ आवास योजना के तहत मकान निर्माण की स्वीकृति दी गयी है। बीडीओ ने बताते हुए कहा कि प्रथम किस्त का राशि पीड़ित परिवार का लाभुक के खाते में डाल दिया गया है। जिसकी जानकारी लाभुक को नही होने के कारण परेशान है। साथ ही उन्होंने कहा ऐसे स्थिति में किसी गरीब परिवार से आवेदन प्राप्त होने पर त्वरित पहल किया जाता है और सरकारी प्रावधान के अनुसार लाभ पहुंचाने की दिशा में प्रखंड कार्यालय से त्वरित पहल किया जाता है।

डीलरों ने महुआडांड़ में डोर स्टेप डिलीवरी की लंबित कमीशन के भुगतान की मांग उठायी

महुआडांड (आजाद सिपाही)। महुआडांड प्रखंड मुख्यालय स्थित पुराने अंचल भवन परिसर में बुधवार को प्रखंड डीलर संघ की एक बैठक आयोजित की गयी। बैठक में डीलर संघ ने खाद्य आपूर्ति विभाग से डोर स्टेप डिलीवरी की व्यवस्था शीघ्र लागू करने की मांग की। डीलरों का कहना है कि इस व्यवस्था के लागू होने से लाभुकों तक समय पर राशन पहुंचेगा और पारदर्शिता भी बनी रहेगी। साथ ही उन्होंने महुआडांड़ में ही इ-पॉस मशीन और तराजू की मरम्मत सुविधा उपलब्ध कराने की आवश्यकता जतायी, ताकि उपकरणों की खराबी के कारण वितरण में होने वाली बाधाएं कम की जा सकें। बैठक में एक प्रमुख मुद्दा लंबे समय से लंबित कमीशन भुगतान भी रहा। डीलरों ने बताया कि उन्हें कई महीनों से उनके कमीशन का भुगतान नहीं किया गया है, जिससे उन्हें आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने विभाग से जल्द से जल्द बकाया भुगतान करने की मांग की। डीलर संघ ने यह भी कहा कि यदि उनकी मांगों पर विभाग द्वारा शीघ्र संज्ञान नहीं लिया गया, तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। बैठक के अंत में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि यदि समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो आगे की रणनीति तय कर आंदोलनात्मक कदम उठाया जायेगा। बैठक में डीलर के पुत्र को डीलर संघ के अध्यक्ष बनाये जाने को लेकर भी कई डीलरों ने जोरदार हंगामा किया। बाद में निर्णय लिया गया कि अब से डीलर ही डीलर संघ के अध्यक्ष चुने जायेंगे। बैठक में प्रमुख रूप से डीलर संघ के अध्यक्ष रोहित कुमार, रामदत्त प्रसाद, मंगल सोनी, मनोज गुप्ता, आनंद प्रसाद, दोस्त मोहम्मद, कामेश्वर प्रसाद, कमेश सोनी समेत कई डीलर मौजूद थे।

अनियंत्रित होकर गिरी बाइक, तीन मजदूर घायल

सेमरा गांव के समीप कुत्ता को बचाने के क्रम में हुई घटना

आजाद सिपाही संवाददाता

भंडरा। भंडरा - सिसई मुख्य मार्ग के सेमरा गांव के समीप बुधवार को कुत्ता को बचाने के चक्कर में एक बाइक पर सवार तीन मजदूर युवक गिरकर घायल हो गया। स्थानीय लोगों की सहायता से तीनों युवको को भंडरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर गंभीर रूप से एक युवकों को रांची रिम्स रेफर किया। जबकि अन्य दो घायलों को अस्पताल से छुट्टी दे दी।

जानकारी के अनुसार भंडरा थाना क्षेत्र के भैसमुदो गांव निवासी इस्लाम अंसारी के 20 वर्षीय पुत्र नसीम अंसारी, उदरंगी गांव निवासी बीरु उरांव के 20 वर्षीय पुत्र संदीप उरांव और कसपुर नवाटोली निवासी स्व लिटगु उरांव के 22 वर्षीय पुत्र लक्ष्मण उरांव तीनो एक ही बाइक से छत की ढलाई के लिए सिसई जा रहे थे। इसी बीच सेमरा गांव के समीप अचानक सामने कुत्ता आ गया जिसको बचाने के दौरान बाइक अनियंत्रित होकर पलट गया। जिसमें बाइक पर सवार तीनों युवक गिरकर घायल हो गया।वही इलाज कर रहे चिकित्सक ने बताया कि घायल नसीम को चेहरा मे काफी आयी है। नसीम को बेहतर इलाज के लिए रांची रिम्स रेफर किया गया है। जबकि संदीप उरांव व लक्ष्मण उरांव को मामूली चोटें आयी हैं। जिसका इलाज करके अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी है।

जिला सहकारिता विकास समिति की बैठक में डेयरी यूनिट और बीज वितरण पर जोर

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। उपायुक्त डॉ ताराचंद की अध्यक्षता में बुधवार को जिला सहकारिता विकास समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में लैम्प्स की वर्तमान स्थिति, बीज वितरण प्रणाली, दुग्ध उत्पादन एवं पौधरोपण के नए विकल्पों पर विस्तृत चर्चा की गयी। उपायुक्त ने जिला सहकारिता पदाधिकारी को निर्देश दिया कि जिले के सभी लैम्प्स में संसाधनों की कमी को जल्द दूर किया जाये। उन्होंने मानक अनुरूप लैंपस को बीज वितरण लाइसेंस जल्द उपलब्ध कराने एवं बाकी पंचायतों में नये गोदाम स्थापित कर प्रशिक्षण देकर लाइसेंस देने की प्रक्रिया तेज करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने जिले में छोटे-छोटे गोबर गैस प्लांट लगाने पर जोर दिया ताकि स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिले। दुग्ध उत्पादन बढ़ाने पर विशेष बल देते हुए उपायुक्त डॉ ताराचंद ने कहा, जिले में डेयरी यूनिट की स्थापना सिर्फ दूध उत्पादन तक सीमित नहीं होनी चाहिए। इसमें बटर, दही जैसे अन्य उत्पादों का निर्माण भी हो, जिससे ग्रामीणों की आय में वृद्धि हो और वे आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने गव्य विकास पदाधिकारी को निर्देशित किया कि आवश्यकतानुसार गाय उपलब्ध कराकर संचालित डेयरी इकाइयों को शुरू कराया जाये। बैठक में नाबार्ड द्वारा वितरित टिंबर और आम के पौधों के स्थान पर अब नाशपाती, ड्रैगन फ्रूट और चाय जैसे वाणिज्यिक फसलों को बढ़ावा देने की बात कही गयी। बैठक में अपर समाहर्ता जितेंद्र मुंडा, डीडीएम नाबार्ड, गव्य विकास पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी समेत कई विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

नव निर्वाचित अधिवक्ता संघ अध्यक्ष और सचिव ने एसपी से की मुलाकात

लातेहार (आजाद सिपाही)। लातेहार अधिवक्ता संघ, लातेहार के नव निर्वाचित अध्यक्ष लाल अरविंद नाथ शाहदेव एवं सचिव संजय कुमार ने बुधवार को जिले के पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव से उनके आवासीय कार्यालय में शिष्टाचार भेंट की और संघ की विभिन्न गतिविधियों से उन्हें अवगत कराया। इस मुलाकात के दौरान अधिवक्ता संघ ने कचहरी परिसर में अधिवक्ताओं की सुरक्षा और सुव्यवस्था से संबंधित समस्याएं पुलिस अधीक्षक के समक्ष रखीं। उन्होंने बताया कि कचहरी परिसर में मोटरसाइकिल और अन्य वाहनों की चोरी की घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं, जिससे अधिवक्ताओं और आम नागरिकों के बीच असुरक्षा की भावना बनी हुई है। अध्यक्ष श्री शाहदेव और सचिव कुमार ने पुलिस अधीक्षक से आग्रह किया कि कचहरी परिसर में समुचित सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने अधिवक्ताओं की बातों को गंभीरता से सुना और उन्हें आश्वस्त किया कि कचहरी परिसर की सुरक्षा और व्यवस्था के लिए आवश्यक कदम उठाए जायेंगे।

तीन फरार अभियुक्तों के घर पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार

लातेहार (आजाद सिपाही)। लातेहार थाना कांड संख्या 25/2025, 26 जनवरी 2025, के अंतर्गत धारा 126(2)/ 115(2)/ 333/ 117(2)/ 76/351/ 352/3 (5) के तहत नामजद तीन अभियुक्तों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। अभियुक्त मनोज उरांव, उमेश उरांव तथा प्रदीप उरांव,तीनों ग्राम लवागड़ा, थाना एवं जिला लातेहार के निवासी हैं।तीनों अभियुक्तों के घर पर पुलिस द्वारा विधिवत इश्तेहार (नोटिस) का तमिला कर दिया गया है।

शिविर में 62 निःसंतान दंपतियों ने लिया परामर्श

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। सनराइज हॉस्पिटल, नयी रोड एमआर मार्केट, पटेल भवन के पास (कटहल पेड़ के बगल) में बुधवार को निःशुल्क निःसंतानता परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। देश की प्रसिद्ध स्त्री एवं आईवीएफ रोग विशेषज्ञ डॉ जया भट्टाचार्य (एमबीबीएस, स्त्री रोग एवं निःसंतानता विशेषज्ञ) के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में 62 मरीजो ने आकर परामर्श ली। वही सभी मरीजो के जांच में 20 प्रतिशत का छूट हॉस्पिटल के द्वारा दिया गया। मौके पर सनराइज हॉस्पिटल के संचालक विकास अग्रवाल ने बताया कि यह एकदिवसीय शिविर काफी सफल रही। कहा कि जो महिलाएं लंबे समय से संतान सुख से वंचित थी वैसी दर्जनों महिलाएं इस शिविर में आकर विशेषज्ञ चिकित्सक से निःशुल्क परामर्श प्राप्त कर काफी खुश नजर आयी। कहा कि समय समय पर लोगों के जनकल्याण के उद्देश्य से हॉस्पिटल के द्वारा ऐसे ही शिविर आयोजित किया जायेगा। मौके पर जीएनएम खुशबू आरा, खुशबू कुजूर, अंजली लकड़ा, एएनएम रानी कुमारी, सोनी कुमारी, तनवीर अंसारी, सगुफी खान समेत अन्य मौजूद थे।

श्मशान घाट की भूमि पर कब्जा, आवेदन दिये जाने के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई

आजाद सिपाही संवाददाता

बरवाडीह। बरवाडीह धड्धड़ी नदी पुल के समीप सबसे पुराने श्मशान घाट की भूमि पर इन दिनों भू माफियाओं द्वारा किये जा रहे अतिक्रमण को लेकर एक सफ्ताह पूर्व अंचलाधिकारी व एसडीपीओ को ग्रामीणों ने लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की थी। लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नही हुई। इतना होने के बावजूद भी भू माफिया के द्वारा जमीन का भरावट और समतलीकरण किया जा रहा है। जिसे लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि अधिकारी और जनप्रतिनिधि पूरी तरह से इस मामले पर मौन दिख रहे। वही मंगलवार की शाम बरवाडीह पुरानी बस्ती में शिवनारायण की अध्यक्षता में एक बैठक की गयी। जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल हुए। बैठक में कहा गया कि एक सप्ताह पूर्व सीओ को आवेदन देकर 24 घंटे के भीतर अतिक्रमण हटाने की मांग की गयी थी। लेकिन एक सप्ताह बीत जाने के बावजूद प्रशासन की ओर से अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गयी। बैठक में फैसला लिया गया कि आपसी सहयोग से नदी की घेराबंदी की जायेगी, ताकि श्मशान भूमि और नदी दोनों सुरक्षित रह सके। मामले पर मनिका विधानसभा क्षेत्र के विधायक रामचन्द्र सिंह ने भी लिया संज्ञान। दूरभाष पर उन्होंने बताया कि अगर श्मशान घाट जैसी जगह पर इस तरह मामला है। तो शर्मसार करने वाला मामला है। विभागीय अधिकारियों के द्वारा त्वरित जांच कर अविलंब कार्रवाई की जानी चाहिए। मामले को लेकर पश्चिमी जिला परिषद सदस्य संतोषी शेखर ने विवाद की जांच और कार्रवाई की मांग के लिए उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता को पत्र लिखा।

बटकेश्वर बाबा शिव शक्ति क्लब ने रुद्राभिषेक हरिकीर्तन और भंडारे का किया आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। सावन माह के पावन अवसर पर बुधवार को बटकेश्वर बाबा शिव शक्ति क्लब की ओर से भव्य रुद्राभिषेक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पूजा-अर्चना का यह विशेष आयोजन श्रद्धा और भक्ति से परिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। रुद्राभिषेक की पूजा विधि परमानंद मिश्र के द्वारा संपन्न करायी गयी। इसके पश्चात महिलाओं द्वारा हरिकीर्तन का आयोजन किया गया, जिससे पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना रहा। कार्यक्रम के अंत में भव्य भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस पावन आयोजन में जय राम समिति के संरक्षक अजय सोनी, ओम महतो, हेमंत वर्मा, भाजपा जिला कार्यकारी अध्यक्ष रमेश राय उर्फ गुड्डू, जिला कोषाध्यक्ष विक्की कसेरा, जीवन राज मेहता, बजरंग साहू, सुमित राय, बबलू राय, हर्षित राय, सतीश वर्मा, विनोद प्रसाद, मिथिलेश वर्मा, विकास वर्मा, विक्रम साहू समेत कई प्रमुख लोग उपस्थित रहे। महिला श्रद्धालुओं में रीता देवी, सुलेखा राय, शालिनी कुमारी, नेहा राय, गुड़िया, आराध्या और नेहा वर्मा सहित बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के सफल संचालन में शिव शक्ति क्लब के सदस्यों की सराहनीय भूमिका रही।

कैरो दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष बने शैलेश कुमार

कैरो/ लोहरदगा (आजाद सिपाही)। प्रखंड कैरो जिला लोहरदगा के अंतर्गत 5 अगस्त मंगलवार की रात्रि 7:30 बजे दुर्गा बाड़ी भवन कैरो में नवरात्र एवं दुर्गा पूजा हर्षोल्लास, शांति और सौहार्द पूर्वक मनाये जाने को लेकर बैठक आहूत की गयी। बैठक मे सर्वप्रथम 2024 के अध्यक्ष शरत कुमार विद्यार्थी ने पुरानी समिति को भंग करने का प्रस्ताव लाया जिसका बैठक में उपस्थित लोगों ने सर्वसम्मति से समर्थन किया। तदोपरांत आनेवाले 22 सितंबर को नवरात्र की महालया, कलश यात्रा प्रथम शैलपुत्री की पूजा अर्चना से लेकर सिद्धिदात्री तक नवरात्र दुर्गा पूजा भव्य रावण दहन दुर्गा पूजा के विभिन्न कार्यक्रमों के निमित कार्यक्रम की संपन्नता को लेकर नये समिति गठन का प्रस्ताव लाया गया। बैठक में उपस्थित सभी लोगों ने युवाओं को भागीदारी सुनिश्चित करने दुर्गा पूजा की कमान युवा के हाथ में देने का प्रस्ताव लाया गया जिसे सभी ने स्वीकार करते हुए शैलेश कुमार को अध्यक्ष पद हेतु नाम का प्रस्ताव लाया, उपस्थित लोगो ने हाथ उठाकर शैलेश कुमार के अध्यक्ष दायित्व का समर्थन किया। उक्त बैठक में दुर्गा पूजा समिति नव निर्वाचित अध्यक्ष शैलेश कुमार, निवर्तमान अध्यक्ष शरत कुमार विद्यार्थी, रवि प्रजापति, बुधवा उरांव, शंभू सोनी, संजय महतो, विवेक प्रजापति, सुरज मोहन साहु, मनोज कुमार पांडेय, संजय साहु, रिंकू प्रसाद, बजरंग साहु, गौतम साहु समेत बैठक मे अनेकों वरिष्ठ एवं युवक उपस्थित थे।

कैरो में कांग्रेसियों ने दिशोम गुरु दी श्रद्धांजलि

कैरो (आजाद सिपाही)। कैरो प्रखंड में झारखंड आंदोलन के प्रणेता, झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर प्रखंड कांग्रेस कमिटी के कार्यकर्ताओं ने शोक सभा आयोजन कर दो मिनट का मौन रखकर एवं पुष्प अर्पित कर दिवंगत आत्मा को दी गयी भावभीनी श्रद्धांजलि। प्रखंड अध्यक्ष अनीस अहमद ने कहा कि गुरुजी केवल झारखंड राज्य निर्माण के स्तंभ ही नहीं थे बल्कि वे आदिवासी समाज की अस्मिता,अधिकारों और न्याय की बुलंद आवाज थें। उनका संपूर्ण जीवन संघर्ष,सेवा,सादगी और सिद्धांतों के प्रेरणा के प्रतीक है। वे हमेशा देश एवं झारखंड की आत्मा में जीवित रहेंगे और हमारे विचारों एवं संकल्पों को मार्गदर्शन देते रहेंगे। झारखंड ही नहीं देश ने एक महान जननायक को खो दिया है। वे हम सभी के अभिभावक स्वरूप थे। ईश्वर उनकी पुण्य आत्मा को शांति प्रदान करें और उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान दे। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष अनीस अहमद, पंचायत अध्यक्ष नारायण उरांव, परवेज अंसारी, गंदरु उरांव, किशोर उरांव, जमील अंसारी, मुस्लिम अंसारी, जीवन लकड़ा, प्रवीण पांडे, मोजाहिर अंसारी, जावेद अंसारी, शमीरुद्दीन अंसारी समेत कई लोग आदि उपस्थित थे।

सौरभ कुमार लोहानी ने जिला उद्यान अधिकारी का कार्यभार संभाला

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। जिले में उद्यान विभाग के नए जिला उद्यान पदाधिकारी के रूप में सौरभ कुमार लोहानी ने कार्यभार ग्रहण किया। निवर्तमान जिला उद्यान पदाधिकारी संतोष कुमार ने उन्हें पदभार सौंपा। संतोष कुमार वर्ष 2023 से जिले में पदस्थापित रहते हुए पारदर्शिता के साथ किसानों तक विभागीय योजनाओं का लाभ पहुंचाने का कार्य करते रहे। उनके कार्यकाल में बीज, शेड, पौधा, फूलों की खेती, स्ट्रॉबेरी व सब्जियों के बीज तथा मधुमक्खी पालन के बॉक्स का वितरण किया गया। साथ ही बागवानी की संभावनाओं पर भी विशेष कार्य हुआ। सौरभ कुमार लोहानी इससे पूर्व संयुक्त कृषि निदेशक कार्यालय में सहायक निदेशक के पद पर कार्यरत थे। वर्तमान में वह जिला कृषि कार्यालय में जिला योजना मूल्यांकन पदाधिकारी (डीपीइओ) के रूप में भी कार्यरत हैं और उन्हें उद्यान विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। पदभार ग्रहण के अवसर पर उन्होंने कहा कि कृषि एवं उद्यान विभाग के समन्वय से जिले के किसानों को योजनाओं का बेहतर लाभ दिलाया जायेगा। उन्होंने यह भी कहा कि विभागीय योजनाओं का लाभ किसानों तक समय पर पहुंचाना उनकी प्राथमिकता होगी और इसके लिए एक प्रभावी वर्क प्लान के तहत कार्य किया जायेगा। इस अवसर पर कंप्यूटर सहायक सत्य प्रकाश सिंह, प्रभारी लिपिक अजय कुमार भगत, सब्जी प्रसार कार्यकर्ता राकेश कुमार सिंह, दीपक लकड़ा, सुनील कुमार व दीपक उरांव उपस्थित रहे।

भाजपा का हर एक कार्यकर्ता देश के लिए समर्पित : सत्यम कुमार

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल के द्वारा नगर कार्यालय अटल भवन में बुधवार को नगर अध्यक्ष सचिन कुमार साहू की अध्यक्षता में हर घर तिरंगा अभियान को लेकर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मंचासीन पदाधिकारी के द्वारा महापुरुषों की पूजन एवं राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के साथ शुभारंभ की गयी। मौके पर कार्यशाला के बारे में बतलाया गया कि भारतीय जनता पार्टी के द्वारा हर घर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है। सक्रिय सदस्य विजय खत्री ने कहा कि इस अभियान में आजादी का पर्व स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त से पूर्व लोगों से तिरंगा ध्वज जो देश की आन बान शान है वह अपने-अपने घरों में लगाने के लिए प्रेरित किया जाता है। नगर उपाध्यक्ष अशोक कांस्यकार ने कहा कि तिरंगा हमारे अंदर राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा है।सभी बूथ अध्यक्ष से कहा गया की 10 से 14 अगस्त तक हर घर तिरंगा लगने की बात कही गयी। मौके पर उपस्थित, अशोक कांस्यकार,सत्यम कुमार, पवन तिग्गा, विजय खत्री, कामेश्वर सिंह, पहलवान सिंह, रामलाल उरांव, प्रदीप कसेरा, प्रद्युमन पाठक, प्रियंका कुमारी साहू, रितिका देवी, अभिषेक कुमार, चंदन गोप, महेश कुमार, आनंद साहू, मृत्युंजय वर्मा, अनूप कुमार, विकास कुमार, हरिओम प्रसाद, अभिषेक शर्मा आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

ग्रीन वैली इंटरनेशनल स्कूल पर अवैध तरीके से फीस लिये जाने का आरोप

जनता दरबार लगाकर डीसी ने सुनी लोगों की समस्याएं, कई मामलों का मौके पर ही किया गया निष्पादन

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू डीसी समीरा एस की अध्यक्षता में बुधवार को समाहरणालय सभागार में जनता दरबार आयोजित हुआ। जिसमें जिले के विभिन्न प्रखंडों से आये लोगों ने अपनी-अपनी समस्याएं डीसी के समक्ष रखी। लोगों की बातों को सुनने के बाद डीसी ने मौके पर ही संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को आवेदनों को प्रति अग्रसारित करते हुए त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई 15 दिनों के भीतर सुनिश्चित करने को कहा। जनता दरबार में पाटन से आये प्रभु नाथ मिस्त्री ने बताया कि वो राजकीय कृत उच्च विद्यालय में अनुसेवक के पद पर कार्यरत थे। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर उन्हें बर्खास्त कर दिया गया है, लेकिन जनवरी और फरवरी का वेतन भी नहीं मिला है। जबकि उनके साथ कार्य कर रहे अन्य साथियों को उक्त दोनों माह का वेतन मिल गया है। उन्होंने डीसी से दो माह का वेतन दिलाने का अनुरोध किया। वहीं, पाटन के नवाजयपुर से आये निरंजन प्रसाद ने सीओ द्वारा ऑनलाइन रसीद नहीं काटे जाने की शिकायत की। इसी तरह सतबरवा के प्रस्तावित बालिका उच्च विद्यालय के शिक्षक अमन कुमार गुप्ता ने इसी विद्यालय प्रधानाध्यापिका द्वारा अनुदान की राशि गबन करने एवं सेवानिवृत शिक्षक बिहारी प्रसाद द्वारा किये जा रहे शोषण एवं अनैतिक कार्यों के विषय पर डीसी को अवगत कराया। दूसरी ओर, जनता दरबार में शहर के बारालोटा से आये नीरज कुमार ने कहा कि उनका पुत्र ग्रीन वैली इंटरनेशनल स्कूल के कक्षा छह का छात्र है। उक्त विद्यालय द्वारा अवैध तरीके से बिजली कनेक्शन लिया गया है। बावजूद इसके बिजली बिल के नाम पर छात्रों से अवैध वसूली की जा रही है। उन्होंने बताया कि स्कूल के निदेशक खुद सरकारी स्कूल के शिक्षक है। वो ज्यादातर समय इसी स्कूल में बिताते हैं। उन्होंने डीसी से न्याय की गुहार लगायी है। सदर प्रखंड के पोखराहा से आये मदन सिंह ने डीसी से बिहार सरकार द्वारा दुखनी देवी के नाम से बंदोबस्त हुए भूमि को अवध बिहारी सिंह आदि की ओर से अवैध कब्जा किये जाने की शिकायत की। इसके अलावा जनता दरबार में भूमि विवाद, सार्वजनिक रास्ता रोकने, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन, फर्जी आंगनवाड़ी सेविका के चयन होने, अयोग्य लाभुकों को पीएम आवास दिये जाने, दाखिल खारिज, राजस्व, स्वास्थ्य विभाग, आपूर्ति, पेयजल, शिक्षा, कल्याण विभाग से संबंधित आवेदन प्राप्त हुआ, जिसके निपटारे का आश्वासन दिया गया।

गुरुजी के बताये मार्गों पर चलना ही उनके प्रति होगी सच्ची श्रद्धांजलि: सुरेश पासवान

कहा, मोहनपुर प्रखंड में जल्द स्थापित की जायेगी दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रतिमा

राजद और झामुमो जिला कमेटी ने गुरुजी को दी श्रद्धांजलि

आजाद सिपाही संवाददाता

देवघर। गुरुजी शिबू सोरेन के निधन पर महागठबंधन में शामिल घटक दलों की ओर से अलग-अलग शोकसभा आयोजित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। राजद जिला कमेटी की ओर से जहाटी स्थित विधायक सुरेश पासवान के आवास पर आयोजित शोकसभा में गुरुजी की आत्मा की शांति के लिए मौन रखा गया। इस अवसर पर देवघर विधायक सुरेश पासवान ने कहा कि बाबानगरी से गुरुजी का गहरा संबंध था। आंदोलनों के दौरान पूरा संताल परगना उनकी कर्मभूमि रही है। 2024 में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में जीत के बाद गुरुजी से रांची जाकर आशीर्वाद लिया था। देवघर और यहां के लोगों से गुरुजी का आत्मीय संबंध था। विधायक ने कहा कि गुरुजी के बताए मार्गों पर चलना ही उनके प्रति श्रद्धांजलि होगी। कहा कि जल्द ही मोहनपुर प्रखंड में दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रतिमा की स्थापना की जाएगी। इस मौके पर जिलाध्यक्ष प्रो फणिभूषण यादव, मीडिया प्रभारी प्रमोद यादव, वरिष्ठ नेता कृष्ण सिंह यादव, रामकृष्ण पासवान, देवनंदन झा नुनु, जयंत राव पटेल, बबीता राव पटेल आदि मौजूद थे। उधर, बैद्यनाथ विहार में झामुमो जिला कमेटी की ओर से आयोजित शोकसभा में जिलाध्यक्ष संजय शर्मा के नेतृत्व में गुरुजी को श्रद्धासुमन अर्पित किया गया। मौके पर वरिष्ठ नेता सुरेश साह, सूरज झा, लड्डू नरौने, मनोज दास, अजय नारायण मिश्रा, दिलावर हुसैन एवं नंदकिशोर दास मौजूद थे।

गुरुजी शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित करते देवघर विधायक एवं अन्य।

सड़क टूटने से स्कूली बच्चों की सुरक्षा खतरे में, प्रशासन लापरवाह

आजाद सिपाही संवाददाता

हरिहरगंज/पलामू। विगत दिनों हुए जोरदार बारिश ने पीपरा प्रखण्ड क्षेत्र के सरैया पंचायत अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय शोभिचक की सड़क को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया है। सड़क लगभग चार फीट गहरा हो गया है, जिससे यह रास्ता खतरनाक बन चुका है। एक ओर सड़क पर दलदल की स्थिति उत्पन्न हो गई है, तो दूसरी ओर आहर में 10 फीट गहरा पानी जमा हो गया है। ऐसे में स्कूल जाने वाले बच्चे इस जोखिम भरे रास्ते को पार करने पर मजबूर हैं। सड़क की वर्तमान स्थिति बच्चों के लिए अत्यधिक खतरनाक हो चुकी है। बारिश के बाद जलभराव और दलदल की स्थिति ने इसे और भी जोखिमभरा बना दिया है। बच्चों को इस खतरनाक सड़क को पार करने के लिए मजबूर होना पड़ता है, जो कि उनकी सुरक्षा के लिए एक बड़ा सवाल है। प्रधानाध्यापक उदय राम ने बताया कि इस समस्या की जानकारी प्रशासन को दी गई थी, लेकिन अब तक सड़क की मरम्मत का कोई काम शुरू नहीं हुआ है। प्रशासन की निष्क्रियता और अनदेखी के कारण बच्चों की सुरक्षा लगातार खतरे में बनी हुई है। यह स्थिति न केवल बच्चों के लिए, बल्कि उनके अभिभावकों के लिए भी चिंता का कारण बनी हुई है। यदि समय रहते सड़क की मरम्मत नहीं की जाती है, तो यह घटना किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है।

देवघर महाविद्यालय ने गुरुजी को दी श्रद्धांजलि

देवघर (आजाद सिपाही)। गुरुजी के निधन पर देवघर महाविद्यालय के भौतिकी विभाग के प्रशाल में शोकसभा का आयोजन किया गया। महाविद्यालय परिवार की ओर से दिशोम गुरु शिबू सोरेन के श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। प्राचार्य डॉ अखिलेश कुमार ने कहा कि दिशोम गुरु का निधन अपूरणीय क्षति है। गणित विभाग के अध्यक्ष डॉ एसएन सिंह ने कहा कि भारखण्ड ने एक संघर्षशील महानायक को खो दिया है, जिनके कारण झारखण्ड प्रांत अस्तित्व में आया। दर्शनशास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ महेश कुमार सिंह ने कहा कि गुरुजी पीड़ित और शोषितों की आवाज थे। इस मौके पर प्राध्यापक, शिक्षकेतर कर्मचारी और छात्र-छात्राएं मौजूद थीं। यह जानकारी देवघर महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी सह सहायक प्राध्यापक हिन्दी विभाग डॉ संजय कुमार ने दी।

झूलनोत्सव को लेकर अनोखा समाज का दो दिवसीय आयोजन 9 अगस्त से

देवघर (आजाद सिपाही)। परंपराओं और धार्मिक आस्था का शहर देवघर न केवल श्रावणी मेले और बाबा बैद्यनाथ मंदिर के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि यहां की लोक परंपराए भी उतनी ही जीवंत और समृद्ध हैं। इन्हीं में से एक है झूलनोत्सव, जो श्रावण मास के अंतिम चरण में बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। बाबा बैद्यनाथ मंदिर परिसर के अलावा शहर के विभिन्न मोहल्लों और टोलों में झूलनोत्सव की धूम रहती है। इस परंपरा का निर्वहन करते हुए राम मंदिर रोड झौसागाड़ी स्थित अनोखा समाज की ओर से इस वर्ष भी दो दिवसीय झूलनोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जो नौ अगस्त से शुरू होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रकाश चारण मिश्रा करेंगें। इस आयोजन की खास बात यह होगी कि अनोखा समाज के विशेष रंगमंच पर भगवान श्रीकृष्ण की रासलीला की मनमोहक झांकी प्रस्तुत की जाएगी, जो दर्शकों को श्रीकृष्ण की अद्भुत लीलाओं का जीवंत अनुभव कराएगी। इसके अतिरिक्त दैत्य रूपों की कलाकारी, चलंत झांकियां, और आधुनिक विद्युत सज्जा पूरे क्षेत्र को एक धार्मिक मेले का रूप देंगी। झांकी मार्ग पर मोहल्ले को रंग-बिरंगी लाइटिंग और सांस्कृतिक झरोखों से सजाया जा रहा है। इस आयोजन को सफल बनाने में स्थानीय लोगों, नगर प्रशासन और जिला प्रशासन का भी भरपूर सहयोग मिल रहा है। अनोखा समाज के कार्यकर्ता इन दिनों तैयारियों में दिन-रात जुटे हुए हैं।

कांग्रेसीयों ने दिशोम गुरु के निधन पर जताया शोक

पांकी/पलामू (आजाद सिपाही)। पांकी कांग्रेस ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर शोक व्यक्त किया गया। दिशोम गुरु की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उनके संघर्ष पूर्ण जीवन, आदिवासी समाज के प्रति उनके योगदान और सामाजिक न्याय की लड़ाई को याद किया। प्रखंड अध्यक्ष अमिताभ शर्मा ने कहा कि दिशोम गुरु न केवल झारखंड आंदोलन के प्रणेत थे, बल्कि उन्होंने आदिवासी, दलित पिछड़े वर्गो के हक और अधिकार के लिए आजीवन संघर्ष किया। राजीव गांधी पंचायती राज्य के जिला अध्यक्ष मुकेश सिंह चंदेल ने कहा कि दिशोम गुरु एक महान राजनीतज्ञ और एक क्रन्तिकारी नेता थे जिन्होंने झारखंड राज्य अलग करने मे महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका जाना हमारे देश और राज्य के लिए एक बहुत बड़ी क्षति है। वे एक युग पुरुष थे जिन्होंने झारखंड की दशा-दिशा को अपने मार्गदर्शन में चमकाया।

प्रशिक्षु डीएसपी ने विद्यार्थियों से साझा किये सफलता के टिप्स

देवघर (आजाद सिपाही)। श्रावणी मेले की ड्यूटी में देवघर आए डाल्टनगंज के प्रशिक्षु डीएसपी चिरंजीव कुमार मंडल बुधवार को शहर के पुरनदाहा रोड स्थित एक कोचिंग सेंटर पहुंचे और वहां के विद्यार्थियों से सफलता के टिप्स साझा किये। प्रशिक्षु डीएसपी उक्त कोचिंग के छात्र रहे हैं। उन्होंने अपनी कोचिंग पहुंच याद ताजा की और विद्यार्थियों को प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कैसे करनी है, इसके बारे में बताया। डीएसपी ने बताया कि इसी कोचिंग से पढ़कर 2014 में झारखंड बोर्ड में 12वीं में देवघर टॉपर थे और उसी साल एनआईटी जमशेदपुर में इंजीनियरिंग में एडमिशन हो गया था। बाद में साल 2021-2022 में जेपीएससी में प्रथम प्रयास में ही 30वां रैंक आया था। बताया कि हर दिन कम से कम छह घंटे खुद से पढ़ाई करनी जरूरी है। ऑफ लाइन क्लास में जितना अच्छे से छात्र शिक्षक से जुड़ पाते है उतना ऑनलाइन में संभव ही नहीं है। इसीलिए छात्रों को ऑफ लाइन क्लास पर अधिक ध्यान देना चाहिए। प्रशिक्षु डीएसपी ने कहा कि 11 वीं और 12 वीं संक्रमण काल है। इस समय छात्रों को मोबाइल पर अपना समय कम से कम बिताना चाहिए। जितना हो सके अच्छे तरीके से हर विषय का नोट्स बनाना चाहिए और उसे कई बार रिवीजन करना चाहिए।

फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट में शैक्षणिक सत्र 2025-26 का शुभारंभ, दी गयी विस्तृत जानकारियां

देवघर (आजाद सिपाही)। फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट में शैक्षणिक सत्र 2025-26 की शुरूआत भव्य दो दिवसीय ओरियंटेशन प्रोग्राम के साथ हुई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नवागंतुक विद्यार्थियों को संस्थान की शैक्षणिक संरचना, उपलब्धियों और आतिथ्य उद्योग में उनके भविष्य की संभावनाओं से अवगत कराना था। पहले दिन नवागंतुक विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को संस्थान की ओर से संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों, जैसे फूड प्रोडक्शन, बेकरी और कन्फेक्शनरी, फूड एंड बेवरेज सर्विस और हाउसकीपिंग के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। संस्थान की शैक्षणिक और प्रशिक्षण उपलब्धियों को प्रदर्शित करते हुए विद्यार्थियों को आतिथ्य उद्योग में रोजगार की संभावनाओं के बारे में बताया गया। जबकि दूसरे दिन का आयोजन विशेष रूप से प्रेरणादायक रहा। संस्थान के प्राचार्य डॉ नृपेंद्र सिंह लिंगवाल ने सभी मुख्य वक्ताओं का अभिनंदन करते हुए उनके योगदान की सराहना की। कहा कि आपके अनुभव विद्यार्थियों के लिए मील का पत्थर साबित होंगे। उन्होंने विद्यार्थियों को आत्मविश्वास और अनुशासन बनाए रखने की सलाह दी, जो उनके कॅरियर के लिए आधारभूत होंगे। इस अवसर पर देवघर के प्रतिष्ठित होटलों–ईशान सरोवर पोर्टिको, इंपीरियल हाइट्स और एकता इंटरनेशनल के एग्जीक्यूटिव शेफ और मुख्य प्रबंधक उपस्थित रहे। इनमें शेफ मुकेश सिंह पुंडीर, राजू चौधरी, और कंचन कुमार शामिल थे। इन विशेषज्ञों ने अपने निजी अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों को आतिथ्य उद्योग में कॅरियर निर्माण की बारीकियों से अवगत कराया। उन्होंने विद्यार्थियों को इस कोर्स के माध्यम से अपनी आजीविका सुनिश्चित करने के लिए बधाई दी और जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। इस मौके पर संस्थान के प्रशासनिक सह लेखा अधिकारी सुरोजीत नामाता, व्याख्याता डॉ श्वेता नृपेन्द्र लिंगवाल एवं अन्य गैर-शैक्षणिक संकाय सदस्य मौजूद रहे, जिन्होंने विद्यार्थियों के उत्साह को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह प्रोग्राम विद्यार्थियों में नया जोश और उमंग जगाने के लिए आयोजित किया गया था, जो उनके शैक्षणिक और व्यावसायिक जीवन की शुरूआत का प्रतीक बना। फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट, देवघर का यह प्रयास न केवल विद्यार्थियों को तकनीकी कौशल प्रदान करने की दिशा में एक कदम है, बल्कि उन्हें आतिथ्य उद्योग में एक उज्ज्वल भविष्य के लिए तैयार करने का भी संकल्प दर्शाता है।

ब्रह्मा कुमारीज ने मनाया रक्षाबंधन त्योहार

देवघर (आजाद सिपाही)। ब्रह्म कुमारीज देवघर शाखा की ओर से स्थानीय सेवा केंद्र आनंद भवन में रक्षाबंधन का त्योहार मनाया गया। केंद्र संचालिका रीता दीदी ने कहा कि पहले ब्राह्मण लोग जाकर राखी बांधते थे। वास्तव में यह अभी की बात है, हम परम पिता परमात्मा से प्रतिज्ञा करते हैं कि हम कभी विकार में नहीं जाएंगे और पवित्र बन कर आने वाले सतयुगी विश्व का मालिक बनेंगे। मौके पर सत्नारायण, सुनील, श्रवण, बिरजू, मनीष, मेघा, भानू, पूनम, सीमा मौजूद थे।

कांग्रेस कार्यालय में दिशोम गुरु को दी गयी श्रद्धांजलि

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। पलामू जिला कांग्रेस कार्यालय में झारखंड अलग राज्य आंदोलन के महान क्रांतिकारी, प्रणेता दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर प्रार्थना सभा आयोजित की गयी। जिसकी अध्यक्षता पलामू जिला कांग्रेस के अध्यक्ष जैश रंजन उर्फ बिट्टू पाठक ने की। कांग्रेसियों ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। साथ ही उनके योगदान और संघर्ष को याद किया। बिटटू पाठक ने कहा कि झारखंड अलग राज्य के आंदोलन के महान क्रांतिकारी दिशोम गुरु एक विचारधारा थे। शिबू सोरेन जी के निधन से झारखंड और देश की राजनीति में एक महत्वपूर्ण युग का समापन हो गया है। शिबू सोरेन जी के योगदान को कभी भूलाया नहीं जा सकता है। वे गरीब, वंचित और मेहनतकश वर्गों के स्वर थे और आदिवासी अधिकारों के प्रबल पैरोकार थे। उनके निधन से सामाजिक न्याय और आदिवासी कल्याण के क्षेत्र में एक अपूरणीय क्षति हुई है। इस मौके पर 20 सूत्री उपाध्यक्ष विमला कुमारी, शमीम अहमद राईन, ईश्वरी सिंह, विश्राम दुबे, नाफिज खान, जितेंद्र कमलापुरी, सत्येंद्र सिंह, तारकेश्वर पासवान, नसीम खान, सत्यानंद मिश्रा, तुलसी पासवान, रिजवान खान, अजय साहू, देवांग, गोपाल सिंह, रामानंद पांडे, हैदर खान, मिट्ठू खान, अनिल सिंह, रवींद्र कुमार, सौरभ पांडे, उमेश यादव, छोटू चंद्रवंशी आदि मौजूद थे।

हुसैनाबाद आइटीआई में दूसरे राउंड का नामांकन 13 से

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान झारखण्ड के निर्देशानुसार हुसैनाबाद औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान ने शैक्षणिक सत्र 2025-26-27 में दूसरे राउंड के काउंसिलिंग एवं नामांकन की तिथि 13 से 23 अगस्त निर्धारित की है। इसकी जानकारी देते हुए औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्राचार्य दीन मोहम्मद अंसारी ने बताया कि जो छात्र पूर्व से आईटीआई संस्थान में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन कर चुके है। उनके लिए दूसरे राउंड के काउंसिलिंग और नामांकन 13 से 23 अगस्त तक निर्धारित की गई है। बताया कि इससे पहले दो से 8 अगस्त तक दूसरे राउंड की ऑनलाइन चॉइस फिलिंग होगी। अभ्यर्थी ट्रेडवार रिक्त सीटों के उपलब्धता के आधार पर दूसरे राउंड की ऑनलाइन च्वाइस फिलिंग करना सुनिश्चित करेंगे।

जापान में ट्री मैन ऑफ इंडिया अवार्ड से नवाजे गये पर्यावरणविद डॉ कौशल एवं मुखिया पूनम

आने वाले समय में मील का पत्थर साबित होंगे डॉ कौशल के कार्य : डायरेक्टर

पांच दिवसीय जापान यात्रा से लौटे ट्री मैन डॉ कौशल और मुखिया पूनम जायसवाल, दिल्ली एयरपोर्ट पर हुआ भव्य स्वागत

आजाद सिपाही संवाददाता

जापान के डायरेक्टर और चेयरमैन से अवार्ड लेते ट्री मैन डॉ कौशल एवं मुखिया पूनम।

मेदिनीनगर। जापान के टोकियो ग्रैंड निको डाइवा, रिसर्च एवं डब्ल्यू ओसाका में पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन सह सम्मान समारोह का उद्घाटन जापान के डायरेक्टर किचि नाकाजीमां, टोकियो के चेयरमैन सराहा रिफंड और विश्व व्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु डॉ कौशल किशोर जायसवाल ने संयुक्त रूप से किया। अपने उद्घाटन भाषण में पर्यावरणविद ने बढ़ते प्रदूषण, भीषण गर्मी और जलवायु परिवर्तन पर चिंता जताते हुए कहा कि इसे रोकने के लिए दुनिया के सभई लोगों को पर्यावरण धर्म के आठ मूल मंत्रों को दिनचर्या में शामिल करने होंगें। इस दौरान जापान के डायरेक्टर और टोक्यो के चेयरमैन ने उन्हें 'ट्री मैन ऑफ इंडिया' अवार्ड से नवाजा। उनकी इस उपलब्धि पर देश ही नहीं, विदेशों में उनके जानने वाले एवं शुभचिंतकों ने भी शुभकामनाएं दी है। इससे पहले जापान के डायरेक्टर और टोक्यो के चेयरमैन ने उन्हें अवार्ड देने के बाद कहा कि डॉ जायसवाल द्वारा देश-विदेशों में पर्यावरण के क्षेत्र में चलाये जे रहे निःशुल्क अभियान आने वाले समय में मील का पत्थर साबित होंगें। दूसरी ओर, डॉ कौशल ने कार्यक्रम में शामिल सभी अतिथियों को पौधा दिया। उन्होंने कहा कि भारत अौ जापान की मित्रता लंबे अर्से से चलती आ रही है, जो आगे भी जारी रहेगी। बतातें चलें कि डॉ कौशल को अब तक विदेशों में नौ और जीवन का 74 वां अवार्ड मिला है। डॉ कौशल ने कार्यक्रम में शामिल सभी अतिथियों को भारत आने का आमंत्रण भी दिया। जिसपर वहां के अतिथियों ने अपनी सहमति प्रदान किया है। उधर, डॉ कौशल ने जापान में अपने संस्था का विस्तार करते हुए टोक्यो निवासी मद्रास स्पीस राणा सूरज सिंह को जापान का अध्यक्ष मनोनीत किया। निःशुल्क पौधा वितरण एवं रोपण के 58वें वर्ष और पर्यावरण धर्म और वनराखी मूवमेंट के 48वां वर्षपूरा होने पर 2025-26 का पौधा वितरण एवं वृक्षों पर रक्षाबंधन कर 2025 का वनराखी मूवमेंट का शुभारंभ किया। उधर, पांच दिवसीय जापान यात्रा से लौटने के बाद दिल्ली एयरपोर्ट एवं डेहर स्टेशन, पंचायत डाली, चेगौना धाम परिसर और शहर के बाईपास रोड स्थित उनके आवास पर्यावरण भवन परिसर में उनके लोगों ने उनकी पत्नी पूनम जायसवाल और उन्हें पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। इस मौके पर डाली बाजार पंचायत के उप मुखिया नगीना खातून, छतरपुर पूर्वी के जिला परिषद अमित कुमार जायसवाल, मोहनलाल खुर्जा पार्वती देवी पार्क के अध्यक्ष अरुण कुमार जायसवाल, पूर्व उप मुखिया अफजल अंसारी, जुबेर अंसारी, गुलाम गौस, शहरूम साईं, शाहजहां अंसारी, अरविंद यादव, उमेश यादव, सुनील यादव, समीर सिंह, सुभद्रा देवी, सुबोध कुमार, कोमल जायसवाल, शिल्पा जायसवाल, सूरज जायसवाल, सुमित कुमार, आराध्या, आशिविका, सत्या सिंह, आद्रिका, अनुषा, संतोष आदि उपस्थित रहे।

सीबीएससी नेशनल ताइक्वांडो प्रतियोगिता में भाग लेंगे गीता देवी डीएवी स्कूल के छात्र

देवघर (आझाद सिपाही)। भंडारकोला स्थित गीता देवी डीएवी पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं ने एक बार पुनः विद्यालय का नाम रोशन किया है। जौनपुर में सीबीएसई की ओर से आयोजित जोनल प्रतियोगिता के ताइक्वांडो प्रतिस्पर्धा में डीएवी के तीन विद्यार्थी सौम्य भारद्वाज, प्रिया कुमारी और आवेद्य सिन्हा विजयी होकर राष्ट्रीय स्तर पर अपना दम खम दिखाएंगे। ।यह प्रतियोगिता इटावा में आयोजित होगी। प्राचार्य बलराम कुमार झा ने बच्चों की इस जीत पर खुशी जाहिर की है। कहा कि आशा करता हूं कि ये बच्चे राष्ट्रीय स्तर पर भी पदक जीत कर आयेंगे।

पुलिस के साथ मुठभेड़ में मार्टिन ढेर

हिमांशु रंजन/ विकास वर्मा

कामडारा / बसिया। गुमला पुलिस को एक बार फिर बड़ी सफलता मिली है। इस बार पीएलएफआइ के सुप्रीमो मार्टिन केरकेटा को पुलिस ने मार गिराया है। मंगलवार की रात्रि पुलिस मुठभेड़ में यह वांछित अपराधी मारा गया। इसके नाम की दहशत इतनी थी कि उसके मारे जाने के बाद भी कोई उसके बारे में मुंह खोलने को तैयार नहीं था। पुलिस ने इस पर 15 लाख का इनाम रखा था।

मंगलवार की दोपहर पारही गांव के साप्ताहिक बाजार में दस्ते के साथ देखा गया था मार्टिन : मार्टिन अक्सर चंगाबारी विश्वाटोली में आया करता था। मंगलवार की दोपहर पारही गांव के साप्ताहिक बाजार में मार्टिन दस्ते के साथ देखा गया था। यह भी बताया जा रहा है कि बाजार से इन लोगों ने मशरूम यानी खुखरी खरीदी थी। इसके बाद मार्टिन अपने दस्ते के साथ चंगाबारी विश्वाटोली आया था। दोपहर में वह गांव में ही आकर रुका था और दोपहर को ही मशरूम यानी खुखड़ी की सब्जी और भात खाया। अपुष्ट सूत्र बताते हैं कि पुलिस को पारही बाजार से ही ये सूचना मिल गयी थी कि मार्टिन दस्ते के साथ क्षेत्र में मौजूद है। इसके बाद पुलिस ने मार्टिन की पूरी सूचना देने के लिए अपने आदमी लगा दिये। पुलिस को सूचना मिल रही थी कि मार्टिन अपने कुछ साथियों के साथ चंगाबारी विश्वाटोली गांव में रुका हुआ है। वहीं उनके खाने की व्यवस्था हो रही है। इसी सूचना के बाद शाम ढलते ही कामडारा बसिया ओर पालकोट थाना के टीम उस गांव को घेरने लगी। जैसे ही पुलिस गांव के समीप पंहुची गांव के कुत्ते भोंकने लगे। इस पर दस्ता के लोगों को शक हुआ तो मार्टिन केरकेट्टा के दस्ता के लोग ट्रॉच लेकर मुआयना करने लगे। टार्च की रौशनी से बचने के लिए पुलिस के जवान जमीन पर लेट गये। जब कोई नहीं दिखा तो मुआयना करने वाले ने सोचा कि किसी जंगली जानवर के कारण कुत्ते भौंक रहे होंगे। ये सोच कर मुआयना करने वाले वापस लौट गये। अब पुलिस और कन्फर्म हो चुकी थी कि उनका टारगेट किधर है। नक्सालियों को पकड़ने की रणनीति बनाते हुए पुलिस दो टुकड़ी में बंट गयी। एक दुकड़ी ने उत्तर दिशा से जबकि दूसरा पूर्व दिशा से घेराबंदी शुरू की। वही एसडीपीओ नाजिर अख्तर एक ओर से दबिश बनाने के लिए आगे बढ़ रहे थे। जब वे लोग लक्ष्य के काफी करीब आ गये तो दूसरी बार कुत्ते भोंकने लगे। इस बार फिर पीएलएफआइ के उग्रवादी गांव से निकल कर ट्रॉच जलाने लगे। तभी कामडारा थाना प्रभारी के टीम को पर उग्रवादियों के टार्च की लाईट पड़ी। पुलिस को देखते ही उग्रवादी फायरिंग करने लगे तब पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। थोड़ी देर में एक व्यक्ति चिल्लाता हुआ गांव की तरफ भागने का प्रयास किया, मगर वह वहीं गिर गया।

पुलिस को पता नही था कि मार्टिन मारा गया : फायरिंग के उपरांत हल्ला सुनकर पुलिस ने अंदाजा लगाया कि कोई व्यक्ति गोली का शिकार हुआ है' लेकिन पुलिस के लोग कन्फर्म नही थे कि कौन मारा गया था। पुलिस आशंकित थी कि इस गोलीबारी में कही कोई निर्दोष ग्रामीण न मारा गया हो। गोली लगने के थोड़ी देर बाद जैसे सब शांत हो गया। करीब आधा घंटे के बाद अंधेरे का फायदा उठाकर मार्टिन के साथी वहां से निकलने में कामयाब रहे। गोलीबारी के लगभग आधा घंटा बाद पुलिस ने गोली लगे मृत व्यक्ति का फोटो लेकर पता कराया गया तब पुलिस को पता चला कि इस पुलिस मुड़भेड़ में पीएलएफआइ सुप्रीमो का मार्टिन केरकेट्टा मारा गया है।

मार्टिन के गांव के अधिकतर युवा पुरुष का दूसरे शहरों में करते हैं काम

मार्टिन केरकेट्टा के मारे जाने के बाद घटनास्थल चंगाबारी विश्वाटोली और उसके गांव रेडवा चुवाटोली के ग्रामीणों में एक अजीब खामोशी छाई हुई है। यहां के लोग कुछ भी बोलने से कतरा रहे थे।मार्टिन या उसके परिवार के बारे कुछ भी जानकारी देने से बचना चाहते थे। अधिकतर पुरुषों और युवाओं ने कहा कि वे दिल्ली मुंबई गोवा जैसे शहरों में रोजगार के लिए जाते है और अभी कृषि कार्य के लिए लौटे है। घटना के संबंध में उन्हे कोई जानकारी नहीं है।

ओझा पाहन ओर अमृत होरो उर्फ मैचो के पास था आधुनिक बड़ा हथियार

फायरिंग के दौरान पीएलएफआई सुप्रीमो मार्टिन के शव के साथ हथियार में पिस्टल बरामद हुआ है। पुलिस की माने तो अमृत होरो उर्फ मैचो के पास एके 47 हथियार था। जो अंधेरे का फायदा उठा कर भाग निकला। जानकार बताते हैं कि पीएलएफआइ सुप्रीमो तीन लेयर की सुरक्षा दस्ते के साथ रहता था। लेकिन घटना वाले दिन उसका दुर्भाग्य था कि वह अपने चंद साथियों के साथ गांव में था। यह सूचना पुलिस के लिए बहुत उपयुक्त निकली।

बारिश से मेराल के पास सड़क क्षतिग्रस्त

आजाद सिपाही संवाददाता

जारी। भीखमपुर से मेराल तक बने 25 किलोमीटर और लगभग 2.045 करोड़ रुपये की लागत से बने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बन रहे मेराल गांव स्थित बारिस का ढंस नही झेल पाया और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। जानकारी के अनुसार मेराल से भीखमपुर तक बने सड़क कई जगह पर क्षतिग्रस्त हो गया है। कई ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि संवेदक के द्वारा किसी तरह की कोई अभी तक टूटे हुए सड़कों की मरम्मत नहीं की जा रही है। साथ ही ग्रामीणों का यह भी कहना है कि संवेदक शुरू से ही सड़क निर्माण में घटिया किस्म का कार्य करते आ रहे थे। सड़क निर्माण के समय भी ठेकेदार के कर्मचारी के साथ किताम गांव के ग्रामीणों के साथ तू तू मैं मैं हुआ था। यहां तक कि कई दिनों तक कार्य को भी बंद करा दिया गया था। वही मेराल के समीप सड़क तो टूट गयी है। लेकिन कलभट्ट भी क्षतिग्रस्त हो गयी है। जिसे अभी तक बनाया नही गया है। यदि टूटी हुई जगह को जल्द से जल्द नहीं बनाया गया तो। सड़क का और भी भाग पानी के कारण टूट जाएगा। जिससे राहगीरों को सड़क में आने जाने के लिए काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। ज्ञात होगी भीखमपुर से मेराल तक सड़क निर्माण स्वर्णिम कंस्ट्रक्सन के द्वारा कराया गया था।

फुटबॉल टूर्नामेंट में गांधी ग्रुप ने पटेल ग्रुप को 1 गोल से हराया

घाघरा (आजाद सिपाही)। चिल्ड्रन एकेडमी +2 स्कूल रन्हें घाघरा में हाउस फुटबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ किया गया। टूर्नामेंट का पहला मैच जूनियर ग्रुप के बच्चों के बीच खेला गया, जिसमें सुभाष ग्रुप, गांधी ग्रुप, पटेल ग्रुप तथा नेहरू ग्रुप शामिल रहे। उद्घाटन मैच गांधी ग्रुप और पटेल ग्रुप के बीच हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के डायरेक्टर विजय कुमार साहू एवं विद्यालय प्रबंधन समिति की सदस्य सिमलटोपे तथा विद्यालय की प्राचार्या मीना देवी ने संयुक्त रूप से फुटबॉल किक मारकर किया। इस अवसर पर सभी खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने के लिए विद्यालय के सभी शिक्षकों द्वारा बच्चों को प्रोत्साहित किया गया। बच्चों ने खेल के प्रति अनुशासन एवं अपनी टीम भावना से रूचिपूर्वक खेल का प्रदर्शन किया। पहले मैच में गांधी ग्रुप ने पटेल ग्रुप को 1–0 से हराकर जीत हासिल की। इस मैच में विद्यालय के शिक्षकों प्रेम कुमार एवं अमित सूर ने निर्णायक की भूमिका निभायी। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षकों अरुणी तिर्की, अविका उरांव, रिहानी सिंह, रीना, मिज, अंजू कुजूर, रेशमा कुजूर, तरामणि देवी, सुसन मुरमु, माइकल उरांव, वीमा लकड़ा, निधि लकड़ा, निबा तिग्गा का विशेष सहयोग रहा।

टेंडर होने के बाद भी पुल निर्माण में धीमी गति

जारी (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय से लगभग 10 किलोमीटर की दूरी स्थित सीकरी पंचायत के पाकरटोली गांव व लाहटोली गांव है इन दोनों गांव में लगभग 100 परिवार निवास करते हैं। इस गांव में पहुंचने से पहले एक छोटी नदी को पार कर गांव पहुंचना पड़ता है। कुछ सालों पहले इस छोटी नदी में एक पुल हुआ करती थी। जो कुछ दिन के बाद ही ध्वस्त हो गयी। इसके बाद ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। ग्रामीणों की समस्या को देखते हुए सरकार के द्वारा इस छोटी नदी में एक पुल के निर्माण के लिए टेंडर निकाला गया और टेंडर हो भी गया। लेकिन काम कछुए की गति के साथ चल रही थी। ज्यादा बारिश होने के कारण संवेदक के द्वारा कार्य को फिलहाल के लिए रोक दिया गया है। यदि ज्यादा बारिश होने पर छोटी नदी भर जाती है। तो ग्रामीणों को पानी कम होने का इंतजार घंटो भर करना पड़ता है। हाई स्कूल जाने वाले छात्र-छात्राएं के साथ कई बार ऐसा होता है कि पानी भर जाने के कारण स्कूल तक नहीं जा पाते हैं। अगर कोई व्यक्ति गंभीर रूप से बीमार हो जाये तो उसे भी पानी कम होने का इंतजार करना पड़ता है। पाकर टोली व लाहटौली गांव के सैकड़ो ग्रामीणों का दर्द को समझ नही पा रहा है। राम प्रसाद गोप,अजय तिर्की,शुशील लकड़ा,भदरू दास, दसरथ खेरवार,राजू दास,कैलास खेरवार,मारियानुस खलखो,संजय एक्का ने कहा कि यदि जल्द से जल्द इस नदी में पुल का निर्माण हो जाता। तो हमारे गांव वासियों को भारी सुविधा होती। वैसे भी हम लोग कई सालों से बिना पुल के कारण भारी परेशानियों का सामना किये है। खासकर बरसात के दिनों में भारी समस्या होती है।

शिबू सोरेन के निधन पर डीएवी में शोकसभा

गुमला (आजाद सिपाही)। डीएवी पब्लिक स्कूल गुमला में बुधवार को झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर शोक सभा का आयोजन किया गया। विद्यालय प्रधानाचार्य, शिक्षकों तथा सभी विद्यार्थियों ने गुरुजी के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा। प्रधानाचार्य डॉ रमाकांत साहु ने कहा कि गुरुजी शिबू सोरेन झारखंड आंदोलन के प्रमुख नेताओं में से एक थे और उन्हें राज्य के गरीबों, आदिवासियों और वंचितों का मसीहा माना जाता था। शिबू सोरेन का निधन केवल झारखंड ही नहीं बल्कि पूरे देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उनके निधन से राज्य ने एक ऐसे नेता को खो दिया, जो हमेशा जनता के बीच रहे और उनकी आवाज बने। उनके संघर्ष और सादगी भरे जीवन ने लाखों लोगों को प्रेरित किया। आज उनकी विरासत को संजोए रखने का संकल्प लेते हुए पूरा झारखंड उन्हें नमन कर रहा है।

चैनपुर मनोरमा सरस्वती शिशु मंदिर के पास बारिश से सड़क कीचड़ में तब्दील

आजाद सिपाही संवाददाता

चैनपुर। चैनपुर मुख्यालय के मनोरमा सरस्वती शिशु मंदिर जाने वाली पीसीसी सड़क की जर्जर स्थिति ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। बरसात के कारण सड़क कीचड़ में तब्दील हो गयी है जिससे आवागमन में भारी परेशानी हो रही है। थाना रोड से लेकर एमएलए रोड तक सड़क जर्जर हो चुका है। इस सड़क से होकर प्रत्येक दिन 500 से अधिक संख्या में स्कूली बच्चे सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल आना-जाना करते हैं। कीचड़ भरे रास्तों से पैदल जाने वाले बच्चों को भारी परेशानी झेलनी पड़ती है। ज्यादा बारिश होने पर सड़क में जलजमाव के कारण अभिभावक अपने बच्चों को स्कूल भेजने से भी कतराते हैं। सड़क में भरे पानी में घुसकर बच्चे प्रत्येक दिन स्कूल जाते हैं। ग्रामीण श्याम साहू और पोखन साहू ने बताया कि बरसों पहले पीसीसी सड़क का निर्माण हुआ था जो अब टूट कर जर्जर हो चुका है। सड़क की जर्जर स्थिति के कारण बच्चों को स्कूल जाने में परेशानी हो रही है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि सड़क का निर्माण कराया जाए ताकि लोगों को आवागमन में सुविधा मिल सके। इस संबंध में जीप सदस्य मेरी लकड़ा ने कहा कि सड़क काफी जर्जर हो चुका है और छोटे-छोटे बच्चे पैदल इसी रास्ते से स्कूल आना-जाना करते हैं। कहा कि सड़क निर्माण को लेकर वह विभाग से बात करेंगी और प्रशासन को अवगत करायेंगी। उन्होंने कहा कि सड़क की जर्जर स्थिति को देखते हुए निर्माण की आवश्यकता है। इससे न केवल स्कूली बच्चों को बल्कि स्थानीय लोगों को भी राहत मिलेगी। सड़क निर्माण से आवागमन में सुविधा होगी और लोगों को परेशानी से निजात मिलेगा। जिला प्रशासन से मांग की जा रही है कि जल्द से जल्द सड़क का निर्माण कराया जाये ताकि लोगों को राहत मिल सके।

प्रधान डाकघर में लिंक फेल होने से कार्य बाधित, लोग परेशान

गुमला (आजाद सिपाही)। प्रधान डाकघर गुमला का लिंक फेल होने के कारण सभी प्रकार के कार्य बाधित है। विशेष कर जरूरी जो रजिस्ट्री डाकघर के माध्यम से भेजा जा रहा था वह फिलहाल बंद पड़ गया है। लगभग 7 दिनों से लिंक फेल की समस्या से डाकघर के उपभोक्ता परेशान है। फेडरेशन झारखंड ऑफ चेंबर के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सह प्रदेश कांग्रेस के सचिव रमेश कुमार चीनी ने कहा कि डाकघर की व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गयी है। एक सप्ताह से उपभोक्ताओं का कार्य घर में नहीं हो रहा है। लिंक फेल की समस्या से डाकघर का सारा कार्य बाधित है। विशेष कर जरूरी रजिस्ट्री का कार्य प्रभावित होने से कई आवश्यक दस्तावेज भेजने में लोगों को परेशानी हो रही है। श्री कुमार ने कहा की डाकघर प्रबंधन जल्द व्यवस्था में सुधार करें और जनता को सहूलियत प्रदान करें। ऐसी व्यवस्था में दुरदराज से आने वाले लोगों को भारी परेशानी झेलना पड़ रहा है।

सड़क चौड़ीकरण में लोगों ने घटिया सामग्री के इस्तेमाल का लगाया आरोप

आजाद सिपाही संवाददाता

घाघरा। घाघरा प्रखंड के मुख्यालय स्थित चांदनी चौक क्षेत्र में बीकेएस कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा किए जा रहे सड़क चौड़ीकरण कार्य को लेकर लोगों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि निर्माण कार्य में घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया जा रहा है। मिट्टी युक्त गिट्टी बिना डस्ट मिलाये डाली जा रही है, साथ ही रोलिंग कंपैक्ट के दौरान पानी के भी छिड़काव नहीं की जा रही है। जिससे निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। जबकि मानक के अनुसार गिट्टी में पत्थर का डस्ट मिलाना आवश्यक होता है, जिससे सड़क मजबूत और टिकाऊ बन सके। इतना ही नहीं, यह कार्य सुरक्षा मानकों की भी खुलेआम धज्जियां उड़ाते हुए किया जा रहा है। भीड़भाड़ वाले बाजार क्षेत्र में बिना किसी बैरिकेडिंग या सावधानी के काम चालू है, जिससे कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। स्थानीय लोगों ने निर्माण एजेंसी और प्रशासन से मांग की है कि इस कार्य की गुणवत्ता की जांच करायी जाये और कार्यस्थल पर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाये, ताकि आमजन को किसी प्रकार की परेशानी न हो। इस पूरे मामले में कंपनी के कनिय अभियंता दीपंकर दास से जब पूछा गया तो उन्होंने बताया कि गिट्टी में पत्थर का डस्ट डाला गया है, बारिश के कारण गंदा हो गया जिसके कारण मिट्टी जैसा दिख रहा है निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की धांधली नहीं की जा रहीहै। सुरक्षा मानको पर उन्होंने कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया।

डूमरडीह से भटकी महिला कामडारा के रामतोल्या पहुंची

कामडारा (आजाद सिपाही)। गुमला के डूमरडीह गांव से भटककर एक विक्षिप्त वृद्ध महिला कामडारा के रामतोल्या गांव पहुंची। इस मामले में रामतोल्या, पोकला तथा बाम्हनी गांव की आंगनवाड़ी सेविकाओं ने विक्षिप्त महिला को कामडारा थाना लेकर आई। इन्होंने बताया कि बीते रविवार से ही विक्षिप्त महिला रामतोल्या गांव में भटक रही है पता पूछने पर गुमला के डूमरडीह बताती है साथ अपने बेटे का नाम सुदामा सिंह तथा प्रदीप कुंवर बता रही है। इधर कामडारा पुलिस ने इस महिला की पहचान और पता ढूंढने में लगी हुई है ।

गुमला चैंबर ने दिशोम गुरु को दी श्रद्धांजलि

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। 06 अगस्त दिन बुधवार को गुमला चैंबर ऑफ कॉमर्स ने एक शोक सभा आयोजित कर झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सह राज्य सभा सांसद झारखंड के जन नेता दिशोम गुरु स्वर्गीय शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित किया। दिवंगत श्री सोरेन की चित्र पर माल्यार्पण किया गया और उनको श्रद्धांजलि देते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गयी। मौके पर अध्यक्ष राजेश ने कहा के दिशोम गुरु शिबू सोरेन झारखंड के एक जन नायक थे और वह हम सबके प्रेरणा स्त्रोत भी हैं उनका निधन झारखंड के लिए अपूर्व क्षति है। क्षेत्रीय उपाध्यक्ष रमेश कुमार चीनी ने कहा कि हमने झारखंड के एक कर्मठ आंदोलनकारी नेता को खोया है जिसकी कभी पूर्ति नहीं हो सकती है। निवर्तमान अध्यक्ष दामोदर कसेरा ने कहा के दिवंगत श्री सोरेन हम सब के अभिभावक स्वरूप पूरे झारखंड वासियों को बहुत कुछ दिया है जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता।

शोक प्रकट करने वालों में चेंबर अध्यक्ष राजेश सिंह जी के साथ क्षेत्रीय उपाध्यक्ष रमेश कुमार चीनी, चेंबर उपाध्यक्ष अभिजीत जायसवाल, राजेश लोहानी, सचिव बब्लू वर्मा, सह सचिव प्रणय साहू, कोषाध्यक्ष अमित मंत्री गोलू, पी आर ओ आदित्य गुप्ता व प्रतीक अग्रवाल, मीडिया प्रभारी इम्तेयाज मिनी, निवर्तमान अध्यक्ष दामोदर कसेरा, पूर्व अध्यक्ष अशोक जैसवाल, पवन अग्रवाल, विनोद केसरी, विजय द ग्रेट, दिलीप कुमार मंत्री, ओम प्रकाश साहू, सोहन लाल अग्रवाल, अमित पोद्दार, दीपक कुमार गुप्ता, रमेश कुमार चीनी, शशि प्रिया बंटी, पदम साहू, दामोदर कसेरा डीके आदि शामिल हैं।

सांसद सुखदेव भगत ने दी अंतिम श्रद्धांजलि, कहा

शिबू सोरेन आदिवासी अस्मिता की धरोहर थे

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। सांसद सुखदेव भगत ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) सुप्रीमो एवं पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। सांसद सुखदेव भगत मंगलवार को रामगढ़ ज़िले के नेमरा गांव पहुंचे, जहां शिबू सोरेन का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और विभिन्न दलों के वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे।

सुखदेव भगत ने पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर अंतिम जोहार किया। उन्होंने कहा कि ह्लगुरुजी ने आदिवासी समाज को नई पहचान और गरिमा दी। उनका संघर्ष हम सबको प्रेरित करता रहेगा। आज हमने केवल एक नेता को नहीं, बल्कि एक युग को विदा किया है। बतौर आदिवासी सांसद, मैं आदिवासी समाज की बेहतरी और गुरुजी की आदर्शों को आगे बढ़ाने के लिए संकल्पित हूं। मुखाग्नि उनके पुत्र हेमंत सोरेन ने दी, और पूरे गांव में गुरुजी अमर रहें के नारों के बीच हजारों लोगों ने भावभीनी विदाई दी। श्री भगत ने अंत में कहा कि गुरुजी का जीवन अन्याय और शोषण के खिलाफ संघर्ष का प्रतीक रहा है। आज इस दुखद क्षण में पूरा झारखंड सोरेन परिवार के साथ खड़ा है। आदिवासी समाज की उन्नति और उनके आदर्शों को आगे ले जाना ही मेरी ओर से उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

कार्यालय - उपायुक्त-सह-
जिला दण्डाधिकारी, लातेहार
(जिला ग्रामीण विकास शाखा)

शुद्धि पत्र

इस कार्यालय के पत्रांक–1423 दिनांक–29.07.2025 (PR358514 Rural Devlopment (25-26)_D द्वारा जिला ग्रामीण विकास शाखा, लातेहार अन्तर्गत कुल 05 छोटे वाहन का नीलामी दिनांक–07.08.2025 को अपराहन् 03:00 बजे से किया जाना था। जिसे अपरिहार्य कारणों से नीलामी की तिथि में परिवर्तन करते हुए दिनांक–13.08.2025 को 03:00 बजे अपराहन को निर्धारित किया जाता है।

उप विकास आयुक्त,
PR 358931 Rural Development(25-26)#D लातेहार

JHARKHAND URJA SANCHARAN NIGAM LIMITED
(GOVERNMENT OF JHARKHAND UNDERTAKING)
(CIN – U40108JH2013SGC001704)
OFFICE:
General Manager, Contracts & Materials, Multi-Lateral Funding Projects,
JUSNL Building, Kusai Colony, Doranda, Ranchi – 834002 (Jharkhand)
Email: piujusnl@gmail.comVisit us on: www.jharkhandtenders.gov.in

e-Tender

Jharkhand Urja Sancharan Nigam Limited invites Bids (to be submitted in the e-Procurement Portal) for the following works:-

NIT No.	Name of work (Request for Bid (RfB))	Date of publishing e-NIT	Last date of submission/ uploading bid by the bidder	Date of Opening of technical part of Bid
307/PR/ JUSNL/ 2024-25	Design, Supply, Installation, Testing & Commissioning of 132/33kV GIS Substations at Chhatarpur (Leftover Work)	04.08.2025	03.09.2025 upto 16:00 Hrs	04.09.2025 at 16:30 Hrs
308/PR/ JUSNL/ 2024-25	Design, Supply, Installation, Testing & Commissioning of 132/33kV GIS Substations at Sundarnagar (Leftover Work)	04.08.2025	03.09.2025 upto 16:00 Hrs	04.09.2025 at 16:30 Hrs

Detailed Invitation of Bids which includes instructions for submission of Bids and all other relevant information are available on http://www.jharkhandtenders.gov.in along with Bidding Documents. Any details required in this regard can also be obtained from the office of the undersigned (+91-7070348841) during office hours.

The firms that technically qualify will be informed for date of opening for financial part of Bid.

Bidders are advised to note the minimum qualification criteria specified in the bidding document. Interested bidders may participate in the bidding process as per the instructions given in the bidding document.

Sanjeev Kumar Burnwal, General Manager, Contracts & Materials, Multi-Lateral Funding Projects, JUSNL **Address** – JUSNL Building, Kusai Colony, Doranda, Ranchi – 834002, Jharkhand, India Mobile: +91-7070348841 Email: piujusnl@gmail.com

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचायें। कृपया अपनी शिकायतों को 18003456570(कॉल सेन्टर) पर दर्ज करायें।

PR.NO.358916 Jharkhand Urja Sancharan Nigam Ltd(25-26):D

Sd/-
General Manager,
C&M, MLFP, JUSNL, Ranchi

बोकारो, गिरिडीह, रांची, हजारीबाग और जमशेदपुर की टीमों का शानदार प्रदर्शन

बोकारो (आजाद सिपाही)। दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस), बोकारो की मेजबानी में चल रही सीबीएसई क्लस्टर 3 अंतर विद्यालय टेबल टेनिस प्रतियोगिता बुधवार को संपन्न हुई। प्रतियोगिता का समापन दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुआ। इसके पूर्व, आरंभ में सभी प्रतिभागी टीमों के खिलाड़ियों, उनके शिक्षकों, अभ्यागत विशिष्टजनों एवं डीपीएस बोकारो परिवार के सभी सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर नमन किया गया। प्राचार्य एवं प्रतियोगिता आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ एएस गंगवार ने शिबू सोरेन के निधन को झारखंड ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए एक अपूरणीय क्षति बताया। इसके बाद उन्होंने प्रतियोगिता की विजेता एवं उपविजेता टीमों को इसी प्रकार आगे भी खेल-भावना एवं जोशो-खरोश से खेलने की प्रेरणा दी। साथ ही, आगामी 03-08 अक्टूबर को गुजरात के सूरत में होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए अपनी शुभकामनाएं व्यक्त की। प्राचार्य के साथ ही मौजूद बोकारो जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष राजेश रंजन, सीबीएसई के प्रतिनियुक्त प्रतियोगिता-पर्यवेक्षक असीम प्रियदर्शी एवं चीफ रेफरी संदीप साहा ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को मेडल व ट्रॉफी देकर पुरस्कृत किया। प्राचार्य ने तकनीकी दल के सभी सदस्यों एवं विशिष्ट अभ्यागतों को स्मृतिचिह्न भेंट कर सम्मानित किया। प्रतियोगिता में झारखंड-बिहार के 18 विभिन्न विद्यालयों की 41 टीमों के लगभग 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया। उधर, प्रतियोगिता में विभिन्न आयुवर्गों के टीम मैचों एवं व्यक्तिगत मुकाबलों में झारखंड से बोकारो, गिरिडीह, रांची, हजारीबाग व जमशेदपुर के खिलाड़ियों ने भी अपने दमखम दिखाए। साथ ही, सर्वश्रेष्ठ तीन में अपनी जगह पक्की की। डीपीएस बोकारो का विभिन्न वर्गों में शानदार प्रदर्शन रहा। वहीं, बिहार से पटना के खिलाड़ियों का लगभग सभी मैचों में सबसे उम्दा प्रदर्शन रहा। अंडर-14 बालिकाओं के मैच में लोयोला हाई स्कूल, पटना प्रथम, संत माइकल्स हाई स्कूल, पटना द्वितीय तथा डीपीएस बोकारो एवं विवेक विद्यालय छोटा गोविंदपुर, जमशेदपुर की टीमें संयुक्त रूप से तृतीय रहीं। इसी आयुवर्ग के बालकों के मुकाबलों में लिटेरा वैली स्कूल, पटना पहले, संत माइकल्स हाई स्कूल, पटना दूसरे तथा नमन विद्या, हजारीबाग व सुरेन्द्र नाथ सेंटेनरी स्कूल, रांची की टीमें संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहीं। अंडर-17 बालिकाओं में जुस्को स्कूल, कदमा (पू.सिंहभूम) एवं डीपीएस बोकारो क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं विवेक विद्यालय, जमशेदपुर एवं गुरु नानक हायर सेकेंडरी स्कूल, रांची की टीमें संयुक्त रूप से तृतीय रहीं। बालकों में लोयोला हाई स्कूल, पटना पहले, लिटेरा वैली स्कूल, पटना दूसरे और डीपीएस बोकारो एवं गुरु नानक हायर सेकेंडरी स्कूल संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे। अंडर-19 बालिकाओं में लोयोला हाई स्कूल, पटना एवं बीएनएस डीएवी पब्लिक स्कूल, गिरिडीह क्रमशः प्रथम व द्वितीय तथा डीपीएस बोकारो एवं लिटेरा वैली स्कूल, पटना संयुक्त रूप से तृतीय, बालकों में बीएनएस डीएवी पब्लिक स्कूल, गिरिडीह पहले, लोयोला हाई स्कूल, पटना दूसरे तथा डीएवी पब्लिक स्कूल, खगौल (पटना) एवं संत माइकल्स हाई स्कूल, दीघा घाट पटना साझे तौर पर तीसरे स्थान पर रहे।

आइआइटी-आइएसएम में नये छात्रों को दिया मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम पर व्याख्यान

धनबाद (आजाद सिपाही)। नए छात्रों के लिए चल रहे ओरिएंटेशन प्रोग्राम के तहत बुधवार ेक इसरो के वरिष्ठ वैज्ञानिक और ह्यूमन स्पेस फ्लाइट सेंटर में डिप्टी डायरेक्टर (एमएसए) के पद पर कार्यरत राजेन्द्रसिंह पी बयाली ने छात्रों को भारत के मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम (ह्यूमन स्पेस प्रोग्राम) पर जानकारी दी। उन्होंने अपने व्याख्यान में गगनयान मिशन की पूरी रूपरेखा समझाई। बताया कि गगनयान भारत का पहला मानव अंतरिक्ष मिशन है, जिसमें ह्यूमन-रेटेड जीएसएलवी मार्क 3 रॉकेट, क्रू मोड्यूल, लाइफ सपोर्ट सिस्टम, और इमरजेंसी एस्केप सिस्टम जैसे आधुनिक फीचर होंगे। बयाली ने भारत के पिछले अनुभवों जैसे स्पेस कैप्सूल रिकवरी एक्सपेरिमेंट (2007), क्रू मोड्यूल री-एंट्री टेस्ट (2014) और 2018 का एबॉर्ट टेस्ट के बारे में भी बताया, जो गगनयान मिशन की तैयारी में मील के पत्थर साबित हुए हैं। उन्होंने छात्रों को यह भी बताया कि एक मानव अंतरिक्ष मिशन के लिए क्या-क्या जरूरी चीजें होती हैं–जैसे कि सुरक्षा की पूरी व्यवस्था, टेक्नोलॉजी की जांच और दोहराव की व्यवस्था और मिशन को सपोर्ट करने वाली जमीन से जुड़ी सुविधाएं। इस ओरिएंटेशन कार्यक्रम में इससे पहले भी कई जाने-माने वक्ता शामिल हो चुके हैं जिनमें केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान, आइआइटी (आइएसएम) के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के चेयरमैन प्रो प्रेम व्रत, धनबाद के डीसी आदित्य रंजन, एसएसपी प्रभात कुमार और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ डॉ सुब्रोकमल दत्ता शामिल हैं। संस्थान का उद्देश्य है कि छात्र अपनी पढ़ाई की शुरूआत से ही देश के बड़े अभियानों और प्रेरणादायक व्यक्तित्वों से रूबरू हों।

डीसी-एसपी ने सेक्टर वन स्थित दिशोम गुरु के आवास की सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

बोकारो (आजाद सिपाही)। स्टील सिटी के सेक्टर वन-सी स्थित दिशोम गुरु स्व शिबू सोरेन के आवास की सुरक्षा व्यवस्था का डीसी अजय नाथ झा एवं एसपी हरविंदर सिंह ने बुधवार की शाम संयुक्त निरीक्षण किया। इस क्रम में डीसी एवं एसपी ने आवासीय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई सहित अन्य जरूरी पहलुओं की समीक्षा की। मौके पर उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिया कि आवास परिसर एवं आसझ्रपास के क्षेत्रों में समुचित सुरक्षा सुनिश्चित करें। उन्होंने प्रतिनियुक्त पुलिस बल झ अंगरक्षक से अन्य जरूरी जानकारी प्राप्त की। मुख्य द्वार के समीप बनाएं गए पोस्ट पर बल की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करने को कहा। वहीं, आवास के आस-पास की झाड़ियों/गंदगी की साफ-सफाई को लेकर बीएसएल नगर प्रशासन एवं नगर निगम चास को जरूरी निर्देश भी दिया। इस मौके पर सीटी डीएसपी आलोक रंजन, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार और अविनाश सिंह आदि उपस्थित थे।

न्यू कॉलोनी की जल्द ही बदलेगी तस्वीर: शत्रुघ्न

विधायक ने खुद किया बदहाल कॉलोनी का निरीक्षण

न्यू कॉलोनी की बदहाली को लेकर फूटा ग्रामीणों का गुस्सा विधायक शत्रुघ्न महतो की सख्ती के बाद शुरू हुआ कार्य

आजाद सिपाही संवाददाता

महुदा। लालबंगला स्थित न्यू कॉलोनी के लोगों ने क्षेत्र में व्याप्त बिजली, पानी और सड़कों की जर्जर स्थिति को लेकर गहरी नाराजगी जताई है। बुनियादी सुविधाओं के अभाव से त्रस्त कालोनीवासियों ने अपनी शिकायत बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो से की। जनता की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए विधायक बुधवार को खुद न्यू कॉलोनी पहुंचे और स्थानीय लोगों से मुलाकात कर उनकी कठिनाइयों को प्रत्यक्ष रूप से जाना। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बिजली की अनियमित आपूर्ति, जल संकट और सड़कों की दयनीय स्थिति को क्षेत्र के लिए अत्यंत चिंताजनक बताते मौके पर मौजूद विभागीय अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। कॉलोनी की बदहाल स्थिति और विभागीय लापरवाही पर नाराजगी जताते हुए विधायक ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधार कार्य शुरू करने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान विधायक के साथ बिजली विभाग के एसडीओ, जेई सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। इससे स्पष्ट हैं कि वर्षों से उपेक्षा की मार झेल रही महुदा न्यू कॉलोनी की तस्वीर अब बदलने वाली है। इस मौके पर एसडीओ, जेई, स्थानियों में शम्भू नाथ यादव, चुनचुन सिंह, अवध यादव, पप्पू यादव, राजू कुमार यादव, प्रकाश कुमार यादव, राजेश कुमार यादव, धर्मेंद्र कुमार सिंह रामा, सूरज नोनिया, गौतम पाण्डेय, मोहन नोनिया, डीके रवानी आदि उपस्थित रहे।

न्यू कॉलोनी का निरीक्षण करते बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो।

शुरू हुआ काम, कालोनीवासियों में खुशी

विधायक के दौरे और सख्ती का असर तुरंत दिखाई दिया। अधिकारियों ने मौके पर ही नया ट्रांसफॉर्मर, बिजली पोल और तार लगाने का कार्य शुरू कर दिया। वर्षों से विकास की बाट जोह रहे महुदा वासियों के चेहरे पर राहत और संतोष की झलक साफ नजर आई। कालोनीवासियों ने विधायक के इस तत्परता भरे कदम का स्वागत किया और जल्द सुधार की उम्मीद जताई। विधायक ने जनता से एकजुटता की अपील करते हुए कहा कि 'जब तक हम संगठित नहीं होंगे, हमारी आवाज दबा दी जाएगी। अपने अधिकारों की रक्षा के लिए एक मंच पर आइए और विकास की हर योजना में सक्रिय भागीदारी निभाइए। सरकार और प्रशासन तभी जवाबदेह होंगे, जब जनता जागरूक और एकजुट होकर अपने हक के लिए आवाज बुलंद करेगी। व्यवस्था में सुधार तभी संभव है, जब जनता खुद बदलाव की पहल करे।' उन्होंने कहा कि जनता की सुविधा ही हमारी प्राथमिकता है। किसी भी हालत में आम नागरिक को मूलभूत सुविधाओं से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा।

हाइवा की चपेट में आने से अधेड़ की मौत, हंगामा

धनबाद (आजाद सिपाही)। केंदुआ बाजार के समीप बुधवार की सुबह सड़क हादसे में अधेड़ व्यक्ति की मौत हो गयी। उसकी पहचान जगदीश सिंह (55) के रूप में हुई है। हादसा उस वक्त हुआ जब केंदुआ निवासी जगदीश सिंह सड़क पार कर रहे थे तभी तेज रफ्तार हाइवा ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वे सड़क पर गिर पड़े और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग एकत्र हो गये। शव सड़क पर पड़ा देख माहौल गमगीन हो गया। उधर, घटना की सूचना मिलते ही आक्रोशित ग्रामीणों ने धनबाद-बोकारो मुख्य मार्ग को जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। ग्रामीण मृतक के परिजनों को मुआवजा देने और दोषी चालक पर सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। जाम के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और यातायात पूर्णतः बाधित हो गया। इस कारण यात्रियों और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि इस मार्ग पर रोजाना तेज रफ्तार में भारी वाहन गुजरते हैं जबकि यह इलाका घनी आबादी वाला है और बड़ी संख्या में लोग पैदल चलते हैं। बावजूद इसके प्रशासन की ओर से रफ्तार नियंत्रित करने या सुरक्षा उपाय करने को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि आज एक निर्दोष व्यक्ति की जान गई है। कल किसी और की जा सकती है। इसलिए जब तक मुआवजा और सुरक्षा का भरोसा नहीं मिलेगा तब तक सड़क जाम जारी रहेगा। उधर, घटना की सूचना मिलने पर केंदुआडीह पुलिस दल बल के साथ मौके पर पहुंची और भीड़ को शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन लोग मुआवजा और स्थायी समाधान की मांग पर अड़े रहे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हाइवा की रफ्तार अत्यधिक तेज थी जिससे वह समय रहते नियंत्रण नहीं कर सका और सीधा पैदल चल रहे व्यक्ति को कुचल दिया।

मंडल रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति की बैठक में चर्चा

धनबाद (आजाद सिपाही)। मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में मंडल रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति की बैठक हुई। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक अमित कुमार ने धनबाद मंडल द्वारा यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के क्षेत्र में किए गए कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान यात्रियों को प्रदान की जा रही सुविधाओं, संरक्षा उपायों और विभिन्न विकास योजनाओं पर गहन चर्चा की गई। समिति के सदस्यों ने भी यात्रियों की समस्याओं, सुझावों और अपेक्षाओं को बैठक में साझा किया, जिन पर सकारात्मक विचार-विमर्श किया गया। बैठक का उद्देश्य रेल उपभोक्ताओं की सुविधा को और बेहतर बनाना और रेल सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार लाना है।

डीसी ने बेलगड़िया के विकास के लिए बीसीसीएल के साथ की बैठक

बेलगड़िया टाउनशिप के निवासियों को मिलनी चाहिए सभी तरह की सुविधाएं

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। डीसी आदित्य रंजन ने झरिया मास्टर प्लान (जेएमपी) के अंतर्गत बेलगड़िया में कौशल सह आजीविका विकास कार्यक्रम को लेकर बुधवार को भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) के निदेशक मंडल के साथ बैठक की। इस दौरान डीसी ने कहा कि बेलगड़िया टाउनशिप के निवासियों को स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, पानी, बिजली सहित सभी मूलभूत सुविधाएं मिलनी चाहिए। जिससे उनको किसी प्रकार की परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े। बैठक में बेलगड़िया में सूक्ष्म उद्यम के विकास, विभिन्न संरचना की स्थापना के लिए आवश्यक भूमि, आजीविका गतिविधि के साधन के रूप में ई-रिक्शा प्रदान करने, बेलगड़िया में एक प्राथमिक और एक मीडिल स्कूल में स्मार्ट क्लासरूम परियोजना पर चर्चा की गई। साथ ही एलटीएच का सत्यापन और गैर-एलटीएच परिवारों के प्रमाणीकरण के लिए जागरूकता अभियान में तेजी लाने, 6 मेगावाट पावर ग्रिड की स्थापना, रूफ टॉप सोलर की स्थापना, 2 इलेक्ट्रिक बसों के संचालन, मुकुंदा और सुरंगा मौजा में एनटीएसटी परियोजना के भूमि अधिग्रहण से संबंधित आर एंड आर मुद्दे पर भी चर्चा हुई। बैठक में अपर समाहर्ता विनोद कुमार, निदेशक (तकनीकी ऑपरेशन) संजय कुमार सिंह, निदेशक (प्रोजेक्ट एंड प्लानिंग) मनोज कुमार अग्रवाल, निदेशक (मानव संसाधन) मुरली कृष्ण रमैया, झरिया मास्टर प्लान के महाप्रबंधक राजीव चोपड़ा, जेआरडीए सलाहकार डीएन माहापात्रा आदि मौजूद थे।

अधिकारियों के साथ बैठक करते डीसी आदित्य रंजन।

बीएसएल का 'अरिष्ट' नामक राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन का हुआ शुभारंभ

बोकारो (आजाद सिपाही)। बीएसएल के ज्ञानार्जन एवं विकास केंद्र में सुरक्षा अभियंत्रण विभाग के तत्वावधान में बुधवार को 'टुवड्र्स जीरो हार्म के लक्ष्य प्राप्ति' की थीम पर दो दिवसीय 'अरिष्ट' नामक राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। जिसके उद्घाटन सत्र में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के महानिदेशक ललित गभाने, बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी वीरेंद्र कुमार तिवारी के साथ अधिशासी निदेशक (सेल सेफ्टी आर्गेनाइजेशन) अनूप कुमार बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। उद्घाटन सत्र में बीएसएल के अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) सुरेश रंगानी, अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी, अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं एवं अतिरिक्त प्रभार संकार्य) अनीष सेनगुप्ता, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधीनगर के सेंटर ऑफ सेफ्टी एक्सीलेंस के प्रमुख श्री जगदीश वी, रीजनल लेबर इंस्टिट्यूट कोलकाता के निदेशक रविंद्र पी भावे, बीएसएल के मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) बीके सरतापे आदि उपस्थित थे। इस सम्मलेन में सेल के विभिन्न संयंत्रों के साथ टाटा स्टील, जेएसडब्लू स्टील लिमिटेड, सीमेंस एनर्जी इंडिया, एबीबी, डीप नेट एनालिटिक्स, एम एन दस्तूर, वेसुवियस इण्डिया लिमिटेड, कोर इएचएस आदि संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं विशेषज्ञ शामिल हो रहे हैं। उद्घाटन सत्र में सम्मलेन की स्मारिका का लोकार्पण भी किया गया। उद्घाटन सत्र में बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी वीरेंद्र कुमार तिवारी ने सभी को सुरक्षा शपथ दिलाने के बाद मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) बीके सरतापे ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत किया। साथ ही बोकारो स्टील प्लांट के वर्चुअल रियलिटी आधारित सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम, सुरक्षा नियमों का अनुपालन, शून्य हानि जैसे प्रयासों और प्रतिबद्धता के बारे में बताया। वहीं, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के महानिदेशक ललित गभाने ने कहा कि सुरक्षा के तीन प्रमुख कारकों संगठन संस्कृति, मानवीय कारक और कार्यस्थल की स्थिति को अपने संगठन के कोर वैल्यूज में शामिल कर सुरक्षा नियमों का पालन सुनिश्चित करना और दूसरों को भी शिक्षित ० जागरूक करना आवश्यक है। निदेशक-प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी ने कहा कि हमें इस्पात उद्योग से जुड़े सुरक्षा पहलुओं में एक दूसरे के साथ ज्ञान और अनुभव को साझा करते हुए शून्य दुर्घटना के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए लगातार इसे अपने व्यवहार में शामिल करना है। अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं एवं अतिरिक्त प्रभार संकार्य) अनीष सेनगुप्ता ने कहा कि बीएसएल द्वारा अर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, थर्मल इमेजिंग, डिजिटल सिमुलेशन, रोबोटिक संचालन और ठेकेदार सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली जैसे पहल किए जा रहे हैं। सेल सेफ्टी आर्गेनाईजेशन के अधिशासी निदेशक अनूप कुमार ने कहा कि सम्मेलन की थीम 'अरिष्ट' को प्राप्त करने के लिए हमें सुरक्षा संस्कृति के व्यावहारिक पहलू पर तीव्रता के साथ प्रयास करने की जरुरत है। सम्मेलन के पहले दिन तकनीकी सत्रों के प्रथम सेशन में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधीनगर के सेंटर ऑफ सेफ्टी एक्सीलेंसके प्रमुख जगदीश वी द्वारा भारत में उन्नत अग्नि सुरक्षा के लिए वीआर/एआरआधारित प्रशिक्षण और खतरों का अनुकरण विषय पर एवं रीजनल लेबर इंस्टिट्यूट, कोलकाता के निदेशक रविंद्र पी भावे द्वारा प्रौद्योगिकी और स्मार्ट पीपीई के बारे चर्चा की गयी। जबकि दूसरे सेशन के दौरान सीमेंस लिमिटेड, टाटा स्टील, एमएन दस्तूर, डीप नेट एनालिटिक्स एवं राउरकेला स्टील प्लांट की ओर से विविध सुरक्षा सम्बंधित विषयों पर प्रस्तुतीकरण किया गया। गुरुवार को जेएसडब्ल्यू स्टील, सीमेंस एनर्जी इंडिया लिमिटेड, वेसुवियस इंडिया लिमिटेड, टाटा स्टील तथा कोर ईएचएस द्वारा इस्पात उद्योग के सुरक्षा सम्बंधित पहलुओं पर गहन चर्चा की जाएगी।

चित्रकार सरोज मिश्रा को 64वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी में मिला गौरवपूर्ण सम्मान

बोकारो (आजाद सिपाही)। बोकारो के चित्रकार सरोज मिश्रा को भारत सरकार की राष्ट्रीय ललित कला अकादमी की ओर से 64वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी में राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें विगत पांच अगस्त को नई दिल्ली के रविंद्र भवन में आयोजित समारोह में केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने प्रदान किया। इस वर्ष ललित कला अकादमी ने अपनी 70वीं वर्षगांठ पर देशभर के छह हजार कलाकारों के आवेदन में से 286 कलाकारों की कृतियों को प्रदर्शनी के लिए आमंत्रित किया था। जिसमें 20 कलाकारों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया गया। सरोज मिश्रा की कलाकृति का चयन भी देशभर की चुनिंदा पेंटिंग्स में हुआ। गौरतलब है कि मिश्रा वर्तमान में अय्यप्पा पब्लिक स्कूल बोकारो में कला शिक्षक हैं। वे झारखंड की कला- संस्कृति को अपनी चित्र- कृतियों के माध्यम से प्रस्तुत करते रहते हैं।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, हजारीबाग

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0–29/2025–.26

1.	विज्ञापनदाता का नाम एवं पदनाम	:	कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमण्डल, हजारीबाग।
2.	परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि	:	दिनांक 12.08.2025 के अपराहन 1.00 बजे तक
3.	निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय	:	दिनांक 13.08.2025 को 3.00 बजे अपराहन तक
4.	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	:	दिनांक 13.08.2025 को अपराहन 3.30 बजे
5.	परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान	:	1) कार्यपालक अभियंता, या प्राधिकृत पदाधिकारी द्वारा भवन प्रमण्डल, हजारीबाग में। 2) अधीक्षण अभियंता, या प्राधिकृत पदाधिकारी द्वारा भवन अंचल, हजारीबाग में।
6	निविदा प्राप्ति का स्थान	:	01)) कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,भवन प्रमण्डल , हजारीबाग।

क्र. सं.	कार्यकानाम	प्राक्कलित राशि (रू0 में)	अग्रधन की राशि (रू0 में)	परिमाण विपत्र कामूल्य (रू0 में)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	E/R TO A-Type Block-A ,Quarter no-12 , Sarvoday Colony at ,Hazaribag for the year 2024-25	175000/-	4000/-	500/-	01 माह
2	E/R TO A Type Block -A Quarter no-10, Sarvoday Colony at ,Hazaribag for the year 2024-25	175000/-	4000/-	500/-	01 माह
3	E/R TO A- Type Block-A Quarter no-11, Sarvoday Colony at ,Hazaribag for the year 2024-25	175000/-	4000/-	500/-	01 माह
4	E/R TO A- Type Block-A Quarter no-02, Sarvoday Colony at ,Hazaribag for the year 2024-25	201500/-	5000/-	500/-	01 माह
5	Installation Deep Bore Well (8"x6") Dia to Ramashish fourth Grade staff Quarter in Julu Park ,Hazaribag for the year 2024-25	240500/-	5000/-	500/-	01 माह
6	Detailed Estimate for Installation Deep Bore Well E- Type Quarter , Sarvoday Colony at ,Hazaribag for the year 2024-25	220400/-	5000/-	500/-	01 माह
7	Renovation of E-Type Quarter No.-04 Near Jheel, Hazaribag	240500/-	5000/-	500/-	01 माह
8	Emergent work of Construction of Kyari near Boundary wall for Plantation of flowers in the residence of Principal District & session Judge Hazaribag	238600/-	5000/-	500/-	01 माह
9	Detail Estimate of white wash and Special Repairing Works due to change of Occupancy of Quarter G-IV (Block G) Judicial Quarter Located near Carmel School at Hazaribag.	246600/-	5000/-	500/-	01 माह
10	Detail Estimate of white wash and Special Repairing Works due to change of Occupancy of Quarter G-III (Block G) Judicial Quarter Located near Carmel School at Hazaribag.	245100/-	5000/-	500/-	01 माह
11	Detail Estimate of white wash and Special Repairing Works due to change of Occupancy of Quarter G-II (Block G) Judicial Quarter Located near Carmel School at Hazaribag.	245200/-	5000/-	500/-	01 माह
12	Detail Estimate of white wash and Special Repairing Works due to change of Occupancy of Quarter E-III (Block E) Judicial Quarter Located near Carmel School at Hazaribag.	244400/-	5000/-	500/-	01 माह
13	White wash and Special repairing works due to change of Occupancy of Quarter B - V (Block B) Judicial Quarter Situated near Mazar Road Forest Colony Hazaribagh	243800/-	5000/-	500/-	01 माह
14	Emergent work of Repairing of Deep bor well of Guard Room at Judiciary Colony Carmel Chowk , Hazaribag	145100/-	3000/-	500/-	01 माह
15	Aluminium PartitionWork in B- Type ,Block- 02 Sarvoday Colony at ,Hazaribag	240000/-	5000/-	500/-	01 माह
16	Paver Block Work in Campus of B- Type Sarvoday Colony at ,Hazaribag	240000/-	5000/-	500/-	01 माह
17	Aluminium PartitionWork in B- Type ,Block- 03 Sarvoday Colony at ,Hazaribag	249500/-	5000/-	500/-	01 माह
18	Renovation of D- Type ,Qtr no - 04 in Carmel Chowk at Hazaribag.	233700/-	5000/-	500/-	01 माह

निविदा की शर्तें कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

PR 358891 Building(25-26).D

कार्यपालक अभियंता,
भवन प्रमण्डल, हजारीबाग

हिमाचल-किन्नौर में बाढ़ से दो श्रद्धालुओं की मौत

किन्नर कैलाश यात्रा रुकी, 413 तीर्थयात्रियों को बचाया गया, उत्तराखंड के पौड़ी में बादल फटा

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। पहाड़ों पर मानसून की बारिश आफत लेकर आयी है। हिमाचल प्रदेश में मंगलवार रात से जारी भारी बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। किन्नौर जिले में सालाना होने वाली किन्नर कैलाश यात्रा पर गये दो श्रद्धालुओं की बाढ़ में बहने से मौत हो गयी।

अचानक आयी बाढ़ से यात्रा रूट पर दो पुल भी बह गये। बाकी का रास्ता भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जिसके कारण यात्रा रोक दी गयी है। कई श्रद्धालु फंसे हुए हैं। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस की टीम ने जिपलाइन की मदद से 413 तीर्थयात्रियों को बचाया है।

मंगलवार रात चंडीगढ़-मनाली नेशनल हाइवे पर भी लैंडस्लाइड हुई। सड़कों पर बड़ी-बड़ी चट्टान गिरने से राज्य में 500 से ज्यादा सड़कें बंद हैं। शिमला, मंडी, सोलन और कुल्लू जिले में स्कूलों की छुट्टी कर दी गयी है।

उत्तराखंड में बुधवार को भी भारी बारिश जारी है। पौड़ी जिले में बादल फटा है। यहां के बुरांसी गांव में मलबा गिरने से दो महिलाएं दब गयीं। इनमें से एक महिला का शव बरामद हो चुका है, जबकि दूसरी की तलाश जारी है। वहीं, बाकुंडा गांव में भी बादल फटा, जहां 5 नेपाली मजदूरों के बहने की सूचना है। इससे पहले धराली गांव में मंगलवार को बादल फटने से भारी तबाही मच गयी। इसमें 4 लोगों की मौत हो गयी, जबकि 50 से ज्यादा लोग लापता हैं। कर्णप्रयाग में पहाड़ ढहने से बद्रीनाथ नेशनल हाइवे बंद हो गया। हरिद्वार-देहरादून रेल पर चट्टान गिरने से रेलों की आवाजाही बंद कर दी गयी है।

हिमाचल के किन्नौर में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस ने जिपलाइन से 413 तीर्थयात्रियों को निकाला

धराली त्रासदी में पांच लोगों की मौत, एक शव बरामद, 11 जवानों का रेस्क्यू, 100 से ज्यादा लापता, केरल के 28 टूरिस्ट का भी सुराग नहीं

देहरादून (आजाद सिपाही)। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में बादल फटने से प्रभावित इलाकों धराली, हर्षिल और सुखी टॉप में सर्च ऑपरेशन जारी है। त्रासदी में अब तक 5 लोगों की मौत हो चुकी है। 100 से ज्यादा लोग लापता हैं। एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, आइटीबीपी और आर्मी बचाव कार्य में जुटी हैं। आइटीबीपी के प्रवक्ता कमलेश कमल ने बताया कि 400 से ज्यादा लोगों का रेस्क्यू किया गया है। 100 से ज्यादा अभी भी फंसे हैं। सेना के 11 लापता जवानों का रेस्क्यू कर लिया गया है। बुधवार सुबह पीएम मोदी ने उत्तराखंड सीएम पुष्कर सिंह धामी से फोन पर बात की। इधर, केरल के 28 टूरिस्ट्स का ग्रुप धराली की घटना के बाद से लापता है। परिवार के सदस्यों ने कहा कि एक दिन पहले सभी ने गंगोत्री की यात्रा पर जाने की बात कही थी, लेकिन लैंडस्लाइड के बाद से उनसे कोई संपर्क नहीं हो सका है।

आरबीआइ ने रेपो रेट में बदलाव नहीं किया

नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) ने इस बार रेपो रेट में बदलाव नहीं किया है। इसे 5.5% पर जस का तस रखा है। यानी लोन महंगे नहीं होंगे और आपकी एटक भी नहीं बढ़ेगी। आरबीआइ ने जून में ब्याज दर 0.50% घटाकर 5.5% की थीं। यह फैसला मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की 4 से 6 अगस्त तक चली मीटिंग में लिया गया। फ्हक गवर्नर संजय मल्होत्रा ने आज यानी 6 अगस्त को इसकी जानकारी दी। आरबीआइ गवर्नर ने कहा कि कमेटी के सभी मेंबर्स ब्याज दरों में स्थिर रखने के पक्ष में थे। टैरिफ अनिश्चितता के कारण ये फैसला लिया गया है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया यानी आरबीआइ जिस रेट पर बैंकों को लोन देता है उसे रेपो रेट कहते हैं। इसमें बदलाव नहीं होने का मतलब है कि ब्याज दरें न तो बढ़ेंगी न घटेंगी। आरबीआइ गवर्नर ने कहा कि मानसून सीजन अच्छा चल रहा है। साथ ही, त्योहारों का सीजन भी नजदीक आ रहा है, जो आमतौर पर आर्थिक गतिविधियों में उत्साह और तेजी लाता है। ये अनुकूल माहौल, सरकार और रिजर्व बैंक की सहायक नीतियों के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए निकट भविष्य में अच्छा संकेत देता है। ग्लोबल ट्रेड की चुनौतियां बनी हुई हैं, लेकिन भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं कुछ हद तक कम हुई हैं।

लोकसभा में मर्चेंट शिपिंग बिल पास

एसआइआर मुद्दे पर दोनों सदनों में हंगामा

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। संसद के मानसून सत्र का बुधवार को 13वां दिन था। राज्यसभा और लोकसभा को 7 अगस्त सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। पोर्ट, शिपिंग और जलमार्ग मंत्री सबार्नंद सोनोवाल ने बुधवार को लोकसभा में मर्चेंट शिपिंग बिल, 2024 पेश किया। विपक्ष के हंगामे के बीच बिल पास हुआ। इससे पहले सुबह दोनों सदन शुरू होते ही विपक्ष ने बिहार वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन मामले पर हंगामा शुरू कर दिया। वहीं, विपक्षी दलों के नेताओं ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला से मांग की है कि नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल 2025 और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) विधेयक, 2025 को संयुक्त संसदीय समिति को भेजा जाये। वहीं, राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उप सभापति हरिवंश नारायण सिंह को लेटर लिखा है। जिसमें उन्होंने राज्यसभा में बिहार एसआइआर पर चर्चा कराने की मांग की है।

बीते दिन राज्यसभा में मणिपुर में लागू राष्ट्रपति शासन की अवधि छह महीने और बढ़ाने का प्रस्ताव स्वीकार किया गया। वहीं, लोकसभा में गोवा राज्य के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में अनुसूचित जनजातियों के प्रतिनिधित्व का पुनः समायोजन विधेयक, 2024 पारित किया गया।

12 दिनों में अब तक सिर्फ 2 दिन चर्चा हुई : 21 जुलाई को शुरू हुए मानसून सत्र के बाद से संसदीय कार्यवाही करीब ठप रही है। बिहार में वोटरों के वेरिफिकेशन मामले पर विपक्षी पार्टियों ने हर दिन विरोध-प्रदर्शन किये। 11 दिनों के दौरान, सिर्फ 28 और 29 जुलाई को सदन में पूरे दिन की कार्यवाही चली। दोनों दिन, पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर दोनों सदनों में चर्चा हुई थी।

लक्ष्मण प्रसाद सिंह ने नये ट्रांसफार्मर का किया उद्घाटन, ग्रामीणों ने जताया आभार

राजधनवार (आजाद सिपाही)। भाजपा नेता सह पूर्व आइजी लक्ष्मण प्रसाद सिंह ने बुधवार को धनवार प्रखंड के जेरूवाडीह पंचायत के चांगोसिंगा गांव में एक सौ केवी ट्रांसफार्मर का लोकार्पण किया। लगभग 20 दिनों से गांव का ट्रांसफार्मर जल गया था, जिस कारण स्थानीय लोग अंधेरे में थे। बच्चों की पढ़ाई बाधित हो रही थी। ग्रामीणों ने अपनी इस समस्या की जानकारी श्री सिंह को दी, तो श्री सिंह ने विभाग के वरीय अधिकारियों से संपर्क कर नया ट्रांसफार्मर दिलाया। बिजली बहाल हो जाने से ग्रमीणों ने खुशी जताते हुए श्री सिंह का आभर व्यक्त किया। मौके पर ग्रामीणों को संबोधित करते हुए श्री सिंह ने बच्चों व युवाओं को मन लगा कर पढ़ाई करने की राय दी। कहा कि शिक्षा ही सबसे बड़ा धन है। उन्होंने ग्रामीणों के आग्रह पर अलग देशी रोड का अवलोकन भी किया तथा इसके निर्माण की दिशा में पहल करने का भरोसा दिया। इसके बाद श्री सिंह भाजपा कार्यालय पहुंचे और लोगों की समस्याओं से अवगत हुए। कुछ लोगों की समस्याओं का मौके पर ही निदान भी कर दिया, कुछ को जल्द ही निदान करने का भरोसा दिया। लोकार्पण में ग्रामीण खैरुल अंसारी, पंसस दिवाकर विश्वकर्मा, मो महफूज, मो इलियास,मो जहुर, मो सिराज,मो अरबाज, मो अयूब, मो जमीर्मो तैयब, मो समसुद्दीन, मो कौसर मो इब्राहिम, मो मिस्टर, शिव नारायण यादव आदि तथा कार्यालय में पवन सिंह, संजय साव, श्रीकांत राय, नकुल राय विनय कुमार सिंह, सुबोध राय आदि मौजूद थे।

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित। **संपादक :** हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक* :** विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**